फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 158 प्रभात जयपुर, बुधवार 8 जनवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

THE SAINT AND JAIPUR

Much of what Kipling said about Jaipur is applicable to Khetri too, for Khetri was a fief of Jaipur, ruled by the junior branch of the Jaipur ruling family.

To Wi-Fi Or Not To Wi-Fi On A Plane?

You might love the idea of staying in touch with the world below, or maybe, you're not keen on that social media scrolling even while flying.

दिल्ली की मु.मंत्री आतिशी सिंह ने आरोप लगाया, तीन महीने में दूसरी बार बेघर किया केन्द्रीय सरकार ने

भाजपा ने प्रत्युत्तर में कहा, आतिशी को बेघर करने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि ग्यारह अक्टूबर को ''शीश महल'' ऑफर हुआ, पर, उन्होंने आज तक उसका कब्जा नहीं लिया है, अतः शीश महल का उनका आवंटन रद्द करना पड़ा था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सिंह के दावे, कि केन्द्र सरकार ने उनका घर छीन लिया है और भाजपा के इसके जोरदार खंडन के बाद कंट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) की एक रिपोर्ट आई है जिसमें केजरीवाल के बंगले की मरम्मत व साज-सज्जा पर हुए भारी खर्च का जिक्र हैं।

ऑडिटर रिपोर्ट जिसे दिल्ली विधानसभा में पेश नहीं किया गया में बताया गया है कि केजरीवाल के बंगले 6, फ्लैग स्टाफ रोड के लिए पर्दे खरीदने पर 96 लाख रुपए, इटालियन मार्बल की खरीद पर 14 लाख रुपए और मार्बल स्टोन पर 66 लाख रु. खर्च किए। शुरुआत में मरम्मत व साज-सज्जा पर 7.91 करोड़ रु. खर्च होने का अनुमान था पर काम खत्म होते-होते यह खर्च बढ़कर 33.66 करोड़ रु. हो गया।

केजरीवाल के शीश महल पर मंगलवार को तब विवाद बढ़ा जब मुख्यमंत्री आतिशी सिंह ने दावा किया कि केन्द्र सरकार ने तीन माह में दूसरी बार उनसे आवास छीन लिया, उन्हें दिया हुआ आवंटन रद्द करके। इस पर भाजपा के अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री को कभी भी निकाला नहीं गया। असल में वे कभी भी शीश महल में गई ही नहीं जो उन्हें गत वर्ष 11 अक्टूबर को आवंटित हुआ था।

भाजपा नेता ने आतिशी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट के दो पत्र शेयर किए जिनमें स्पष्ट किया गया था आवंटन वापस लिया गया क्योंकि आतिशी कभी इसमें गईं ही नहीं। इसकी बजाय उन्हें दो बड़े बंगले आवंटित किए गए। मालवीय ने कहा, उन्होंने शीश महल में रहना स्वीकार नहीं किया क्योंकि वो केजरीवाल को नाराज़ नहीं करना चाहती थी।''

शीश महल विवाद अगले माह होने वाले विधानसभा चुनाव में आप के लिए शुभ संकेत नहीं है। क्योंकि इससे केजरीवाल की आम आदमी के नेता की छवि खराब हो सकती है।

सी.ए.जी. रिपोर्ट की टाइमिंग महत्वपूर्ण है। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या रिपोर्ट के निष्कर्ष आप के जनाधार पर नकारात्मक और दूरगामी प्रभाव डाल सकते है। सी.ए.जी. रिपोर्ट में बताया गया है कि खर की मरम्मत और साजसज्जा में कितने महंगे आइटम प्रयुक्त किए गए। मुख्यमंत्री आवास में 8 शयन कक्ष, तीन मीटिंग रुम, दो ड्राईंग रुम, दो किचन और 12 टॉयलैट है। यहां तक कि टॉवल रैक व सोप होल्डर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस संबंध में भाजपा ने यह कटाक्ष भी किया कि केजरीवाल ने बहुत तबियत से, अपने मु.मंत्री निवास ''शीश महल'' को 33.66 करोड़ रूपये खर्च करके ठीक-ठाक कराया। अतः आतिशी केजरीवाल के ''शीश महल'' में शिफ्ट करके केजरीवाल की नाखुशी नहीं लेना चाहती थीं, इसलिए शीश महल को उन्होंने अपना निवास कभी नहीं बनाया।
- 33.66 करोड़ रूपये ''रैनोवेशन'' पर खर्च होने की बात सी.ए.जी. ने अपनी रिपोर्ट में भी कही है।
- पर, दिल्ली में विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले ही रिपोर्ट आना इस घटनाक्रम में राजनीतिक पुट होने का संदेह जरूर जगाती है। सी.ए.जी. की रिपोर्ट का केजरीवाल के वफादार वोट बैंक पर कितना असर होगा, यह अभी नहीं आंका जा सकता।

नाबालिग से अश्लीलता करने वाले को 5 साल की सजा

जयपुर, 7 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर, द्वितीय, ने 6 साल की पीड़िता के साथ अश्लीलता करने वाले अभियुक्त परमा उर्फ गोलू को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह मालावत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसे अपराधों से समाज की नैतिकता और बालिकाओं की सुरक्षा का खतरा है। इसलिए अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने 17 नवंबर, 2023 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पास वाले कमरे में किराए पर रहने वाले अभियुक्त ने उसकी छह साल की बेटी को कमरे में बुलाया और अश्लील हरकत की। पीड़िता का रोना सुनकर जब वे कमरे में गए तो अभियुक्त ने पीड़िता के कपडे खोल रखे थे और उससे अश्लीलता कर रहा था।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17 नवम्बर, 2023 की घटना पर निर्णय सुनाया।

क्या बिहार में राष्ट्रपति शासन लगेगा?

केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा बिहार दौरा रद्द करने से अटकलों का बाज़ार गर्माया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। तेजस्वी यादव ने बिहार के गवर्नर से मुलाकात की ओर संकेत दिया कि नीतीश कुमार की सरकार 24 घंटे में सत्ता से बाहर हो जाएगी।

उन्होंने राज्यपाल से कहा कि पटना में छात्र उग्र हो रहे हैं। तेजस्वी ने गवर्नर को लिखे अपने पत्र में कहा कि नीतीश हिंसा की साजिश रच रहे हैं।

दिल्ली में भाजपा सूत्रों ने कहा कि तेजस्वी ने पटना में दंगे की चेतावनी दी है, इससे नीतीश को सत्ता से हटाकर भाजपा को सत्ता में आने में मदद मिलेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी धमकी मिली है कि उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। शाह ने दो दिन पहले बिहार दौरा भी स्थगित कर दिया और अब वे बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रहे हैं ताकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता में आने में मदद मिल जाएगी।

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करने दिल्ली गए थे पर मोदी ने नीतीश को मिलने का समय ही नहीं दिया। भाजपा बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का विचार कर रही है। छात्रों ने पटना में चक्का जाम कर रखा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- समझा जाता है कि मोदी और शाह नीतीश से सख्त नाराज हैं, कारण है, नीतीश और लालू यादव की मुलाकात।
- बताया जाता है कि नीतीश, प्र.मंत्री मोदी से मिलने दिल्ली गए, पर, मोदी ने उन्हें मुलाकात का समय ही नहीं दिया।
- तेजस्वी यादव ने भी राज्यपाल से मुलाकात की और मुलाकात के बाद कहा कि 24 घंटे में नीतीश सरकार चली जाएगी।

जवाब नहीं दिया तो मानेंगे, सरकार एस.आई. भर्ती रद्द करना चाहती है

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 के मामले में स्पष्ट किया है कि यदि सरकार ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया तो यह माना जाएगा कि वह एसआईटी की रिपोर्ट, एजी की राय और कैबिनेट सब कमेटी की ओर से भर्ती रद्द करने की सिफारिश पर सहमत है। वहीं, इसे आधार मानते हुए अदालत भी अपना फैसला देगी। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह 9 जनवरी को एसआईटी की 13 अगस्त 2024 की रिपोर्ट, एजी की 14 सितंबर 2024 की विधिक राय व कैबिनेट सब कमेटी की 7 अक्टूबर व 10 अक्टूबर 2024 की बैठकों का विस्तृत रिकार्ड भी पेश करे। जस्टिस समीर जैन ने ये निर्देश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य के प्रार्थना पत्र पर दिए। अदालत की ओर से मंगलवार को यह आदेश सार्वजनिक करने पर यह जानकारी सामने आई है।

अदालत ने कहा कि यदि 18 नवंबर 2024 के आदेश में दिए गए निर्देशों के विपरीत जाकर कोई भी कार्रवाई या फील्ड पोस्टिंग दी जाती है, तो इसके जिम्मेदार अफसर व व्यक्तियों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, यदि इस संबंध में कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने एस. आई. टी. की रिपोर्ट, ए.जी. की विधिक राय तथा कैबिनेट सब कमेटी की बैठकों का विस्तृत रिकॉर्ड भी मांगा।

चीन अरुणाचल प्रदेश में नये आतंकवादी ग्रुप, ''यूनाइटेड टानी आर्मी'' को पनपा रहा

इस ग्रुप का मुख्य ध्येय भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में ''हाइड्रो इलैक्ट्रिसिटी'' जनरेट करने के लिये प्रस्तावित बड़े-बड़े बाँधों के निर्माण का विरोध करना है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारत के अरुणाचल प्रदेश में चीन एक उग्रवादी समूह ''यूनाईटेड टानी आर्मी'' (यू.टी.ए.) के गठन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यू.टी.ए. का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे बांध निर्माण का विरोध करना है और उसमें व्यवधान डालना है। ये बांध परियोजनाए भारत के ''क्लीन एनर्जी'' लक्ष्य तथा क्षेत्रीय विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनका उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश के हाइड्रो इलैक्ट्रिक क्षमता का पूरा लाभ उठाना है जिससे भारत की ''ऊर्जा सुरक्षा'' बढ़ सकती है।

चीन की विस्तृत रणनीति, जिसका लक्ष्य भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाना है, के तहत यू.टी.ए. की स्थापना की गई है। ऐसे उग्रवादी संगठनों को समर्थन व सहायता देकर चीन भारत के लिए आन्तरिक सुरक्षा चुनौतियां पैदा करना चाहता है जिससे नई दिल्ली को अपनी ऊर्जा व संसाधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में इस आतंकवादी ग्रुप ने एक वक्तव्य जारी कर अरुणाचल में बड़े बाँधों के निर्माण का तो विरोध किया ही, साथ में कई क्षेत्रीय भावात्मक मांगों को साथ में जोड़ दिया। जैसे, चकमा जनजाति के विस्थापितों को बसाने के लिये सरकार की व्यवस्था में कमियां-खामियों को उजागर करना तथा आदिवासी महिलाओं के गैर-आदिवासी पुरुषों से शादी व इस विवाह से उत्पन्न बच्चों को आदिवासी ''स्टेटस'' देने का विवाद आदि।
- चीन जानता है, ऐसे भावात्मक मुद्दे उठाने से इस आतंकवादी संगठन से कुण्ठित युवा जुड़ेगा तथा चीन, भारत के नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र को अस्थिर कर सकेगा और वहाँ अशांति बनी रहेगी।

न्याय मित्र महिला टॉयलैट्स के हालात पर रिपोर्ट पेश करे

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्यस्थल और सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के लिए टॉयलैट्स की कमी व मौजूदा टॉयलैट्स में आधारभूत सुविधाओं की कमी से जुड़े मामले में केन्द्र व राज्य सरकार से पूछा है कि महिला टॉयलैट्स के मौजूदा हालात क्या हैं और महिला शौचालयों के सुधार के लिए उनकी क्या कार्य योजना है। इसके साथ ही अदालत ने मामले से जुड़े न्याय मित्रों को कहा है कि वे भी सर्वे कर महिला शौचालयों के हालातों पर अपनी रिपोर्ट पेश करें। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश मंगलवार को प्रदेश में महिला शौचालयों में आधारभूत सुविधाओं की कमी पर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी राजदीपक रस्तोगी और राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव पेश हुए। दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार से महिला शौचालयों के सुधार पर कार्य योजना माँगी।

फी ट्रेड, फ्री इन्वैस्टमैंट का सबसे बड़ा व प्रबल समर्थक अमेरिका अब इतना कैसे बदल गया?

अमेरिका ने चीन की बड़ी कम्पनियों पर, चीन की सेना से नज़दीकी संबंधों का आरोप लगाकर, अमेरिका में इन कम्पनियों का माल प्रवेश करने पर भारी पाबंदी लगा दी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। किसी समय युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका फ्री ट्रेड (मुफ्त व्यापार), फ्री इन्वैस्टमैंट (मुफ्त निवेश) तथा व्यापार एवं उद्योग में किसी भी तरह के सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने का सबसे बड़ा हिमायती वही आज अमेरिकी बाज़ार में विदेशी व्यापार व उद्योग को प्रवेश करने से रोकने के लिए सरकारी कंट्रोल का पक्षधर बन गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन चीनी कंपनियों को चिन्हित किया है जो चीन मिलिटरी से जुड़ी हैं। इस प्रकार उसने सैन्य उत्पादों के लिए लाभकारी व विशाल अमेरिकी बाज़ार में इन चीनी कंपनियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया है।

यू.एस.ए. ने सबसे बड़ी चीनी शिपिंग कंपनी कॉस्को (सी.ओ.एस.सी.ओ.), जो एक मिलिटरी कंपनी है, को चिन्हित किया है, और अमेरिकी बाज़ारों में, शिपिंग व माल ढुलाई के उसके कार्य संचालन को प्रतिबंधित कर दिया है। यह कंपनी चीनी सैन्य हार्डवेयर यूनिट्स के लिए माल और सामान ढोती है।

साथ ही साथ, अमेरिका ने चीन के सबसे बड़ी ऑफशोर तेल उत्पादक, सी.एन.ओ.ओ.सी. पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह एक राज्य समर्थित कंपनी है और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) के साथ इसके सक्रिय लिंक है। अमेरिका की, रुसी तथा ईरानी तेल कंपनियों और सख्त प्रतिबंध लगाने की योजना है, इन कंपनियों के राजस्व को कम करने के लिए।

एक और अलगावादी कदम में, यू.एस. सरकार ने जापान की कंपनी निप्पॉन स्टील द्वारा अमेरिका की बीमार स्टील कंपनी, यू.एस. स्टील्स को खरीदने के प्रयास को रोक दिया है। सरकार के इस कदम के जवाब में दोनों कंपनियाँ री-स्ट्रक्चरिंग के लिए पुनः योजना बना रही है।

ये कदम नुकसानदेह हो सकते हैं तथा वैश्विक गैस व तेल की कीमतों को बढ़ा सकते हैं। तेल बाज़ार की रिपोर्टों के अनुसार प्रमुख कच्चे तेलों में पहले ही कड़ी वृद्धि देखी जा रही है। वर्तमान में ब्रैंट क्रूड लगभग 77 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है और सर्दियों की मांग के कारण यह जल्द ही 80 डॉलर तक पहुंच सकता है।

सबसे ज्यादा चौंकाने वाला कदम यह रहा कि अमेरिका ने चीन की सबसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहले अमेरिका का नारा होता था, बिज़नेस व उद्योग पर सरकार का कुछ भी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिये।
- पर, अब बड़ी-बड़ी चीन की कम्पनियों पर, जैसे चीन जल परिवहन की सबसे बड़ी कम्पनी कोस्को, चीन ''ऑफ शोर'' ऑयल प्रोडक्शन की सबसे बड़ी कम्पनी सीनुक तथा चीन की सबसे बड़ी इंटरनैट कम्पनी, टैनसैन्ट पर चीन की सेना से ''लिंक'' होने का आरोप लगाकर, अमेरिका में धंधा करने पर पूरी रोक लगा दी है। यही हाल विश्व में बिजली की कारों के लिये सबसे बड़ी इलैक्ट्रिक बैट्री निर्माता कम्पनी चीन के सी.ए.टी.एल. के साथ भी अमेरिका ने यह ही किया है।
- अब विश्व यह ही देख रहा है कि अमेरिका किन और कम्पनियों पर, सेना से लिंक होने का आरोप लगाकर, अमेरिका में व्यापार करने पर पाबंदी लगायेगा।

सांसद पप्पू यादव की 12 को बिहार बंद की घोषणा

पटना, 07 जनवरी। बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70 वीं परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा कराने एवं अनियमितताओं की जांच के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

यादव ने मंगलवार को यहां बताया कि अब तक हुई सभी परीक्षाओं में पेपर लीक की जांच का आश्वासन राज्यपाल ने दिया है। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन्होंने परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा कराने व अनियमितताओं की जांच के लिये राज्यपाल को ज्ञापन दिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को, मतगणना 8 फरवरी को

चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जैसी आशा थी, भारतीय चुनाव आयोग ने आज दिल्ली विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी। मतदान एक ही चरण में, 5 फरवरी को होगा तथा परिणामों की घोषणा तीन दिन बाद, 8 फरवरी को की जायेगी।

इन चुनावों में तीनों पार्टियों- आम आदमी पार्टी (आप), इसे मुख्य चुनौती देने वाली भाजपा तथा कांग्रेस का बहुत कुछ दाँव पर लगा हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में कभी बहुत प्रभावी रही कांग्रेस और भाजपा एक दशक पुरानी आप को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। आप ने इन दोनों पार्टियों को दिल्ली में दीन-हीन स्थिति में पहुँचा दिया है।

जहाँ भाजपा जनता की नज़रों में आप की जबरदस्त छवि को नष्ट करने के लिये उचित-अनुचित सभी तरह के तरीके अपना रही है, वहीं कांग्रेस, जिसके पास संसाधनों का नितान्त अभाव है, तीसरी ताकत के रूप में दृढ़तापूर्वक संघर्ष कर रही है।

भाजपा के लिये यह लड़ाई इसलिये और भी प्रतिष्ठा की हो गई है, क्योंकि गत वर्ष के लोकसभा चुनावों में उसे अपेक्षित सफलता भले ही न मिली हो, लेकिन कुछ माह पूर्व हुये हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उसने चौंका देने वाली वापसी की है। इस चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रान्ड वैल्यू दाँव पर लगी हुई है।

जहाँ आप के लिये यह चुनाव अब तक का सबसे मुश्किल चुनाव है, वहीं भाजपा लगभग ढ़ाई दशक बाद, सत्ता में लौटने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। दूसरी तरफ, कांग्रेस दोनों का सामना करने के लिये बाध्य हैं, हालाँकि उसे मालूम है कि उसे जो भी मिलेगा, वह उसे शिरोधार्य होगा क्योंकि उसके पास खोने के लिये कुछ भी नहीं है।

एक भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन की कोख से जन्मी आप 2013 में, अपने पहले चुनाव में आँधी-तूफान की तरह आई और 29.49 प्रतिशत वोट शेयर के साथ, दिल्ली की 70 में से 28 सीटें जीत लीं। दो साल बाद, 2015 में, इसने अपने विरोधियों को धूल चटा दी तथा 70 में से 67 सीटें जीतीं तथा भाजपा को केवल 3 सीटें और कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। 2015 में इसका वोट शेयर 54.35 प्रतिशत रहा। आप ने अपना यह असाधारण प्रदर्शन 2020 में भी दोहराया। इसकी सीटों में मामूली सी कमी आई तथा इसे 62 सीटें मिलीं तथा वोट शेयर 53.70 प्रतिशत रहा।

लेकिन, जिस पार्टी ने कभी अपने आप को परिवर्तन की प्रतिनिधि के रूप में प्रोजैक्ट किया था, वही पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर चुकी है। स्वयं केजरीवाल ने करीब 6 महीने जेल में गुजारे हैं। दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर पहले उन्हें ई.डी. ने गिरफ्तार किया था तथा उसके बाद सी.बी.आई. ने। उन्हें गत वर्ष सितम्बर में जमानत मिली थीं

केजरीवाल के मुख्य सहयोगी तथा दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आबकारी नीति केस में 17 महीने से ज्यादा समय तक जेल में रहे थे। एक अन्य पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तथा राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी गिरफ्तार हुये थे तथा इस समय वे जमानत पर हैं।

2015 से दिल्ली के राजनैतिक परिदृश्य पर छाई रही तथा 2022 में एक दूसरे राज्य, पंजाब में जीत का डंका बजाने वाली आप, पिछले कुछ दशकों में भारत की सर्वाधिक सफल पोलिटिकल स्टार्टअप रही है। इसकी सफलता के पीछे केजरीवाल का वैलफेयर मॉडल था, जिसमें मोहल्ला क्लीनिक, सरकारी स्कूलों में सुधार, बिजली तथा पानी में दी गईं सब्सिडी शामिल थे। लेकिन इसके साथ ही सत्ता-विरोध, बुरी तरह खराब हो चुकी इसकी छवि तथा इसकी चमक-दमक का फीका पड़ना- जैसे कारण इसके लिये संकट बन रहे हैं।

भाजपा, जिसे उच्च मध्यम वर्ग, पंजाबी समुदाय तथा व्यापारी वर्ग का समर्थन हासिल है, के वोट बैंक में इस प्रकार की कोई कमी दिखाई नहीं दे रही है।

भाजपा का पूरा फोकस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आप को निशाना बनाने तथा मुख्यमंत्री निवास के कायाकल्प में की गई फिजूलखर्ची को लेकर केजरीवाल पर व्यक्तिगत हमले करने पर है। आप को पहली बार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। केजरीवाल ने कभी स्वयं को एक ऐसे ''शिक्षित'' बाहरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली विधानसभा का चुनाव त्रिकोणात्मक हो रहा है, आप, भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे को टक्कर देंगे। आम आदमी पार्टी के लिए यह अब तक सबसे कठिन चुनाव है, वहीं भाजपा भी 25 साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। साथ ही कांग्रेस भी बेहद आशान्वित है।
- भाजपा ने बेहद उग्र प्रचार अभियान छेड़ रखा है। उसका निशाना केजरीवाल हैं। यहाँ प्रधानमंत्री ने खुद मोर्चा संभाला है।
- इस बार कांग्रेस भी दिल्ली को लेकर बेहद आशान्वित है। वर्ष 1998 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के साथ कांग्रेस लगातार 15 साल सत्ता में रही, जिसे 2013 में आप ने सत्ता से बेदखल किया।

विचार बिन्दु

मनुष्य तो दुर्बलताओं की प्रतिमा है जिसमें देवत्व और दानत्व दोनों का ही समावेश है। –हितोपदेश

मशीन बुद्धि से काम होगा तब मानव मस्तिष्क क्या करेगा!

अब जब मशीन बुद्धि 'एआई' लगातार उच्च स्तर छूती जा रही है, तब यह सवाल भी उठ रहा है कि मनुष्य की बुद्धि, जो मशीनी बुद्धि को नित नये आयाम दे रही है, उसका खुद का क्या होगा? दो साल से भी कम समय में 'ओपन एआई' एक गैर-लाभकारी प्रयोग से निकलकर एक वैश्विक व्यवसाय में तब्दील हो गई है, जिसके बाद और अधिक परिष्कृत एआई तैयार करने वाली बडी कंपनियों के बीच अब जबरदस्त प्रतिस्पर्धा छिडी हुई है। जीव विज्ञानी बताते हैं कि मानव बुद्धि भी रासायनिक यांत्रिक प्रक्रियाओं वाली कोशिकाओं की मशीन मस्तिष्क से ही तैयार होती है। नई परिस्थितियों में इस चेतन मशीन मस्तिष्क का क्या होगा? एआई का विकास जिस स्तर पर पहुंच गया है, उसमें मशीनी बुद्धि न केवल गणित के कठिन सवाल हल कर सकती है बल्कि बेहतरीन निबंध और फीचर लेख लिख सकती है, चिट्ठियां लिख सकती है, चित्र बना सकती है, मानव स्वर और साजों की आवाजों को बना कर संगीत की रचना कर सकती है। इससे मानव मस्तिष्क को अवश्य ही अवकाश मिलेगा, मगर उसके क्या परिणाम होंगे, यह सवाल भी उठता है। डिजिटल तकनीक को विकसित करने वाले इंसानी दिमाग ने जो अजूबा कर दिखाया है उससे हर वह काम जो मनुष्य कर सकता है मशीन भी अपने को दी गई बुद्धि से कर सकती है, यहां तक कि जीवित मानव शरीर पर शल्य क्रिया भी। इसीलिए अब यह सवाल उठ खडा हुआ है कि अगर मशीन, मनुष्य द्वारा किए जाने वाले तमाम काम संभाल सकती है, और उसे लगातार बिना थके कर सकती है, तो फिर इंसान का दिमाग क्या करेगा या उसके करने के लिये क्या बचेगा?

जनरेटिव एआई के उदय के साथ जब कृत्रिम बुद्धि की संभावना सच होती दिखने लगी थी तब आधुनिक इतिहासकार युवल नोआ हरारी ने टिप्पणी की थी कि कंप्यूटर की भाषा ने "हमारी सभ्यता के ऑपरेटिंग सिस्टम को हैक कर लिया है।" इसे जीव विज्ञानियों और स्नायु विज्ञानियों की मस्तिष्क की उस व्याख्या से समझा जा सकता है जिसमें वे कहते हैं कि खुद मानव बुद्धि का अधिकांश हिस्सा यांत्रिक प्रकृति का है, अर्थात पैटर्न-आधारित है, जिसे निर्जीव मशीनें आसानी से दोहरा सकती हैं। डिजिटल एल्गोरिद्म की भाषा के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी के लोग मशीन को मानवीय बुद्धि की यंत्र-क्रिया सिखाते हुए जिस ताकतवर एआई के निर्माण तक पहुंच चुके हैं वह सबके सामने है। मनुष्य के मस्तिष्क सहित शरीर की समस्त कोशिकाओं की आपसी संचार व्यवस्था जो शरीर की क्रिया और प्रतिक्रिया को नियंत्रित करती है, उसे मशीन को सिखा कर उससे करवाना ही एआई का विकास है।

एक नया सवाल यह भी पूछा जाने लगा है कि क्या मशीनी बुद्धि के विकास का अगला चरण मशीन को चेतन बना सकेगा? क्या मशीनें कभी सही मायने में खुद सोच पाएंगी, समझ पाएंगी, या शायद सचेत हो पाएंगी? क्या वे तथाकथित "मानव बुद्धि की ऊंचाइयों" तक पहुँच पाएंगी? इसकी पृष्ठभूमि में एक और अस्पष्ट सवाल मंडराता रहता है कि अगर मशीन में चेतना आई तो क्या उसके हमारे खिलाफ हो जाने की नौबत आ सकती है? क्या वे मानव की प्रतिद्वंद्वी प्रजाति बन जाएगी? इस डर ने वर्षों से मानवीय कल्पनाओं को हवा दी है। इस विषय पर अनेकों उपन्यास लिखे गये और दर्जनों फिल्में बनी हैं जो अत्यंत लोकप्रिय तथा बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई हैं। इससे आमजन में इस सवाल के जवाब पाने की उत्सुकता और बढ गई है कि क्या होगा यदि इस नई दुनिया में, एआई न केवल शब्द, बल्कि विश्वास, मिथक और शायद एक नई तरह की संस्कृति भी बनाना शुरू कर दे जो मानव इतिहास के पाठ्यक्रम को पूरी तरह से बदल सकती हो? मगर अधिकांश दार्शनिकों ने यह कहते हए इस विचार को खारिज कर दिया है कि एआई, मानव दिमाग की नकल और अनुकरण करके एक शानदार प्रदर्शन तो कर सकता है, किन्तु इसका खुद अपना दिमाग नहीं हो सकता है। दार्शनिक स्वेन न्यहोम ने एक दिन, चैटजीपीटी पर टाइप किया, मार्टिन हाइडेगर एआई की नैतिकता के बारे में क्या सोचते होंगे? कंप्यूटर ने तुरंत ही इस विषय पर एक बहुत ही प्रभावशाली लघु निबंध तैयार करके दे दिया। न्यहोम को उसे पढ कर स्वीकार करना पडा कि चैटजीपीटी ने जो लिख कर दिया है वह संभवत: बहुत से छात्रों की तुलना में बेहतर काम किया है। वर्ष 2023 में प्रकाशित यह किस्सा, कंप्यूटर के बडे भाषा मॉडल (एलएलएम) के विकास के दौरान बहुत शुरुआती चरण में आया था। अब तो किसी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा लिखे गए पेपर और एक एआई द्वारा तैयार किए गए पेपर के बीच अंतर बताना लगभग असंभव लग सकता है। ऐसे में क्या आने वाले समय में मानव मस्तिष्क की हमारी असीम क्षमता कोई महत्व रख पायेगी? कुछ दार्शनिकों ने इस संकट को महसूस करना शुरू भी कर दिया है। इस बारे में गंभीर चर्चाएं भी हो रही हैं कि अगर मशीनें बिना किसी वास्तविक समझ के प्रभावशाली परिणाम देगी तब इंसान का क्या महत्व रह जाएगा? ऐसे दर्शनशास्त्री भी हैं जो मानते हैं कि जब एआई, मानव बुद्धिमत्ता को पूरी तरह से ग्रहण कर लेगा तो हमारा जगत ऐसे निष्क्रिय इंसानों के समाज में बदल जाएगा जो केवल अवकाश और मनोरंजन पर केंद्रित होगा। जब बाजार की ताकतों द्वारा संचालित मशीनें किसी भी डॉक्टर से बेहतर हमारा निदान करेंगी, पुस्तकों का अनुवाद करेंगी, बीथोवेन के मुकाबले सिम्फनी की रचना करेंगी, अभूतपूर्व दर्शन की रचना करेंगी और यहां तक कि हमारे अनुसरण के लिए नए गुरुओं और देवता भी बना देगी। तब बाज़ार नियंत्रित एआई "छवि निर्माण" करेगी जो हमारी प्रतिक्रियाओं को हमारी दिनचर्या में बदल देगी। यह यांत्रिक बुद्धि अब हर जगह पसार रही है, जो चुपचाप मानव अनुभव से उसकी गहराई को खत्म कर रही है। लगता है कि जैसे-जैसे मशीनी बुद्धि हमारी सोच पर ज़्यादा हावी होती चली जाएगी, हमारा मस्तिष्क आलसी, असंयत और, स्पष्ट रूप से, ऊबाऊ होने का जोखिम उठाने लगेगा। ऐसी दुनिया में जहां काम और संघर्ष अतीत की बातें हो जाएंगी तब हमारे अनुभव मनोरंजन और आनंद की खोज से ज़्यादा कुछ नहीं रह जाएंगे।

यह यांत्रिक बुद्धि अब हर जगह पसार रही है, जो चुपचाप मानव अनुभव से उसकी गहराई को खत्म कर रही है। लगता है कि जैसे-जैसे मशीनी बुद्धि हमारी सोच पर ज़्यादा हावी होती चली जाएगी, हमारा मस्तिष्क आलसी, असंयत और, स्पष्ट रूप से, ऊबाऊ होने का जोखिम उठाने लगेगा।

ऐसा भी कहा जा रहा है कि जब एआई से इंसानों जैसा दिमाग विकसित किया जा रहा है तब इंसान खुद अपना दिमाग मशीन जैसा बना रहा है? हम अपने दिमाग को मशीनों का प्रतिबिंब बनाने का जोखिम उठा रहे हैं, क्योंकि मानव मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच की रेखा दिन-प्रतिदिन धुंधली होती जा रही है। मगर इंसान कल्पना करता है, सोचता है और उसकी सोच, उसे अधिक बुद्धिमान और रचनात्मक बनाती है। सोचना मन की गणना संबंधी आदत होती है। एक ऐसा यांत्रिक चक्र है जो "अनुभव से शुरू होता है, जो स्मृति के रूप में मस्तिष्क की कोशिकाओं में संग्रहीत होकर ज्ञान बन जाता है; फिर स्मृति से, विचार होता है। अनुभव, स्मृति और ज्ञान की यह श्रृंखला, प्रतिक्रिया व पुनरावृत्ति से मजबूत होती है। हम इस आंतरिक भंडार के आधार पर कार्य करते हैं और प्रतिक्रिया करते हैं, उन क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं से सीखते हैं, और अधिक अनुभव, स्मृति और ज्ञान इकट्ठा करते हैं। हमारा सोचना "स्मृति प्रतिक्रियाएं है, जो एक तरह की आंतरिक प्रोग्रामिंग है और कंप्यूटर के काम करने के तरीके से काफी मिलती-जुलती है। आखिरकार, कंप्यूटर भी तो जानकारी के इंसानी मस्तिष्क जैसे गोदाम होते हैं, जो सीखने और खुद को सुधारने का काम करते हैं। हालांकि वे इस चक्र को बिना सही मायने में 'सोचने' के चलाते हैं। तो क्या हम यह जानकर तसल्ली पा लें कि कम से कम हमारे वास्तविक, भौतिक अनुभव एक-दूसरे से अलग हैं? दलील दी जाती है कि कोई भी अल्ट्रा-स्मार्ट मशीन मानव रूप में नहीं आ सकती क्योंकि वह प्यार में नहीं पड सकती, चांद-सितारों को देखकर आहें नहीं भर सकती, न यह कह सकती है कि वाह क्या शानदार रात है! मगर हमारी देहधारी चेतना यह संभव करती है। तब हमारे सामने दो रास्ते होंगे। या तो हम लगातार मनोरंजन के आगे समर्पण कर देंगे या फिर हम उच्चतर चेतना के प्रति जागकर अपने दिमाग को तेज रखने का निर्णय लेंगे। आशावादी लोग सोच सकते हैं कि एआई के जरिए एक बार दिनचर्या से मुक्त होने के बाद मानव मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से उच्च लक्ष्यों की ओर बढ जाएगा। किन्तु बहुतों को संदेह है कि यांत्रिक विचारों के लिए अनुकूलित मस्तिष्क बिना कुछ गंभीर प्रयास के अचानक तैयार हो जाएगा। इसलिए सलाह दी जा रही है कि हम अपने दिमाग को सक्रिय बनाए रखें और एक ऐसा अभ्यास सतत करें जो हमें मशीनों से अलग करता है, और उन गतिविधियों और क्षमताओं का पता लगाएं जो केवल सोचने से संभव हैं। हमारे दिमाग में और भी बहुत कुछ है जिसे कंप्यूटर कभी नहीं पकड सकते हैं। इसीलिए इन तकनीकों के उपयोग के नैतिक मूल्यों पर बात होती है। मशीनी बुद्धि पर गहरी चर्चा करते हुए दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और अस्तित्वगत बदलाव की चिंता की जाती है। मशीन जब इंसानी बुद्धि की और ऊंचाइयां हासिल कर लेगी तब मनुष्य का दिमाग क्या करेगा? इस सवाल का जवाब यही दिया जा सकता है कि उसे जो अवकाश मिलेगा उससे वह चेतना की और उचाईयों को छूने का प्रयास करेगा। एक मानव चित्रकार अपने हर ब्रशस्ट्रोक को गहराई से महसूस करता है जबकि कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर बिना किसी भावना के समान रूप से उत्तेजक कुछ बना सकता है? क्या इससे कोई फर्क नहीं पडने वाला?

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रवासी दृष्टि: समाज, संस्कृति और सोच भारतीय समाज में बड़े होने का अभिशाप

डॉ. पंकज राजवंशी

जब भारतीय परिवार में पहला बेटा जन्म लेता है, तो उसके साथ ही एक अदृश्य बड़े होने का अधिकार उसे दे दिया जाता है। यह अधिकार, जिसे समाज और माता-पिता मिलकर पोषित करते हैं, शुरू में जिम्मेदारी के रूप में आता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, यह जिम्मेदारी बड़े होने का अभिशाप बन जाती है-एक ऐसा बोझ, जिसे उठाते हुए बड़े बेटे की व्यक्तिगत इच्छाएं और सपने कहीं खो जाते हैं।

बचपन से ही बड़े बेटे को सिखाया जाता है कि वह घर का सबसे समझदार और जिम्मेदार सदस्य है। माता-पिता और समाज उसे परिवार का नेता बनाते हैं। लेकिन यह नेतृत्व अक्सर बोझिल हो जाता है। छोटे भाई-बहनों की देखभाल, उनके भविष्य के लिए अपने सपनों का त्याग और माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने की लगातार कोशिश-यह सब मिलकर उसे न केवल थका देता है, बल्कि उसकी जिंदगी के हर पहलू को नियंत्रित करने लगता है।

माता-पिता बड़े बेटे को परिवार का आधार मानते हैं। तुम बड़े हो, तुम्हें समझना चाहिए, यह वाक्य बार-बार दोहराया जाता है। इससे वह बचपन से ही त्याग और जिम्मेदारी को अपना धर्म समझने लगता है। उसकी पढ़ाई, नौकरी, यहां तक कि जीवनसाथी का चयन भी अक्सर परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। यह त्याग और बलिदान उसकी पहचान बन जाता है।

लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब यह बलिदान बाद में अनदेखा कर दिया जाता है। बड़े बेटे को लगता है कि उसने परिवार के लिए जो कुछ भी किया, उसका सम्मान नहीं हुआ। छोटे भाई-बहन, जो बड़े होने पर अपनी स्वतंत्रता चाहते हैं, उसके निर्देशों को नजरअंदाज करना शुरू कर देते हैं। मैंने तुम्हारे लिए इतना कुछ किया, और अब तुम मेरी बात भी नहीं मान सकते, यह वाक्य उन बड़े भाइयों की आम आवाज बन जाता है, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार के लिए समर्पित कर दिया।

बड़ा भाई, जिसे बचपन से यह सिखाया गया था कि वह घर का मुखिया है, जब अपने छोटे भाई-बहनों की स्वतंत्रता की मांग को देखता है, तो उसे यह एक विद्रोह जैसा लगता है। वह इसे अपनी भूमिका और बलिदान के अपमान के रूप में लेता है। लेकिन छोटे भाई-बहनों के नजरिए से यह बड़े होने का अधिकार एक अनुचित दबाव और नियंत्रण का प्रतीक है।

माता-पिता भी इस स्थिति को जटिल बना देते हैं। वे बड़े बेटे से यह अपेक्षा करते हैं कि वह हर समस्या का हल निकाले और परिवार को एकजुट रखे। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इस भूमिका को निभाने में बड़ा बेटा भी भावनात्मक और मानसिक थकान का अनुभव कर सकता है।

समाज भी इस बड़े होने के अधिकार को और मजबूत करता है। बड़े बेटे को घर का नेता और रक्षक माना जाता है। लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे परिवार पर नियंत्रण की कोशिश में बदल जाता है। यह मैं बड़ा हूं, इसलिए मेरी बात मानो वाला दृष्टिकोण छोटे भाई-बहनों के साथ टकराव का कारण बनता है। अमेरिकी संस्कृति में यह स्थिति अलग है। वहां बड़े और छोटे भाई-बहनों के बीच समानता पर जोर दिया जाता है। बड़े भाई-बहन का रोल मॉडल बनना वहां स्वाभाविक है, लेकिन इसे किसी अधिकार या नियंत्रण के रूप में नहीं देखा जाता। वहां हर व्यक्ति अपने जीवन का मालिक होता है।

भारतीय समाज में यह मॉडल अब आधुनिक समय में विफल हो रहा है। छोटे भाई-बहन अपनी स्वतंत्रता और अधिकार चाहते हैं। वे अपने जीवन के फैसलों में बड़े भाई का हस्तक्षेप नहीं चाहते। लेकिन बड़ा भाई, जिसने परिवार के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया, इसे अपना अपमान मानता है। इस बड़े होने के अधिकार को बदलने की जरूरत है। बड़े भाई को एक प्रेरणा स्रोत और सहयोगी बनाना चाहिए, न कि एक प्राधिकारी। माता-पिता को अपनी जिम्मेदारियां समान रूप से बांटनी चाहिए, न कि सब कुछ बड़े बेटे पर डाल देना चाहिए।

अगर बड़े होने के इस अधिकार को सही दिशा में मोड़ा जाए, तो यह परिवार में सम्मान और सामंजस्य का आधार बन सकता है। लेकिन अगर इसे उसी तरह रखा गया, जैसा यह सदियों से है, तो यह रिश्तों में दरारें पैदा करता रहेगा। बड़े होने का अभिशाप तभी समाप्त होगा, जब इसे अधिकार की जगह सम्मान और सहयोग का प्रतीक बनाया जाएगा।

–डॉ. पंकज राजवंशी
सिएटल (अमरीका) में
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट।

लोयल से भुकाना सीमा तक बनाई गई सड़क डेढ़ महीने में ही क्षतिग्रस्त हुई

डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क 71 लाख रुपये की लागत से बनाई गई थी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के लोयल गांव में बनाई गई सड़क में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बेहतर क्वालिटी से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।

विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि लोयल से भुकाना सीमा तक बनाई गई सड़क महज डेढ़ महीने में क्षतिग्रस्त हो गई है, जिस पर ग्रामीणों ने घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाया है। यह सड़क लगभग 71 लाख रुपये की लागत से बनाई गई थी और डेढ़ किलोमीटर लंबी है। ग्रामीणों में इस सड़क के क्षतिग्रस्त होने से आक्रोश है तथा सड़क निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच करवाने और फिर से सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण विद्याधर काजला, हवलदार रोहिताश काजला ने बताया कि सड़क के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसके कारण यह सड़क जगह-जगह से टूट गई है। सड़क क्षतिग्रस्त होने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके निर्माण कार्य को लेकर जन प्रतिनिधियों से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की गुहार लगाई तो राज्य सरकार की ओर से 71 लाख रुपए स्वीकृत कर सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया, लेकिन सड़क का निर्माण कार्य कर रही ठेका कंपनी निर्धारित मापदंड के अनुसार सड़क का निर्माण कार्य नहीं करने से सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही क्षतिग्रस्त होने लगी है। ऐसे में यदि सड़क का निर्माण में बेहतर क्वालिटी का उपयोग नहीं किया गया तो सड़क का निर्माण कार्य बंद करवा दिया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने इस सड़क की जांच करवाने और दोबारा से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है। इस मौके पर रामकिशन काजला, घीसाराम मीणा, राजेंद्र काजला, प्रकाश मेघवाल, कालूराम शर्मा, समदर सिंह चौहान, उम्मेद मेघवाल, समदर सिंह राजपूत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों ने घटिया सामग्री का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

- **ग्रामीणों ने बेहतर क्वालिटी से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की**

मथुरादास माथुर अस्पताल में ठेके पर लगे कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर (एम.डी.एम.) अस्पताल में ठेका कंपनी की ओर से ठेके पर लगे कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने से भुखमरी की स्थिति बन गई है। ठेका कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है। कई बार एमडीएम अस्पताल प्रशासन को बताने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ तो आखिरकार धरना देना शुरू कर दिया। इसके चलते अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

ठेका कर्मचारी महासंघ राजस्थान के अध्यक्ष तेजपाल ने बताया कि पूर्व में हमने अस्पताल अधीक्षक को ज्ञापन भी दिया था, जिसमें वेतन देने और कर्मचारियों को श्रम विभाग की गाइडलाइन के अनुसार एरियर देने की मांग भी की गई थी। वर्तमान में जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 तक बकाया एरियर की राशि 16 हजार से अधिक की है। हमें बार बार वेतन पाने के लिए धरना देना पड़ रहा है। ठेका कंपनी राजदीप इंटरप्राइजेज कंपनी पर हॉस्पिटल प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में ठेका कंपनी राजदीप एंटरप्राइजेज को लेकर लंबे समय से कई बार शिकायतें भी की गई है। यहां पर काम करने वाले कर्मचारियों ने कई बार अस्पताल प्रशासन से इस कंपनी पर कार्रवाई की मांग भी की है।

उन्होंने ज्ञापन में बताया कि ठेका कंपनी की ओर से ना तो कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जा रहा है ना ही उनके बकाया एरियर का भुगतान किया जा रहा है, जबकि वेतन के अभाव में उन्हें परिवार चलाना भी मुश्किल हो रहा है। अस्पताल में लगे ठेका कर्मियों को प्रति माह के हिसाब से करीब सात हजार रुपये का भुगतान किया जाता है।

- **कई बार एमडीएम अस्पताल प्रशासन को बताने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ तो ठेका कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने पर धरना देना शुरू किया**
- **वेतन के अभाव में ठेका कर्मचारियों को परिवार चलाना भी मुश्किल हो रहा है**

लेक्चरर के रूप में प्रमोट हुए टीचर्स के काउंसलिंग कार्यक्रम में बदलाव

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल में लेक्चरर के रूप में प्रमोट हुए टीचर्स के काउंसलिंग के कार्यक्रम में फेरबदल हो गया है। अब दस जनवरी से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में काउंसलिग की जाएगी।

शिक्षा निदेशालय ने 19 दिसम्बर को बड़ी संख्या में टीचर्स को लेक्चरर के रूप में प्रमोट किया था। तब इन टीचर्स को यथावत ही कार्यभार ग्रहण करवा दिया गया था लेकिन अब इनकी काउंसलिंग के आधार पर पोस्टिंग होगी। इसके लिए पूर्व में जारी कार्यकम को बदलते हुए नया कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें दस जनवरी को प्राथमिकता श्रेणी के साक्ष्य एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम रूप से वरीयता सूची का प्रकाशन और रिक्तियों का प्रकाशन किया जाएगा। 11 जनवरी से 16 जनवरी के बीच वरीयता सूची के आधार पर चयन और ऑप्शन लॉक करने का अवसर दिया जाएगा। रात बारह बजे तक चयन और ऑप्शन लॉक करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद इसके बाद बीस जनवरी को विकल्प के आधार पर एनआईसी की ओर से शाला दर्पण जयपुर और बीकानेर में रिजल्ट तैयार किया जाएगा। 22 जनवरी को इन टीचर्स के काउंसलिंग रिजल्ट के आधार पर पदस्थापन किया जाएगा। उधर, शिक्षक संगठनों का आरोप है कि सभी स्कूल के रिक्त पद नहीं खोले जा रहे हैं। ऐसे में दूरस्थ विद्यालयों के ही रिक्त पद खोलने से टीचर्स को शहर और शहर के नजदीक के विद्यालय नहीं मिल रहे हैं।

- **अब दस जनवरी से होगी काउंसलिंग, सभी रिक्त पद सार्वजनिक नहीं हो रहे**

रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने कोटा-बस्सी बेरीसाल रेल खण्ड का संरक्षा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। डीआरएम ने विशेष रूप से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित बूंदी एवं मांडलगढ़ स्टेशन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बूंदी एवं मांडलगढ़ रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य क्रमश: 7.62 करोड़ एवं 5.47 करोड़ की लागत से तैयार हो चुका है। डीआरएम ने पुनर्विकसित उक्त स्टेशनों पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं स्टेशन परिसर पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 8 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र सायं 4:30 तक, सिद्ध योग रात्रि 8:23 तक, कौलव करण दिन 2:26 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। कुमार योग दिन 2:26 से सायं 4:30 तक रहेगा। आज श्री हरि जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:57 तक, शुभ 11:15 से 12:33 तक, चर 3:09 से 4:27 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

शेखावाटी को मिलने वाले यमुना जल का इंतजार होगा खत्म : भजनलाल शर्मा

यमुना जल समझौते की क्रियान्वयन के लिए जल्द ही बनेगी ज्वाइंट टास्क फोर्स

जयपुर/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल के किसानों को जल्द ही यमुना जल का लाभ मिल सकेगा। इस संबंध में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के समक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ आज चर्चा पूरी हो गई है। शर्मा ने कहा कि इस जल समझौते की जल्द क्रियान्वित के लिए दोनों राज्यों के अधिकारियों की एक ज्वाइन्ट टास्क फोर्स बनेगी, जो की डीपीआर पर काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल समझौता दोनों राज्यों के लिए यह बहुत अच्छा समझौता है। राजस्थान का शेखावाटी अंचल लंबे समय से यमुना जल का इंतजार कर रहा है। अब वो इंतजार खत्म होने जा रहा है और जल्द ही अधिकारियों की ज्वाइन्ट टास्क फोर्स डीपीआर का काम शुरू करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय मंत्रालय द्वारा जिस तरह जल जीवन मिशन और नदियों से जोड़ने का काम किया है उससे राजस्थान सहित पूरे देश में पानी की कमी नहीं होगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि हरियाणा में जो अतिरिक्त पानी है, वह राजस्थान को मिले यह एक सकारात्मक पहल है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यमुना जल के संबंध में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के समक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ चर्चा की।

ड्रग्स सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 ग्राम 57 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री की राशि 1 लाख 25 हजार 300 रुपये बरामद भी किए है। पुलिस के अनुसार जब्त अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2 लाख 31 हजार 400 रुपये की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर राकेश योगी (27) निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 ग्राम 57 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री की राशि सवा करोड़ रुपये बरामद किए है।

गिरफ्तार आरोपित अवैध मादक तस्करी का काम करता है। जो यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक सरिता सांसी से लेकर आना और रीको एरिया बगरू में काम करने वाले मजदूरों को बेचना स्वीकार किया है।

निर्माण स्थलों पर लापरवाही मिली तो कार्रवाई होगी : डॉ. रश्मि शर्मा

हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग, भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायिक मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी "बुधवार नीलामी उत्सव" को लेकर चर्चा की।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी अधिकतम काम ऑनलाइन करके पारदर्शिता लाएं। उन्होंने बुधवार नीलामी उत्सव में अधिशेष संपत्तियों को शामिल करने की तैयारियों पर चर्चा की।

डॉ.शर्मा ने अधिकारियों और इंजीनियर्स को चेताते हुए कहा कि निर्माण स्थल पर बचाव और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहां बोर्ड लगाया जाए, बैरिकेडिंग कर रिफ्लेक्टर लगाये जाए जिससे कि कोई हादसा ना हो। इसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आवासन मंडल का भूमि बैंक मजबूत करें

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को भूमि बैंक को मजबूत करने के लिए उपलब्ध भूमि संसाधनों की पहचान और दस्तावेज़ीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अविलंब जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें। पारदर्शिता बनाए रखने और अतिक्रमण को रोकने के लिए आवासन आयुक्त ने क्षेत्र में मंडल की सभी जमीनों पर बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

जलापूर्ति-सीवर लाइन में कोताही पर होगी कार्रवाई

डॉ शर्मा ने परियोजनाओं में जलापूर्ति और सीवर लाइन की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी योजना के निर्माण कार्य के आरंभ होने से पहले ही सीवर लाइन तथा जलापूर्ति संबंधी प्लानिंग की जाए। हमे हमेशा दो कदम आगे का सोचकर प्लानिंग करनी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने हस्तांतरण की जा चुकी परियोजनाओं में भी नियमानुसार रखरखाव के निर्देश दिए। जलापूर्ति और सीवर लाइन में कोताही पर सख्त करवाई की जाएगी।

डॉ. शर्मा ने सड़क निर्माण एवं रखरखाव के साथ-साथ स्ट्रीट लाइटों को लगाने एवं मरम्मत का जायजा लिया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के तहत होने वाले कार्यों को डीएलपी नियमानुसार ही करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी परिस्थिति में ऐसे कार्यों के लिए पुनः वित्तीय स्वीकृति नहीं जारी की जाए, अगर ऐसे मामले सामने आये तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस बैठक में मुख्य सम्पदा प्रबंधक प्रवीण अग्रवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, मुख्य अभियंता मुख्यालय तेजवीर मीना, मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, वित्तीय सलाहकार रोहताश यादव सहित समस्त अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

- बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग, भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायिक मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी "बुधवार नीलामी उत्सव" को लेकर चर्चा हुई

'विशेषज्ञ कमेटी ने सवाल सही जांचे हैं'

- हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल प्रथम की उत्तर कुंजी को चुनौती देने वाली अपील याचिकाओं को खारिज किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 लेवल प्रथम की उत्तर कुंजी को चुनौती देने वाली अपील याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश कपिल कुमार व अन्य के साथ दायर एक दर्जन से अधिक अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने कहा कि विशेषज्ञ कमेटी ने सवालों के जवाब सही जांचे हैं और उसमें अदालत को हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

अपीलों में कहा गया कि भर्ती एजेंसी ने तृतीय श्रेणी लेवल प्रथम शिक्षकों के पदों पर भर्ती निकाली थी। परीक्षा के बाद जारी उत्तर कुंजी में कई सवालों के जवाब गलत जांच गए। ऐसे में उत्तर कुंजी को हाईकोर्ट की एकलपीठ के समक्ष याचिका दायर कर चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि मान्यता प्राप्त पुस्तकों के अनुसार उनकी ओर से दिए जवाब सही हैं और भर्ती एजेंसी ने सवालों के जवाब गलत जांचे हैं। अपील में कहा गया कि एकलपीठ ने 31 मई को याचिकाओं को खारिज कर दिया था। ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द करते हुए उत्तर कुंजी को निरस्त किया जाए और विशेषज्ञ कमेटी गठित कर विवादित सवालों को जांच के लिए भेजा जाए। जिसके जवाब में भर्ती एजेंसी के वकील नलिन नारायण ने कहा कि विशेषज्ञ कमेटी की ओर से उत्तर जांचने के बाद ही उत्तर कुंजी जारी की गई थी। एकलपीठ ने भी याचिकाएं खारिज कर चुकी हैं। ऐसे में इस संबंध में दायर अपीलों को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने अपीलों को खारिज कर दिया है।

दिव्यांग गृह के अधीक्षक सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ जांच के आदेश

जयपुर। एसटी, एससी मामलों की विशेष अदालत ने जामडोली स्थित बौद्धिक दिव्यांग गृह की कमियों को उजागर करने पर तत्कालीन महिला केयर टेकर को प्रताडित करने के मामले में गृह अधीक्षक गौरव शर्मा, गार्ड सुपरवाइजर सुरजीत, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रुकमणी और महिला गार्ड तारा और शीला के खिलाफ कानोता थाना पुलिस को मामला दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश तत्कालीन महिला केयर टेकर के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में अधिवक्ता असलम खान ने बताया कि परिवादी दिव्यांग गृह की महिला विंग में केयर टेकर के तौर पर संविदा पर कार्यरत थी। इस दौरान उसने गृह में कई कमियां देखी। उसने दिव्यांग बालिकाओं के बिस्तरों में कीडों की शिकायत की शिकायत उच्चाधिकारियों को करने की कोशिश की, लेकिन नर्सिंग स्टाफ ने उसे रोक लिया। इसकी शिकायत उसने अधीक्षक गौरव शर्मा से की तो उसने भी परिवादी को भगा दिया। वहीं गत 11 अक्टूबर को अधीक्षक के कहने पर ठेकेदार ने उसे नौकरी से निकाल दिया। परिवाद में आरोप लगाया कि आरोपियों ने उससे मारपीट की और प्रताडित किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कानोता थाना पुलिस को मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं।

मदन राठौड़ ने तिलहन एवं दलहन उत्पादन पर दिये सुझाव

जयपुर। नई दिल्ली में आज कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधित संसदीय स्थाई समिति की बैठक आयोजित की गई।

संसदीय शोध भवन परिसर में आयोजित बैठक लोकसभा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। "देश में तिलहन एवं दलहन का उत्पादन एवं उपलब्धता" विषय पर आधारित बैठक में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी उपस्थित रहे।

राठौड़ ने कहा कि दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ हमें पॉम आयल के सेक्टर में भी अध्ययन करना चाहिए। विदेशों में पॉम आयल के उत्पादन और वैश्विक स्तर पर इसकी सप्लाई की जा रही है, ऐसे में हमें भी इस सेक्टर में अध्ययन करना चाहिए। बैठक में दलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उन्नत कृषि पर भी चर्चा की गई। इस दौरान समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा प्राथमिकता और जिम्मेदारी : प्रो. दुबे

जयपुर। मानवता की सेवा उच्चतम आदर्श है, जो समाज के प्रति दायित्व का बोध कराती है। यह न केवल नैतिक जिम्मेदारी है, बल्कि समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे को प्रोत्साहित करने का सशक्त माध्यम भी है। यह बात मंगलवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने ऊनी वस्त्रों के वितरण समारोह में कही। मित्राय फाउंडेशन की ओर से विश्वविद्यालय में हुए समारोह के मुख्य अतिथि कैप्टन शशिकिरण ने कहा कि व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों में भी घबराना नहीं चाहिए और मानवता के कल्याण के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए। मानवता की सेवा का उद्देश्य शारीरिक रूप से मदद करना नहीं है, बल्कि यह मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक समर्थन भी प्रदान करना है।

मित्राय फाउंडेशन के विनीत शर्मा और रश्मि शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह दूसरों की मदद करने के लिए आगे बढ़े, चाहे यह समय, संसाधन या श्रम के रूप में हो। यह न केवल आंतरिक शांति और संतोष देता है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान भी करता है। समारोह संयोजक शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के साथ ही लगभग 200 जरूरतमंद लोगों को शॉल, ऊनी वस्त्र वितरित किए गए।

एच.एम.पी. वायरस सामान्य रोग, घबराने की जरूरत नहीं : खींवसर

- चिकित्सा मंत्री ने कहा कि "चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।"

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि देश में कुछ राज्यों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के कुछ केस सामने आए हैं, लेकिन इससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।

खींवसर ने कहा है कि प्रतिवर्ष की भांति सर्दी के मौसम को देखते हुए बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्ति सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार आदि होने पर अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को इस वायरस के संबंध में सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें भी रपष्ट किया गया है कि यह वायरस घातक नहीं है। खांसी-जुकाम जैसे सामान्य लक्षणों के साथ सर्दी के मौसम में आमतौर पर कुछ केस इस वायरस के सामने आते रहे हैं, जिस कम में विगत कुछ माह में मार्च से दिसम्बर तक देशभर में 9 केस चिन्हित हुए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार के अनुसार एचएमपी वायरस का प्रसार वर्तमान में नगण्य है, लेकिन फिर भी एहतियात के तौर पर प्रदेशभर में चिकित्सा अधिकारियों को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जांच, उपचार सहित अन्य आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में इस वायरस की प्रमाणिक जांच के लिए 5 वीआरडीएल लैब एम्स जोधपुर, सवाई मानसिंह। अस्पताल जयपुर, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर। एवं एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में उपलब्ध हैं। किसी भी अस्पताल में इस वायरस के लक्षणों से संबंधित गंभीर रोगी सामने आने पर इन लैब में जांच करवाई जा सकती है।

खींवसर ने कहा है कि कोई भी निजी अस्पताल किसी रोगी में इस वायरस के संभावित लक्षण पाए जाने पर प्रमाणिक जांच के लिए सैम्पल इन वीआरडीएल लैब में ही भिजवाएं। साथ ही, इस संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को भी सूचित करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने कहा कि डूंगरपुर का दो माह का एक बच्चा अहमदाबाद में उपचाराधीन है। प्री-मैच्योर डिलीवरी से जन्मे इस बच्चे में एचएमपी वायरस के लक्षण सामने आए हैं, लेकिन बच्चे की स्थिति वर्तमान में सामान्य है। सर्दी, खांसी-जुकाम से पीड़ित यह बच्चा उपचार के दौरान अहमदाबाद में निजी अस्पताल में 26 दिसम्बर को एचएमपीवी से पॉजिटिव पाया गया था, जिसका उपचार चल रहा है और वह फिलहाल ठीक है।

दवाओं और गहनों की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश

- ऑनलाइन खरीद और साइबर क्राइम रोके जाने की बने ठोस कार्य योजना : गोदारा

जयपुर। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि आगामी समय में शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलरी की गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान शुरू करें। गोदारा आज सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के लोग अपनी आय का ज्यादा धन ज्वेलरी खरीदने में ख़र्च करते हैं। वो किसी भी प्रकार से ठगी के शिकार नहीं हो इसके लिए उन्हें जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही निर्देश दिए कि दुकानदार द्वारा उपभोक्ता को दिये गए बिल पर हॉल मार्क की जानकारी अवश्य लिखी होनी चाहिये। सर्राफा बाजार में हॉल मार्क सेंटर की जानकारी क्यू आर कोड के माध्यम से दी जाए। अभी तक राज्य में कुल 20 जिलों में हॉलमार्क सेंटर स्थापित किये जा चुके हैं।

गोदारा ने उपभोक्ताओं के अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण के लिए एवं उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए इनका समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय। दुकानदारो द्वारा दिये जाने वाले बिल पर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर अंकित किये जाय, सभी को यह जानकारी होनी चाहिये कि यदि आप उत्पाद से संतुष्ट नहीं है तो हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। मानव जीवन से जुड़ी दवाइयो की विश्वसनियता बनाये रखने के लिए एवं पनीर, दूध एवं मावा की रेंडमली जांच करने के निर्देश दिए। बीमा क्लेम व रियल एस्टेट के प्रकरणों का निस्तारण भी शीघ्रता से किया जाय।

उन्होंने बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए वीसी के माध्यम सुनवाई की व्यवस्था शुरू करने के बारे में कहा कि यह बुजुर्गों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। समय-समय पर उपभोक्ताओं की जागरूकता के लिए संभाग स्तर पर कार्यशालाएं एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जागरूकता के लिए ग्राम स्तर पर रात्रि चोपाल आयोजित करने के साथ ही वीडियो ऑडियो का प्रदर्शन करने के निर्देश दिए। जागरूकता का प्रचार जमीनी स्तर पर करने के लिए रोडमैप बनाने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग में होने वाली ठगी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचित करें। राज्य में कुल 36 साइबर स्टेशन क्रियाशील हैं, कुल 1930 साइबर कमांडो तैयार किये जा रहे है। इस पर पूरा फोकस है। ठगी होने के 4 घंटे के भीतर ही यदि शिकायत दर्ज हो जाती है तो पैसा रिकवर होने की संभावना अधिक रहती है।

प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने कहा कि विश्व उपभोक्ता दिवस पर 15 फ़रवरी से 15 मार्च तक उपभोक्ता माह के रूप में मनाया जाएगा। प्रारंभ में उन्होंने बैठक की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण परिषद से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित किया।

15 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा संचालित मांसपेशीय दुर्विकास से पीड़ित विशेष योग्यजनों को दिए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 जनवरी निर्धारित है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार बजट वर्ष 2024-25 की घोषणा संख्या 93 (2) के अन्तर्गत मांसपेशीय दुर्विकास से पीडित विशेष योग्यजनों को दिये जाने की घोषणा की गई थी। इच्छुक आवेदक अपने आवेदन प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाईन आवेदन संबंधित जिला कार्यालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अंतिम दिनांक तक प्रस्तुत करें।

युवा महोत्सव 8 से 12 तक

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जनवरी तक सवाई मानसिंह स्डेडियम में किया जाएगा। बुधवार दोपहर 12:30 बजे आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई की उपस्थिति रहेगी। वहीं, 12 जनवरी को आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे, जबकि युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई विशिष्ट अतिथि होंगे।

जयपुर जिले में 62 हजार 688 मतदाताओं की वृद्धि

- युवा मामले एवं खेल मंत्री ने समिति पदाधिकारियों के साथ की बैठक
- आगन्तुकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जयपुर। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत जयपुर जिले में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया है। जिला कलक्ट्रेट में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन हुआ।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 (29 अक्टूबर से 28 नवम्बर) के पूर्व जिले में 52 लाख 7 हजार 669 मतदाता थे एवं पुनरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 52 लाख 70 हजार 337 मतदाता हैं।

उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान 83 हजार 311 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए एवं 20 हजार 643 (मृत, स्थानान्तरित एवं दोहरी प्रविष्ठि) मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए। इस प्रकार जिले में कुल शुद्ध वृद्धि 62668 की हुई है।

साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान पुरुषों की संख्या में शुद्ध वृद्धि 26 हजार 745 एवं महिलाओं की संख्या में 35 हजार 923 शुद्ध वृद्धि हुई है। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक 9 हजार 909 मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 4 हजार 38 महिला मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। जिले में सर्वाधिक 5 हजार 871 पुरुष मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सर्वाधिक मतदाता 453825 झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में है।

उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के पश्चात जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में 66 हजार 349 पुरुष एवं 47 हजार 268 महिला युवा (18-19 वर्ष) मतदाता हैं। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे कम 1 हजार 741 मतदाताओं के नाम सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सबसे कम मतदाता 1 लाख 97 हजार 9 किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में है।

37 लाख रुपए का स्मैक पाउडर जब्त, महिला सहित तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने दोनों से 4 लाख 10 हजार की नगद राशि भी जब्त की

देवली, (निसं)। मादक पदार्थ के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत मंगलवार रात्रि को देवली थाना पुलिस ने स्मैक पाउडर की एक बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक महिला और एक पुरुष तस्कर को चार लाख रुपए की राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस ने स्मैक परिवहन पर की है। यहां मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान मामला यह सामने आया कि पुलिस ने एक महिला और पुरुष तस्कर से 36 लाख 80 हजार रुपए की कीमत का स्मेक पाउडर जब्त किया है। यह कार्रवाई पिछले एक वर्ष में सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार किया।

- यह कार्रवाई पिछले एक वर्ष में सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल व उप अधीक्षक रामसिंह समेत अधिकारियों के सुपरविजन में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी के चलते मंगलवार को दौलता मोड़ स्थित पनवाड़ कॉलोनी में एक व्यक्ति पुलिस जाब्ते को देखकर भाग कर एक घर में घुस गया था। जिसे देखकर पुलिस को शंका हुई। पुलिस ने उक्त हालातों को देखते हुए जांच की तो वहां एक पुरुष व महिला दिखाई दिये। पुलिस ने इस दौरान उक्त महिला और पुरुष की तलाशी लेना शुरू कर दी। तभी तलाशी के दौरान महिला और पुरुष तस्कर के पास स्मैक पाउडर पुलिस ने बरामद किया। पुलिस ने बताया कि तस्करों से बरामद हुई स्मैक पाउडर की बाजार कीमत 36 लाख 80 हजार रुपए है। वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से स्मेक के विक्रय पेटे प्राप्त हुई 4 लाख 10 हजार रुपए की नगद राशि और एक देशी शराब की पेटी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी लाली देवी पत्नी भगवान सांसी निवासी पोल्याड़ा थाना दूनी हाल निवासी पनवाड़ कॉलोनी देवली तथा जीतसिंह उर्फ आंसू पुत्र रामफूल सांसी निवासी मंडावर पुलिस थाना बरौनी जिला टोंक को गिरफ्तार किया है, जिनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों से पूर्व के मादक पदार्थ परिवहन की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि पांच जनवरी को देवली पुलिस में गश्त के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया था। जिनके पास 2.97 ग्राम स्मैक बरामद हुई थी। उक्त कार्रवाई में हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल, पुलिसकर्मी राज कुमार, नरेंद्र सिंह का योगदान रहा है। गौरतलब कि पिछले दो-तीन साल से देवली शहर और आसपास क्षेत्र में मादक पदार्थ का कारोबार चरम सीमा पर बना हुआ है। यहां नशे के बढ़ते व्यापार के बीच पुलिस की उक्त कार्रवाई कुछ समय तक शायद शहरवासियों को राहत पहुंच पाएगी। गौरतलब है कि शहर समेत आसपास के इलाकों में कई युवा नशे के आदी हो चुके हैं। जिनका जीवन तबाह हो रहा है। प्रतिदिन हो रही थाना पुलिस की कार्रवाई से इस बात की भी पुष्टि हो रही है कि क्षेत्र में चोरी छिपे मादक पदार्थों की बिक्री जोरों पर हो रही है। वहीं इन मादक पदार्थों के सेवन से युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंसती चली जा रही है।

फोन चोरी कर एक लाख रूपए निकाले

उदयपुर, (कासं)। साथ में काम करने वाले युवक ने फोन चोरी कर ऑनलाइन एक लाख रूपए निकाल लिए। मनीष कुमार पुत्र श्रीराम निर्मल होटल वसन्त कुंज रिसोर्ट में काम करता है। पांच दिसम्बर को होटल से होटल सामग्री सब्जीयां खरीदने सवीना सब्जी मण्डी आया था। साथ में स्टाफ का सम्पत पनवाल भी साथ में आया था। तब सम्पत मोबाइल चोरी कर ले भाग गया। 5 दिसम्बर से 6 दिसम्बर को मेरे फोनपे से 1 लाख 5 हजार रूपए चोरी करके निकाल लिए हैं।

सूने मकान में चोरी

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर मकान से 150 ग्राम सोने व करीब तीन किलो चांदी के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर ले गए। नारायणसिंह पुत्र किशनसिंह चौहान निवासी गांधीनगर विक्रमादित्य चौराहा कालका माता रोड ने रिपोर्ट दी कि मेरी बड़ी साली का निधन होने से मैं तीन जनवरी को अपनी पत्नी के साथ मेरे गांव दपाली बड़ाखेड़ा टॉडगढ़ ब्यावर गया हुआ था। मेरा बड़ा पुत्र रविन्द्र सिंह चौहान बच्चों के स्कूल में अवकाश होने के कारण एक जनवरी को अपने ससुराल ब्यावर गया था। पांच जनवरी शाम को मेरा पुत्र रविन्द्र सिंह वापस निवास पर आया तो बताया कि हमारे मकान के मुख्य कमरे का ताला टूटा हुआ है और दरवाजे खुले हुए हैं तथा सामने अलमारी भी खुली हुई है और सामान बिखरा हुआ पड़ा है। सूचना पर सुखेर थाने से जाब्ता पहुंचा। हमारे मकान के बाहर की ओर चार सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जो पांच जनवरी को बंद हो गए। मेरे मकान के सामने स्थित मकान में एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला कि चार जनवरी को रात्रि में दो अज्ञात व्यक्ति दो बजे अंदर जाते दिखे और चोरी की यह वारदात कर 3.10 बजे कर दो बैग में सामान भरकर वापस निकल गए, जिसमें एक बैग मेरी पौत्री पारूल का स्कूल बैग था। चोर मेरी पुत्रवधु रजनी कंवर के सोने-चादी के गहने चोरी कर ले गए।

कार्यालय नगर पालिका सपोटरा, जिला-करौली

क्रमांक :– 1147 दिनांक :– 03.01.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका सपोटरा की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2425A4746) UBN No –DLB2425WSOB14499, DLB2425WSOB14500, DLB2425WSOB14501, DLB2425WSOB14502, DLB2425WSOB14503, DLB2425WSOB14504, DLB2425WSOB14505, DLB2425WSOB14506 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सपोटरा

राज.संवाद/सी/24/9954

कार्यालय नगर पालिका मंडरायल, जिला-करौली

क्रमांक :– 781 दिनांक :– 02.01.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका मंडरायल की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2425A4710) UBN No –DLB2425WSOB14365, DLB2425WSOB14366, DLB2425WSOB14367, DLB2425WSOB14368, DLB2425WSOB14369 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मंडरायल

राज.संवाद/सी/24/9962

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :– 0151–2226906, फोन नं:– 0151–2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org

क्रमांक/स्टेशनरी/2024–25/224 दिनांक 03.01.2025

निविदा सूचना संख्या 02/2024-25/स्टेशनरी

नगर निगम बीकानेर द्वारा फ्लैक्स बैनर आयरन पाईप फरेंमिंग एवं फिटिंग फिक्सिंग का आपूर्ति कराने का अनुबंधित कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

UBN Number :- DLB2425WSOB14423
अनुमानित लागत राशि :–12.00 लाख

आयुक्त
बीकानेर नगर निगम

राज.संवाद/सी/24/9990

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :– 0151–2226906, फोन नं:– 0151–2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org

क्रमांक/स्टेशनरी/2024–25/231 दिनांक 03.01.2025

निविदा सूचना संख्या 03/2024-25/स्टेशनरी

नगर निगम बीकानेर द्वारा डिजिटल कैमरे से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी का कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

UBN Number : DLB2425SLOB14431
अनुमानित लागत राशि :–12.00 लाख

आयुक्त
बीकानेर नगर निगम

राज.संवाद/सी/24/9988

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन नगर निगम, ग्रेटर जयपुर

मुरलीपुरा स्कीम, साकी मण्डी, जयपुर

क्रमांक :- ज.स.अ./2024/216 दिनांक :- 03/01/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 24-25/2024-25

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।

UBN No. JMC2425WSOB01104 To 01105
अधिशाषी अभियन्ता (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/9947

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPIDCL/469/NIT/2024-25/D-3138 दिनांक :- 02/01/2025

ई-निविदा सूचना सं. 20/2024-25

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्षो की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में 01 कार्यो के लिए क्रम संख्या 01 की निविदा Two Bid System के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 1205.00 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	07 जनवरी 2025 प्रातः 9.30 बजे से 27 जनवरी, 2025 सायं 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	27 जनवरी 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	28 जनवरी 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा। UBN No. : RID2425WLOB00338

महाप्रबन्धक

राज.संवाद/सी/24/9961

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219
क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी (QL4)/निलामी (4)/2024/ई-09655

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-IV के तहत अप्रधान खनिजों के 71 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आंवटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारीं लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	भीलवाड़ा	पचानपुरा, सुखपुरा-एल (बिजौलियां)	सेण्डस्टोन	40
2	चित्तौड़गढ़	बिनौता (निम्बाहेड़ा)	लाईमस्टोन (खण्डा, फर्शी, पट्टी)	31

क्वारीं लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट WWW.mines.rajasthan.gon.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट WWW.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

भवदीय
(भगवती प्रसाद) IAS, निदेशक

DIPR/C/66/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.H.E.D RIGEP DIVISION BARMER

Phone No 02982-222228 Email: eerigep@gmail.com
No. E.E/PHED/NIT-/2024-25/3366-81 Date: 01/01/25

NIT No.2024-25/15
(PHE2425A3704)

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from enlisted contractors with the PHED Rajasthan and meeting eligibility criteria, Contractors enlisted with other Departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal, Telecom, Railway, MES, other state Govt. Central Govt. undertaking/ organizations equivalent in Rajasthan meeting eligibility criteria may apply after giving prescribed Earnest Money. The tender documents can be downloaded from the web site http://eproc.rajasthan.gov.in. Details of this tender notification can also be seen in NIT exhibited on web site. www.dipronline.org. & sppp.rajasthan.gov.in

Item No.	Name of work	UBN Code	Estimated cost (Rs in Lac)	Earnest Money (in Rs)	Tender Fee	Time period
1.	Providing, L & J of Pipe Line under Rigep Division Barmer on Annual Rate Contract	PHE 2425 WSRC 07799	120.00	240000.00	2500/-	12 Month
2.	Deepening and Desilting of Open well under Rigep Division Barmer on annual rate contract	PHE 2425 WSRC 07801	30.00	60000.00	500/-	12 Month

Various critical dates of the tenders are as below:-
Last date & time of downloading and bid submission-20.01.2025 up to 4.00 pm
Date & time of Opening of Physical Submission-20.01.2025 up to 5.00 pm
Date & time of opening of technical bid-20.01.2025 up to 5.00 pm
Date & time of opening of financial bid - Shall be intimated later through online

(Jairamdas)
Executive Engineer
PHED RIGEP Division Barmer

DIPR/C/155/2025

एक ही परिसर में चलने वाली 169 स्कूलों को मर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार ने 190 स्कूलों को बंद कर दिया है। इनमें अधिकांश स्कूल में स्टूडेंट्स की संख्या जीरो थी, वहीं कुछ स्कूल ही परिसर में सुबह-शाम चल रहे थे। ऐसे स्कूलों को मर्ज करते हुए एक ही कर दिया गया है। 169 स्कूलों में स्टूडेंट ही नहीं थे, वहीं 21 स्कूलों को मर्ज किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर से बीस स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

- शून्य छात्र संख्या वाले 21 स्कूल भी बंद किये, आदेश जारी

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन स्कूलों को बंद करने के आदेश किए हैं। इन स्कूलों में पहले से कार्यरत टीचर्स को अब अन्य स्कूलों में लगाया जाएगा। वहीं जिन स्कूलों को मर्ज किया है, वहां पढ़ ने वाले स्टूडेंट्स को उस स्कूल में एडमिशन दिया जाएगा, जिसमें वो मर्ज हुई है। निदेशालय से जारी आदेश में अलवर के पांच, बालोतरा के नौ, बांसवाड़ा के तीन, बारां के एक, बाडमेर के पांच, ब्यावर के दो, भरतपुर के दो, बीकानेर के चार, बूंदी के तीन, चित्तौड़गढ़ के दो, चूरू के चार, दौसा के छह, डीडवाना-कुचामन के ग्यारह, डूंगरपुर के तीन, श्रीगंगानगर के चार, हनुमानगढ़ के दो, जयपुर के 18, जैसलमेर के तीन, जालौर के पांच, झालावाड़ के पांच, झुंझुनूं के एक, जोधपुर के सत्रह, करौली के दस, कोटा के तीन, कोटपुतली-बहरोड़ के सात, नागौर के सात, पाली के पांच, फलौदी के तीन, प्रतापगढ़ के दो, राजसमंद के दो, सवाई माधोपुर के चार, सीकर के पांच, सिरोही के दो, टोंक के दो और उदयपुर के पांच स्कूलों को बंद किया गया है।

सी.एम. भजनलाल व डिप्टी सी.एम. बैरवा की ओर से अजमेर दरगाह में चादर पेश

प्रदेश में अमन-चैन और शांति भाईचारे की दुआ मांगी, दोनों का संदेश पढ़ा

अजमेर/जयपुर, (कासं)। ख्वाजा गरीब के 813वें उर्स में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की तरफ से चादर पेश की गई। चादर पेश कर प्रदेश में अमन-चैन और शांति भाईचारे की दुआ मांगी गई। इसके बाद दोनों का संदेश पढ़ा गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से चादर लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती दरगाह पहुंचे। इससे पहले सर्किट हाउस में उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब के 813 वें उर्स के मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उर्स की मुबारकबाद पेश की है। सीएम ने संदेश दिया कि राजस्थान की इस पावन धरती पर गंगा-जमुना तहजीब का जो प्रदेश है वह बना रहना चाहिए। अमन, चैन, शांति, भाईचारा का पैगाम देकर मुख्यमंत्री ने अजमेर भेजा है। मेवाती ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री सबका साथ सबका विकास की बात करते हैं। 36 कौम को साथ लेकर चलने का भी काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक साल के अंदर ऐतिहासिक काम किए हैं। उनके लिए आज दरगाह में दुआ की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चादर भेजकर पैगाम दिया कि हमारी गंगा.जमुना तहजीब का जो प्रदेश है जिसमें अमन, चैन और शांति भाईचारा बना रहे। असामाजिक ताकतों को जवाब देने का काम राजस्थान के मुख्यमंत्री ने किया है।

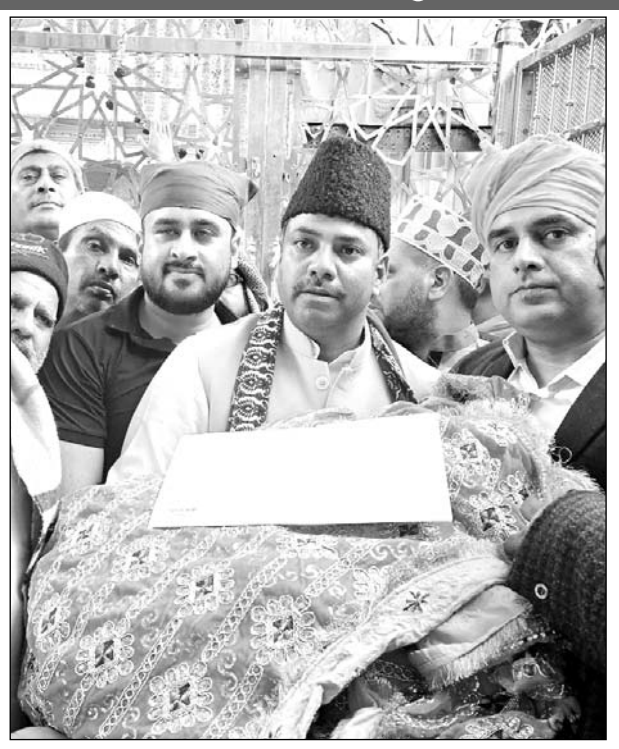

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से चादर लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती दरगाह पहुंचे।

- 'ख्वाजा साहब के उर्स के मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने उर्स की मुबारकबाद पेश की है'

ज़ियारत से पूर्व सर्किट हाउस पहुंचने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हामिद खान मेवाती और अन्य अतिथियों का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के शहर अध्यक्ष एवं पूर्व देहात अध्यक्ष ग़ुलाम मुस्तफा के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित रचित कच्छवा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेवाती के साथ मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान, प्रदेश महामंत्री जावेद कुरैशी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुंसिफ अली खान, अयूब खान, जंग बहादुर पठान, प्रदेश मंत्री मुराद अली शेख, महबूब कुरैशी, मुनव्वर खान, उस्मान चौहान, फरीदुद्दीन शेख, इरशाद हसनपुरा, सैयद सादिक़ अली, इरफान शेख, अलीम शेख, तेजपाल सहनी, हनीफ शेख, अयूब खान, हुसैन पठान, गुलाम मुस्तफा, अतीक खान, महबूब कुरैशी, ताहिर कुरैशी, शहजाद खान, इशरत परवीन, इमरान खान, सैयद इमरान चिश्ती, सैयद सादिक अली, सैयद सलीम आफताब, सैयद आदिल हुसैन आदि ने भी जियारत व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

विधवा का भूखण्ड हड़पने का प्रयास

उदयपुर, (कासं)। एक महिला का भूखण्ड हड़पने के लिए एक युवक द्वारा उसे धमकाने और फर्जी स्टॉम्प पर उधारी बताकर हड़पने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। जगन्नाथी बाई पत्नी स्व. पन्नालाल गमेती निवासी बड़गांव ने रिपोर्ट दी उसका एक भूखण्ड जो कि बाण्डी नाल में राडाजी बावजी के पास स्थित है। यह प्लॉट मेरे सास-ससुर का था और वर्तमान में मेरे पास है। बड़गांव के ही कुछ भूमाफिया मेरे भूखण्ड को हड़पना चाहते हैं और मुझ प्रार्थिया को जबरन मेरे भूखण्ड से बेदखल करना चाहते हैं। मेरे भूखण्ड के आसपास भील समाज के व्यक्ति रहते हैं। रोशन शर्मा पुत्र निरंजन शर्मा नामक व्यक्ति अपने साथ अपने परिवार की औरतों को लाकर जबरन प्लॉट हड़पना चाहता है। रोशन शर्मा द्वारा एक फर्जी स्टाम्प पर उधारी की लेन-देन बताकर मेरे बेटे के नाम से धमकी दे रहा है। बड़गांव थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता ने आत्महत्या की, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी सेक्टर दो में रहने वाली एक विवाहिता ने शादी के दो महिने में ही अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतका के भाई की तरफ से पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया। मामले में जांच एसीपी आनंद सिंह की तरफ से की जा रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

एसीपी बोरानाडा आनंद सिंह ने बताया कि मूलत: अजमेर जिले के शिवांजी किशनगंज की रहने वाली 30 वर्षीय किरण पुत्री कैलाशचंद तंवर की शादी 12 नवंबर 2024 को कुड़ी भगतासनी निवासी दिलीप कुमार के साथ हुई थी। किरण ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला, मगर उसके भाई नरेंद्र तंवर ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। किरण के फंदा लगाने की जानकारी मिलने पर परिजन उसे फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। एसीपी आनंद सिंह के अनुसार शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया गया। मामले में किरण के पति दिलीप कुमार, विद्या देवी, राजेश, रूबी सहित अन्य ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ अब जांच आरंभ की गई है।

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर बजरी के वाहनों से वसूली करने वाला गिरफ्तार

बजरी के वाहनों से अवैध वसूली कर रहा था, लाल बत्ती लगी गाड़ी जब्त

पुलिस थाने में जब्त गाड़ी।

निवाई, (निसं)। बरोनी थानान्तर्गत गांव जामडोली व नोहटा के बीच लाल बत्ती लगाकर फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर बजरी के वाहनों से अवैध वसूली के आरोपी लोकेश पुत्र गिर्राज मीणा निवासी जामडोली को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लाल बत्ती लगी हुए गाड़ी को भी जब्त कर लिया।

बरोनी थानाधिकारी मानवेंद्रसिंह ने बताया कि आरोपी फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ग्रामीणों पर धौंस जमा रहा था। गाड़ी पर लाल बत्ती व पुलिस महानिरीक्षक की नेम प्लेट लगाकर बजरी के वाहनों से अवैध वसूली करने की शिकायत ग्रामीणों ने पुलिस को दी। इस पर डीवाईएसपी मृत्यंजय मिश्रा व थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह मय पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी से पूछताछ की। आरोपी ने पुलिस को बताया था कि उसने टोल बचाने के लिए गाड़ी पर लाल बत्ती लगा रखी है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की लाल बत्ती लगी हुई गाड़ी को जब्त कर लिया और धोखाधड़ी व अवैध वसूली करने का मामला दर्ज कर लिया।

लाल बत्ती लगी गाड़ी में धौंस जमाने वाला फर्जी आर.ए.एस. गिरफ्तार

जैसलमेर, (निसं)। एसपी सुधीर चौधरी ने शहर में लाल बत्ती लगी गाड़ी में पुलिस वालों पर धौंस जमाते फर्जी आरएएस बने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अजमेर निवासी युवक हरजीतसिंह (32) खुद को आरएएस अधिकारी बताकर पुलिस पर धौंस जमा रहा था। एसपी ने सादा वर्दी में घूमते हुए हरजीतसिंह से बात की और आईडी कार्ड दिखाने के लिए कहा। तब हरजीत सिंह ने आरएएस का एक फेक आईडी कार्ड बताया।

- एसपी ने सादा वर्दी में घूमते हुए फर्जी आरएएस से बात की और आईडी कार्ड दिखाने के लिए कहा
- हरजीत सिंह ने आरएएस का एक फेक आईडी कार्ड बताया, शक होने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

शक होने पर एसपी सुधीर चौधरी युवक को लाल बत्ती लगी गाड़ी समेत कोतवाली थाना लेकर आए। पड़ताल करने पर युवक हरजीत सिंह ने खुद को अजमेर निवासी बताया व आरएएस अधिकारी बताया। साथ ही उसने खुद को किसी मीडिया हाउस का प्रोपराइटर भी बताया। पुलिस ने फर्जी आरएएस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। उसके फर्जी आरएएस अधिकारी बनकर जैसलमेर आने व लाल बत्ती लगी गाड़ी में घूमने को लेकर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सोमवार देर रात करीब नौ बजे की गई।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि सोमवार रात को सादा वर्दी में वे गश्त की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उस दौरान सोनार किले में नो पार्किंग जगह पर मल्टी कलर लगी (लाल बत्ती) गाड़ी में एक व्यक्ति पुलिस कांस्टेबल से उलझ रहा था और खुद को आरएएस अधिकारी बता रहा था। आरोपी युवक के पास से सभी कागज फर्जी पाए गए हैं। उसके पास से राजस्थान सरकार की मोटर गैराज की लाल पट्टी लगी इनोवा गाड़ी भी जब्त की गई है।

जयपुर में बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर हटाने की तैयारी

16 साल पहले बनाए गए इस कॉरिडोर को खत्म करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में सीकर रोड और अजमेर रोड पर बना बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बी.आर.टी.एस.) कॉरिडोर जल्द ही हटाने की तैयारी है। करीब 16 साल पहले बने लोगों को ट्रेफिक जाम से सहूलियत देने के बजाय आफत बने इस कॉरिडोर को खत्म (निष्क्रिय) करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने राज्य सरकार की मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा है। अब इस कॉरिडोर को हटाने का अंतिम फैसला राज्य सरकार ही लेगी।

दरअसल मंगलवार को जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति की बैठक हुई। इस बैठक में बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने के प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार को मंजूरी के लिए भिजवाने का फैसला हुआ। जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी ने बताया कि जयपुर-अजमेर रोड पर 200 फीट बायपास चौराहे पर एन.एच.ए.आई. ने अंडरपास बनाने का प्रस्ताव रखा है। इससे 200 फीट चौराहे से जयपुर शहर की ओर आने वाले मार्ग पर करीब एक किलोमीटर दूरी में बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर खत्म हो जायेगा। इसी प्रकार झोटवाड़ा में नवनिर्मित राव शेखाजी एलिवेटेड रोड के कारण भी पानीपेच से राव शेखा सर्किल तक का कॉरिडोर खत्म चुका है। एनएचएआई ने सीकर रोड-सी जोन बाईपास पर अंडरपास का प्रस्ताव दिया है। इसके मुख्य सीकर रोड पर करीब 1.2 किलोमीटर लंबाई में बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर को खत्म करना पड़ेगा। राज्य सरकार के संशोधित बजट 2024-25 में विद्याधर नगर तक जयपुर मेट्रो की डी.पी.आर. की घोषणा की गई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए बीआरटीएस कॉरिडोर को निष्क्रिय किये जाने का प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए राज्य सरकार को भिजवाया गया है।

गौरतलब है कि राजधानी जयपुर में करीब 16 साल पहले बनाया गया बीआरटीएस कॉरिडोर सुविधा के बजाय हादसों का कारण बनता गया। इस कॉरिडोर में हो रहे हादसों के बाद जेडीए प्रशासन ने इसका अध्ययन भी करवाया था। इसके बाद पिछली कांग्रेस सरकार में इस हटाने पर खूब चर्चा हुई, लेकिन तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने बीआरटीएस को हटाने से साफ मना कर दिया था।

करीब 170 करोड़ रूपए की लागत से बनाए गए बीआरटीएस कॉरिडोर का उदेश्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुगम बनाना था, लेकिन इस कॉरिडोर ने आमजन को परेशानी में डाल दिया। सार्वजनिक परिवहन के नाम पर यह कॉरिडोर कोई काम नहीं आया। करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद ये प्रोजेक्ट हादसों का कॉरिडोर बनता रहा। ऐसे में यह प्रोजेक्ट जयपुर विकास प्राधिकरण के लिए "गले की फांस" बना हुआ था। इसके बाद जेडीए प्रशासन ने इस कॉरिडोर की स्टडी करवायी और कहां-कहां कितना ट्रैफिक दबाव रहता है तथा हादसे वाले पाइंट भी चिह्नित किए। अब भजनलाल सरकार इस कॉरिडोर को खत्म करने का फैसला ले सकती है।

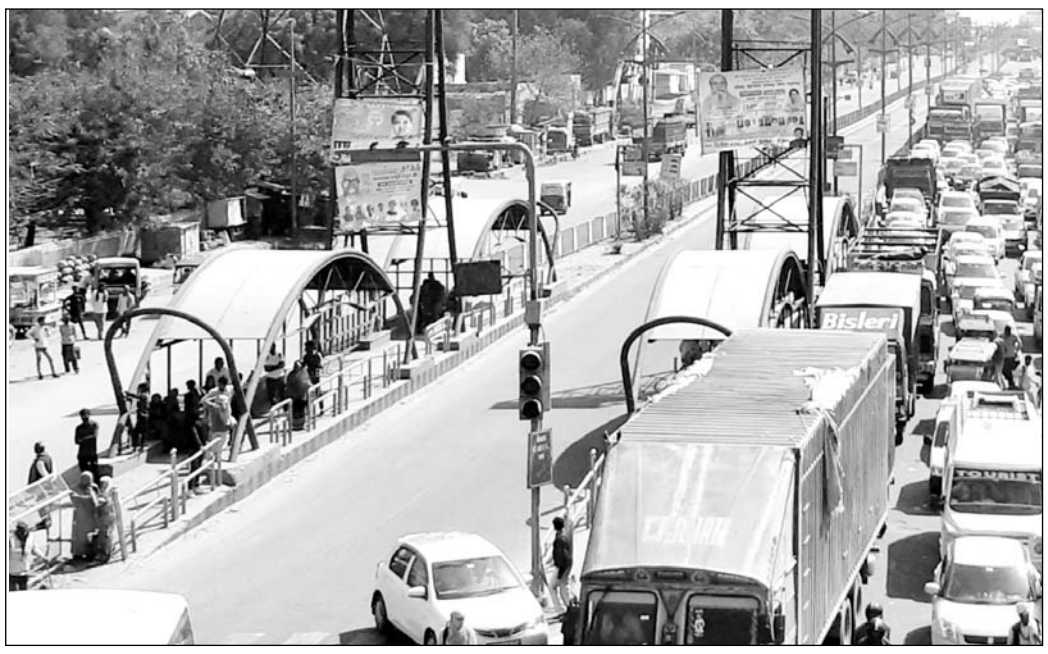

जयपुर-सीकर मार्ग पर बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर सार्वजनिक वाहनों के लिए छोड़े जाने के कारण अन्य सड़कों पर भारी यातायात का दबाव रहता है। फोटो-राष्ट्रदूत

- **इस प्रस्ताव में कहा गया है कि, जयपुर-अजमेर रोड पर 200 फीट चौराहे तथा जयपुर-सीकर मार्ग पर सी-जोन बाईपास में अंडरपास बनाया जायेगा, इससे करीब सवा 2 किलोमीटर का बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर खत्म होगा। झोटवाड़ा एलिवेटेड रोड के लिए पूर्व में ही पानीपेच से चौमूं पुलिया सर्किल तक यह कॉरिडोर खत्म हो चुका है।**
- **गौरतलब है कि राजधानी जयपुर में वर्ष 2010 से शुरू हुआ बीआरटीएस कॉरिडोर पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुगम बनाने के बजाय हादसों का कारण बनता गया। पिछली कांग्रेस सरकार में इस हटाने पर खूब चर्चा हुई, लेकिन तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने से साफ मना कर दिया था।**

ऐसे चला बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर का घटनाक्रम

- **झोटवाड़ा रोड से सीकर रोड के बीच 7.1 किलोमीटर का बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर था। इसके निर्माण पर 75 करोड़ रूपए खर्च किए गए। इस कॉरिडोर का संचालन साल 2010 में किया गया था।**
- **अजमेर रोड से किसान धर्म कांटा, न्यू सांगानेर रोड, बी-2 बाईपास तक बीआरटीएस कॉरिडोर 9 किलोमीटर में बनाया गया। इसके निर्माण पर 90 करोड़ रुपए खर्च किए गए। न्यू सांगानेर बी-2 बाईपास कॉरिडोर का संचालन वर्ष 2014-15 से शुरू किया गया।**
- **कॉरिडोर में बढते एक्सीडेट के बाद जनवरी 2020 में स्टेट रोड सेफ्टी कॉउसिल ने जयपुर विकास प्राधिकरण को बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का सुझाव दिया।**
- **प्राप्त जानकारी के मुताबिक बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर बनाने पर करीब 170 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जिसमें 50 फीसदी पैसा केन्द्र सरकार और 20 फीसदी पैसा राज्य सरकार ने लगाया था, वहीं 30 फीसदी पैसा जेडीए ने इस प्रोजेक्ट में खर्च किया था।**

कारोबारी के घर से 30 लाख रु. लेकर नौकर फरार हुआ

जयपुर। विद्याधर नगर थाना इलाके में मालिक की अनुपस्थिति का लाभ उठाकर नौकर 30 लाख रुपए लेकर चंपत हो गया। आरोपी को दो महीने पहले ही काम पर रखा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर-10 विद्याधर नगर निवासी बिजनेसमैन आनंद परसरामपुरिया (43) ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने परिवार के साथ यहां रहते हैं। करीब 2 महीने पहले जानकार के जरिए बिहार निवासी राजेश को घरेलू काम के लिए रखा था। घरेलू नौकर राजेश दिन में काम के बाद रात को घर में सर्वेंट क्वार्टर में रहता था। बिजनेसमैन ने पिछले दिनों किसी पेमेंट के चलते 30 लाख रुपए का बैग घर लाकर अलमारी में रखा था। आरोप है कि घरेलू नौकर राजेश ने मौका पाकर अलमारी का लॉक खोलकर 30 लाख रुपए चोरी कर लिए। शनिवार दोपहर को बिजनेसमैन को अपनी मां के छत से गिरने की इमोशनल स्टोरी सुनाई। बिजनेसमैन आनंद ने मदद के लिए रुपए देकर ड्राइवर के साथ कार में उसे सिंधी कैंप बस स्टेंड भिजवा दिया। सोमवार को अलमारी खोलने पर 30 लाख रुपए गायब मिले। घरेलू नौकर राजेश के रुपए चोरी कर भागने के शक पर विद्याधर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया।

वहीं जवाहर नगर में फर्जी बॉण्ड बेचकर एक युवक से सवा पांच लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। राजापार्क आदर्श नगर निवासी सतीश मदान ने मामला दर्ज करवाया कि नीरज कुमार ने उसे एचडीएफसी बैंक से रेलीगरी नाम के फर्जी बॉण्ड बेचकर 5.25 लाख रुपए ले गए। जब पीड़ित ने इन बॉण्ड की जांच करवाई तो पता लगा कि इस नाम के कोई बॉण्ड ही नहीं है।

शातिर भू-माफिया व उसकी पत्नी धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने एक शातिर भू-माफिया को उसकी पत्नी के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी हरीश शर्मा और उसकी पत्नी कविता शर्मा के खिलाफ जयपुर में धोखाधडी के कई मामले दर्ज हैं। आरोपी ने पत्नी के नाम से कविता कॉलोनाइजर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना रखी हैं। कंपनी 2013 में स्ट्राइक ऑफ हो गई जिस के बाद भी दोनों आरोपी लोगों से पैसा लेकर भूखंडों के पट्टे जारी कर रहे थे।

दोनों ने जयपुर शहर मे हनुमंत विहार द्वितीय के नाम पर कई लोगों से ठगी की हैं। दोनों के खिलाफ जयपुर सिटी में दो दर्जन से अधिक शिकायत दर्ज हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि इन के खिलाफ जयपुर, अलवर, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में 138 एनआई एक्ट के मामले में कोर्ट में विचाराधीन हैं। जिन में गिरफ्तारी वारंट जारी हो रखे हैं।

डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि 31 अगस्त 2023 को पीड़ित आदित्य कोल ने थाने में मामला दर्ज करवाया कि अप्रैल 2021 में आरोपी हरीश शर्मा की पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं होने पर उसे लाखों रुपए दिए। जिन को लौटाने के लिए जब हरीश को कहा गया तो हरीश ने पीड़ित आदित्य कोल को अपनी फर्म कविता कॉलोनाइजर प्राईवेट लिमिटेड द्वारा सृजित कॉलोनी हनुमंत विहार 02, मांग्यावास में प्लाट नम्बर 197 का पट्टा दे दिया।

जब पीड़ित कब्जा लेने मौके पर गया तो कॉलोनी में जेडीए के रिकॉर्ड के अनुसार कुल 187 प्लॉट ही सृजित होना पाया गया। इस पर हरीश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़िता की शिकायत पर विशेष जांच के लिए एडिशनल डीसीपी साउथ ललित किशोर शर्मा,एसीपी सोडाला योगेश चौधरी, सीआई श्याम नगर दलवीर सिंह की टीम गठित की गई। टीम के सदस्यों ने आरोपी का निरंतर पीछा कर आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसमें विशेष भूमिका थाने के कांस्टेबल अजय पाल और पवन कुमार की रही। दोनों अथक प्रयास कर आरोपी हरीश और उसकी पत्नी कविता शर्मा को गिरफ्तार किया। दोनों पति-पत्नी के खिलाफ जयपुर में 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

श्याम नगर थाना पुलिस ने शातिर भू-माफिया हरीश शर्मा और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया।

1.90 किलो गांजे के साथ तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने गांजा बेचते एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस तलाशी में 1.90 किलो गांजा जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पिछले काफी समय से गांजा सप्लाई का काम करना बताया है। काफी संख्या में कस्टमर उसे ढूंढते हुए खुद गांजा खरीदने आते है।

डीसीपी (ईस्ट) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गांजा बेचते आरोपी प्रेम सिंह उर्फ हुकुम सिंह (47) निवासी नायको का टीबा ट्रांसपोर्ट नगर को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रांसपोर्ट नगर में रोडवेज बस डिपो के पास एक व्यक्ति गांजा बेच रहा है। पुलिस टीम ने सूचना पर घेराबंदी कर संदिग्ध को धर-दबोचा। तलाशी में उसके पास गांजा मिला। पुलिस ने गांजा सप्लायर प्रेम सिंह उर्फ हुकम सिंह को अरेस्ट किया। उसके पास मिले 1.90 किलो गांजा जब्त किया गया। पूछताछ में सामने आया है कि वह गांजा पीने का आदी है। उसके साथ बस्ती में रहने वाले से गांजा खरीद कर बेचता है। छोटी-छोटी पूड़िया में गांजा बांधकर 100-200 रुपए में बेचता है।

जे.डी.ए. आयुक्त आनंदी ने ली कार्यकारी समिति की बैठक

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंथन सभागार में कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक में स्वर्ण विहार सांगानेर में सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर एसबीआर प्रौद्योगिकी पर आधारित 30 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरिंग, कंस्ट्रक्शन, कमीशनिंग, ईपीसी और परफॉरमेंस रन के बाद आपरेशन एण्ड मेंटीनेंस कार्य के लिए न्यूनतम बोलीदाता (एल-1) को 3.70 करोड रू. निविदा की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार जेडीए, जयपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 30 एमएलडी एसटीपी नेवटा के पीआरएन (उत्तर) क्षेत्र के लिए मैनहोल के निर्माण के साथ 800 मिमी से 1200 मिमी व्यास के आकार की मुख्य ट्रंक सीवर लाइन बिछाने और जोड़ने के कार्य के लिए न्यूनतम बोलीदाता (एल-1) को 34 करोड रू. निविदा की मंजूरी दी गई। बैठक में जोन-14 में वाटिका रोड के नवीनीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य के लिए निविदा की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी प्रकार विद्याधर नगर स्थित किशन बाग परियोजना के रखरखाव और प्रबंधन के लिए भी विभिन्न शर्तें, स्कॉप ऑफ वर्क निविदा दस्तावेजों का अनुमोदन किया गया। जविप्रा कर्मचारी (भर्ती एवं पदोन्नित) में कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार के निर्धारित नियमों को सम्मिलित करने हेतु प्रस्ताव प्राधिकरण बैठक में रखे जाने का निर्णय लिया गया।

सार-समाचार

ध्यान-मंत्रा विज्ञान पर अनूठा सत्र शुरू

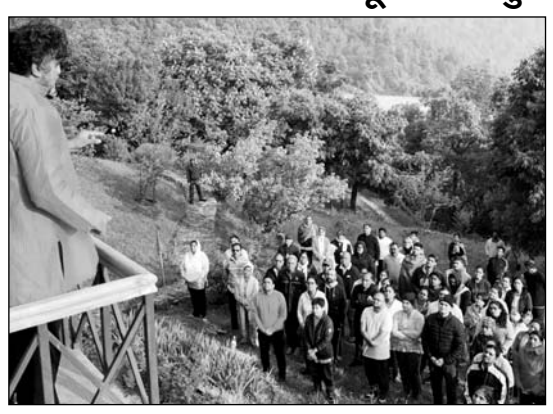

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में ध्यान, मंत्र साधना एवं स्वर योग पर ध्यान फाउंडेशन की ओर से 6 दिवसीय सत्र शुरू हुआ है, जो कि 12 जनवरी तक चलेगा। देश-विदेश से साधक ध्यान आश्रम के अश्विनी गुरु के सानिध्य में योग-ध्यान की क्रियाएं सीखने के लिए इस सत्र में शामिल हुए। सत्र के पहले दिन प्रतिभागियों को सूर्य सैयम, आसन और प्राणायाम की क्रियाएं कराई गई। अश्विनी गुरु ने वेदों के गूढ़ रहस्यों का अवलोकन किया और साधकों के प्रश्नों के जवाब दिया। सैशन में आनंद, मृत्यु के वास्तविक स्वरूप तथा किस प्रकार शरीर को संतुलन में लाते हुए आत्मिक उत्थान को साझा किया जाए, इन विषयों पर चर्चा हुई। ज्ञात रहे कि अश्विनी गुरु योग, ध्यान, यज्ञ , मंत्र, साधना, वैदिक मार्शल आर्ट्स, गदा विज्ञान में दक्ष हैं। उनके शिष्यों ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मुंबई के समक्ष क्लेरवॉयंस का जीवंत प्रमाण दिया है । सायंकालीन सैशन में डॉक्टर प्रसन्न प्रभाकर द्वारा प्रतिभागियों की शारीरिक और मानसिक हैल्थ के अंकन के लिए कुछ विशेष टेस्ट भी किए गए। आगामी दिनो में यज्ञ, आयामों की यात्रा, दिव्य चिकित्सा, स्वर योग आदि विषयों पर व्यावहारिक शिक्षा दी जायेगी। सत्र में भाग ले रहे वैज्ञानिक डॉ वी.एस.मिश्रा ने बताया कि मुझे कई बार गुरुजी द्वारा किए गए यज्ञ में शामिल होने का मौका मिला है। मैंने उनके मंत्र उच्चारण से स्वयं वातावरण परिवर्तित होते देखा है । एक बार हम ऑस्ट्रेलिया में थे । आकाश में घने बादल थे और बारिश की प्रेडिक्शन थी । गुरु जी ने सूर्य साधना आरम्भ की और देखते-देखते बादल छट गए और सूर्य देव ने दर्शन दिए। दिव्य चिकित्सा मंत्र शरीर की कोशिकाओं को प्रकृति से संरेखित कर उसे आरोग्य की ओर ले जाते हैं। आज के सत्र में चक्रों के बीज मंत्र तथा तत्व शुद्धि की क्रिया का भी अवलोकन हुआ ।

भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव में शरीक हुई राजस्थान सहकारिता टीम

नई दिल्ली/जयपुर । नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में ग्रामीण भारत महोत्सव-2025 का आयोजन 9 जनवरी तक चलेगा। गत 4 जनवरी को शुरू हुए सम्मेलन में राजस्थान से सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा सहित सीसीबी एमडी और कर्मचारियों ने सहकारी भागीदारी निभाई है। इस आयोजन को ग्रामीण विकास में तेजी लाने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सम्मेलन, सरकारी सहकारी अधिकारियों, विचारकों, ग्रामीण उद्यिमयों और विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों को एक साथ लाएगा ताकि वे स्थायी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों पर सहयोग कर सकें। "विकसित भारत 2047" के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण" के केंद्रीय विषय के साथ, यह सम्मेलन ग्रामीण विकास के प्रमुख स्तंभों का पता लगाने और उन्हें लागू करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा । भारत मंडपम में आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव सम्मेलन में राजस्थान से सहकारी प्रतिनिधित्व के रूप में सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सम्मेलन में भागीदारी की । राजस्थान से अपेक्स बैंक महाप्रबंधक पी.के.नाग, उप महाप्रबंधक विजय श्रीवास्तव, सीसीबी से बी.एस.गिल, हेमन्त सामरिया, दिनेश शर्मा, प्रेम सुख, दीपक बेरवाल, पूनाराम चोयल, अनिमेष पुरोहित, नानालाल चावला, राजकुमार, बरकरत अली, देवीदास बैरवा, सुरेंद्र शर्मा, विकास जैन, भँवर लाल, सतवीर सिंह सहित विभिन्न ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंक से प्रबंध निदेशक व अधिकारियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 सिर्फ़ एक आयोजन नहीं है- यह एक आंदोलन है जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में बदलाव लाना और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देना है। यह सरकार, उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नेताओं के लिए एक मंच तैयार करेगा, जहाँ वे एक साथ आएँगे, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेंगे और साझेदारी बनाएंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कलाकारों का अभिनंदन किया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को छत्रपति संभाजी नगर स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज के पारसनाथ जैन मंदिर में पहुंचकर श्री शांतिनाथ भगवान की पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की।

राज्यपाल का बाद में जैन समाज द्वारा भाव-भरा अभिनंदन और सम्मान किया गया। राज्यपाल ने सभी का आभार जताया और जैन समुदाय द्वारा समाज सेवा के लिए किए कार्यों की सराहना की। राज्यपाल बागडे ने छत्रपति संभाजी नगर में गोविंद भाई श्रॉफ संगीत महोत्सव में भी भाग लिया। श्री सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में उन्होंने कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संगीत अंतर के अन्वेषण से जुड़ा है। हमारे यहां संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का सर्वोच्च साधन बताया गया है।

टक्कर मारने के बाद युवक को कार के बोनट पर चार किमी. लेकर घूमने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। ज्योति नगर थाना पुलिस ने युवक को टक्कर मारने के बाद युवक को कार के बोनट पर 4 किमी तक लेकर घूमने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार इनकम टैक्स में लगी गाड़ी के ड्राइवर ने अंबेडकर सर्किल पर पहले एक गाड़ी को टक्कर मारी और फिर भागने लगा। इस दौरान दूसरी गाड़ी पर सवार युवक ने पीछा करके रोकने का प्रयास किया, लेकिन गाड़ी रोकने की बजाय युवक को बोनट पर लटका कर 4 किलोमीटर तक तेज रफ्तार में गाड़ी को दौड़ाता रहा। गाड़ी अंबेडकर सर्किल से रामबाग सर्किल और फिर विधानसभा तक दौड़ाई, गाड़ी के बोनट पर लटका युवक अपनी जान बचाने के लिए चीखता-चिल्लाता रहा। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार करके गाड़ी जब्त कर ली है।

पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही आरोपी की गाड़ी का पीछा किया। ड्राइवर ने बोनट पर लटके भूप सिंह को कमिश्नरेट के गेस्ट हाउस के पीछे पटक दिया था, उसके हाथ में फ्रैक्चर आया है। कार नंबर के आधार पर पुलिस ने ड्राइवर किशनलाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाड़ी इनकम टैक्स अधिकारी को लगी हुई थी। गाड़ी चला रहे ड्राइवर ने इनकम टैक्स अधिकारी के नाम से धमकाने का भी प्रयास किया। कार ड्राईवर शराब के नशे में बताया जा रहा है। वहीं बोनट पर लटके युवक ने चलती गाड़ी से ही वीडियो भी बनाया। परिवादी सुरेश कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि अंबेडकर सर्किल से रामबाग सर्किल की तरफ जा रहा था। वहां पर गाड़ी ने टक्कर मार दी। कार रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने वारदात कर डाली।

बदमाशों ने युवक से मोबाइल छीना

जयपुर । रामनगरिया इलाके में कार सवार चार बदमाश एक युवक से मारपीट कर मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार जगतपुरा निवासी हर्ष नोलखा ने मामला दर्ज करवाया कि वह ज्ञान विहार के पास घर का जरूरी सामान लेने गया था इसी दौरान कार में सवार होकर चार बदमाश आए और उसके साथ मारपीट की। मारपीट कर बदमाश उससे मोबाइल छीनकर ले गए। घटना 4 जनवरी की रात करीब 10 बजे की है।

वहीं मानसरोवर थाना इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवक के हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले गया। इस अप्रत्याशित घटना में पीडित कुछ समझ पाता तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गया। पुलिस के अनुसार संतोष नगर श्यामनगर निवासी अनिल गटियाल ने मामला दर्ज करवाया कि वह किसी काम से मानसरोवर गया था वहां पर पीछे से बाइक सवार एक बदमाश आया और उसके हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गया। यह घटना 5 जनवरी की शाम करीब साढे आठ बजे की है। इस पर पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया।

डमी भूखंड स्वामी बनकर पॉश कॉलोनियों में प्लॉट बेचने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। सोडाला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डमी भूखंड स्वामी बनकर पॉश कॉलोनियों में प्लॉट बेचने वाली गैंग के तीन शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि डमी भूखंड स्वामियों से भूखंड बिकवाने वाले भूखंड माफिया के खिलाफ जयपुर शहर व जयपुर ग्रामीण में विभिन्न थानों में आपराधिक मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि सोडाला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डमी भूखंड स्वामी बनकर पॉश कॉलोनियों में प्लाट बेचने वाली गैंग के शातिर बदमाश 35 वर्षीय अमित कुमार श्रीवास्तव निवासी झोटवाड़ा हाल करधनी जयपुर,37 वर्षीय मालुराम मेहरा निवासी सोडाला जयपुर और 44 वर्षीय पंकज चौधरी निवासी सोडाला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार भू-माफिया जयपुर शहर व आस-पास के इलाकों में खाली भूखण्डों को देखकर चिन्हित करते है और असली भूखण्ड स्वामी से भूखण्ड क्रय करने के सम्बन्ध में नुमाइश सौदेबाजी कर भूखंड के आवंटन पत्रादि की फोटो प्रति प्राप्त कर लेते है और उसके बाद फोटोकॉपी दस्तावेज व पीडित क्रेताओ को भूखण्ड की लोकेशन दिखाकर कीमत भूखण्ड को औने-पौने दामों में बेचान का सौदा कर क्रेता पर विश्वास जमाने के लिए डमी भूखण्ड स्वामी लाकर विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित करवाकर धनराशि हडप कर जाते है। गौरतलब है कि पीड़ित प्रेम सिंह ने सोडाला थाने में मामला दर्ज करवाया था कि भू-माफिया अमित श्रीवास्तव व मालुराम मेहरा एवं पंकज चौधरी ने राजधानी प्रॉपर्टी वाले अशोक जैन की पत्नी किरण जैन के तौर पर फर्जी भूखण्ड स्वामिनी महिला पेश कर उससे भूखण्ड संख्या 96 योजना पार्श्वनाथ कॉलोनी अजमेर रोड श्याम नगर जयपुर को बेचान का इकरारनामा उसके हक में करवाकर 21 लाख रुपये हडप लिये। जबकि वास्तविक किरण जैन ने भूखण्ड बेचा ही नहीं। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों को चिन्हित करते हुए पकड़ा है।

सोडाला पुलिस ने जमीनों की धोखाधड़ी करने वाले बदमाश पकड़े।

'सभी वार्ड और बाजारों में 2 बार सफाई की जाएं'

जयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर हेरिटेज निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। केंद्र सरकार की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण जल्द शुरू होने वाला है। ऐसे में मंगलवार को हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने निगम मुख्यालय में समीक्षा बैठक ली। बैठक में आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी शाखा और विभागों के प्रगतिरत कार्यों के बारे में विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान मंगलवार को हवामहल जोन के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक, इंजीनियर विंग से ओपन कचरा डिपो खत्म करने, वार्डो में सफाई व्यवस्था, रोड पेच वर्क आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वार्डो में चिन्हित कालोनियों में दो बार सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, साथ ही ओपन कचरा डिपो को पूरी तरह से खत्म करने के निर्देश दिए। आयुक्त अरुण हसीजा ने हवामहल जोन में आने वाले पर्यटक स्थलों के पास बने वेडिंग जोन में लगे कियोस्क को भी सुनिश्चित तरीके से लगवाने के निर्देश दिए।

ARBiT
it happens here...

War on Poverty Day

People who lack the economic resources that are needed to have a minimal standard of living are considered in poverty. The rate of poverty in many countries, throughout the world, has increased over recent years. In fact, it is estimated that more than 650 million people all over the globe live in extreme poverty. Of course, this lies in deep contrast to the wealth in many other families throughout the world. War on Poverty Day is meant to bring attention to and raise awareness for this continued problem and how it is possible to help.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
08 January 2025
A-B

#AIRPLANE MODE

To Wi-Fi Or Not To Wi-Fi On A Plane?

You might love the idea of staying in touch with the world below, or maybe, you're not keen on that social media scrolling even while flying.

Whether you fly all the time or have only been on a plane once, there's something about air travel that feels unique. The view from over 30,000 feet is always a sight to behold. But what if that magical moment is interrupted by your social media notifications? Yup, it's totally possible. More and more commercial flights are offering Wi-Fi, whether it's a short domestic trip or an international journey, giving passengers the chance to connect to the internet mid-air. In fact, the service is only growing, with Air India recently announcing free in-flight Wi-Fi on certain domestic routes, the first for India.

How does that sound to you? You might love the idea of staying in touch with the world below, or maybe, you're not keen on that social media scrolling even while flying. Let us see what people have to say about this.

The Practical Benefits Of In-Flight Wi-Fi

Aastha Wadhwani, an Entrepreneur, has used Wi-Fi on a flight and found it quite useful. "I was on a long flight from Spain to Delhi, and my kids were at home. My daughter, Medha, suddenly got sick and needed a medicine only I knew about. Thanks to the Wi-Fi! I was able to contact my family, even though I was 30,000 feet in the air. It was a lifesaver," she says. She adds, "Also, on long flights, my husband finds airplane Wi-Fi useful for staying connected to his office and keeping up with work when needed."

The Convenience Factor On Long Flights

Some people find Wi-Fi is essential for longer flights, and believe it may not have much impact for shorter journeys. Pranav Joshi, a Finance professional in Dublin, Ireland, also likes the idea of internet on a flight. "I've done a lot of travelling around Europe in the past few years. For a short one- or two-hour flight, Wi-Fi doesn't matter. But when I'm travelling to India from Ireland, the flight's way longer, and Wi-Fi would be so useful." He continues, "Sure, I've managed without internet, but if there's free Wi-Fi on a flight, it can really help with things like communication, whether it's about home or sorting out transport once you land. It's especially useful if someone's picking you up and you need to update them on your flight status."

Concerns About Noise And Distractions

While many people are eager to use Wi-Fi on a plane, others find that it could be more of a menace. Kratika Bhatnagar, a Social Account Manager, is not a fan of Wi-Fi on flights. "I think if everyone's glued to their phones, they'll miss important things like seat belt instructions or updates from the crew," she says. She adds, "There's a risk that people will start making reels, watching videos out loud, or chatting on the phone, disturbing everyone around. Flights are a closed space, and a peaceful environment is much better for everyone's safety and comfort."

Staying Offline Still Appeals To Many

While the use of Wi-Fi might be troublesome, many people also seek that much-needed disconnect from the rest of the world, something one can often experience on a flight. Ayush Jain, a Chartered Accountant, travels frequently for work. While Wi-Fi could be helpful for business, he prefers to keep his phone in airplane mode. "When you're on a flight, it's one of the few places where you're actually cut off from the outside world, no social media. That's something we rarely get nowadays, with phones and laptops always keeping us connected."

Raja Ajit Singh with his son, Jai Singh.

THE SAINT AND JAIPUR

PART:3

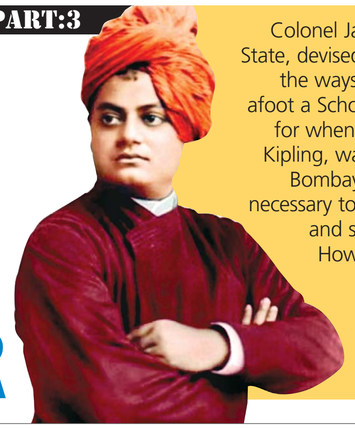

Colonel Jacob, the Superintending Engineer of the State, devised a water supply for the city and studded the ways with standpipes. He built gas works, set afoot a School of Art (This must have pleased Kipling for when he was born, his father, John Lockwood Kipling, was the Principal of the J. J. College of Art, Bombay), a museum, all things in fact which are necessary to western municipal welfare and comfort, and saw that they were the best of their kind. How much Colonel Jacob has done, not only for Jeypore City but for the good of the state at large, will never be known, because the officer in question is one of the not small class, who resolutely refuse to talk about their own work.

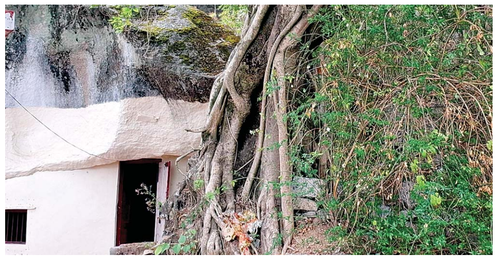

Cave in Mt. Abu where Vivekananda stayed.

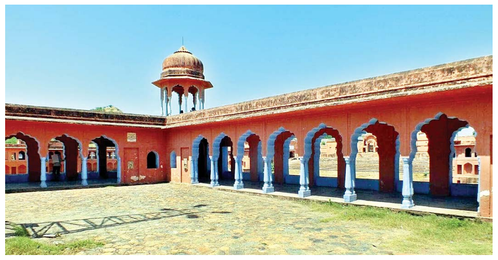

Location of Swamiji's reception during his third visit to Khetri.

Maj. Chandrakant Singh VrC *(Retd)*
Military Historian

#THE SWAMI

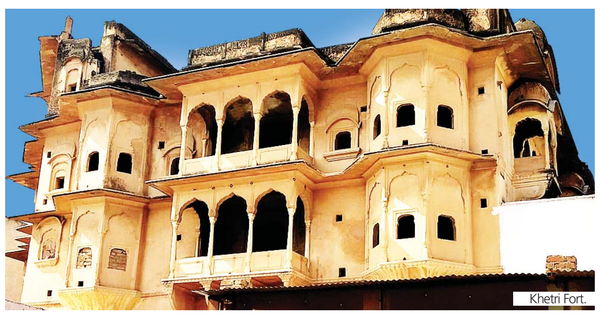

Dushyant - "Childlessness is a misery... This is how the wealth of families rendered support less by the breach in succession passes to strangers when the life of the head of the family comes to an end. And this again will be the fate of the fortunes of Puru's lineage when my own comes to an end."
- *Kalidas* in *Shakuntala*.

Vivekananda came to Jaipur and to Khetri, one of its premier fiefdoms, about the same time as Kipling and I leave to him to describe Jaipur.

Kipling: "If any part of a land, strewn with dead men's bones, have special claim to distinction, Rajasthan, as the cockpit of India, stands first. East of Suez men do not build towers on top of hills for the sake of the view, nor do they stripe the mountain sides with bastioned stone walls to keep in the cattle. Since the beginning of time, if we are to credit the legends, there was fighting, heroic fighting, at the foot of the Aravallis and beyond, in the great deserts of sand penned in by those kindly mountains from spreading over the heart of India. The thirty six Royal Races fought as royal races know how to do, Chohan with Rathore, brother against brother, son against father. The tangled tale of force, fraud, cunning, desperate love and more desperate revenge, crime worthy of demons and virtues fit for Gods may be found by all who care to look, in the book of the man (Col James Tod), who loved the Rajputs and gave a life's labours on their behalf. From Delhi to Abu and from the Indus to the Chambal, each yard of ground has witnessed slaughter, pillage and rapine. But today, the capital of the State that Dhola Rai, the son of Soora Singh, hacked out more than nine hundred years ago with sword from some weaker ruler's realm, is lighted with gas, and possesses many striking English peculiarities.

Dhola Rai was killed in due time, and for nine hundred years, Jeypore, torn by the intrigues of unruly princes and princelings, fought Asiatically. Jeypore, a pink city set on the border of a blue lake, and surrounded by the tow, red spurs of the Aravallis, a city to see and to puzzle over. There was once a ruler of the State, called Jey Singh, who lived in the days of Aurangzeb, and did him service with foot and horse. He must have been the Solomon of Rajputana, for through the forty years of his reign, 'his wisdom remained with him.' He led armies, and when fighting was over turned to literature. He intrigued desperately and successfully, but found time to gain deep insight into astronomy, and by what remains above ground now, we can tell that whatsoever his mind desired, he kept not from him. Knowing his own worth, he deserted the city of Amber, founded by Dhola Rai, among the hills. And six miles further in the open plains, bade one Vidyadhar, his architect, to build a new city, as seldom Indian city was built before, with huge streets straight as an arrow and sixty yards broad, and cross streets as broad and straight. Many years afterwards, the good people of America built their towns after this pattern, but knowing nothing of Jey Singh, they took all the credit to themselves.

He built everything that pleased him, palaces and gardens and temples, and then died, and was buried under white marble tomb on the hill overlooking the city. He was a traitor, if history speaks the truth, to his own kin, and he was an accomplished murderer, but he did his best to check infanticide. He reformed the Mohammadan calendar, he piled up a huge library and he made Jeypore a marvel. Later on came a successor (Colonel Swinton Jacob), educated and enlightened by all the amps of British progress, and converted the city of Jey Singh into a surprise, a big bewildering, practical joke. He laid down sumptuous trottoirs (pavement) of hewn stone, and central carriage drives, also hewn stone, in the main street. He, that is to say, Colonel Jacob, the Superintending Engineer of the State, devised a water supply for the city and studded the ways with standpipes. He built gas works, set afoot a School of Art (This must have pleased Kipling for when he was born, his father, John Lockwood Kipling, was the Principal of the J. J. College of Art, Bombay), a museum, all things in fact which are necessary to western municipal welfare and comfort, and saw that they were the best of their kind. How much Colonel Jacob has done, not only for Jeypore City but for the good of the state at large, will never be known because the officer in question is one of the not small class, who resolutely refuse to talk about their own work. The result of the good work is that the old and the new, the rampantly raw and sullenly old, stand cheek by jowl in startling contrast. Thus, the branded bull trips over the rails of a steel tramway, which brings out the city rubbish, the lacquered and painted cart, behind the two little stag like trotting bullocks catches its primitive wheels in the cast iron gas lamp post with the brass nozzle atop, and all Rajputana, gaily clad, small turbaned, swaggering Rajputana, circulates along the magnificent pavements."

> Dhola Rai was killed in due time, and for nine hundred years, Jeypore, torn by the intrigues of unruly princes and princelings, fought Asiatically. Jeypore, a pink city set on the border of a blue lake, and surrounded by the low, red spurs of the Aravallis, a city to see and to puzzle over.

> Khetri was a fief of Jaipur, ruled by the junior branch of the Jaipur ruling family and owing allegiance to the Maharaja of Jaipur, who, at that time, was Maharaja Madho Singh, whose senior queen, Jadaunji, was the daughter of Raja Umrao Singh of Kotla, who, for some time, had served as the finance minister.

True for Khetri

Much of what Kipling said about Jaipur is applicable to Khetri too, for Khetri was a fief of Jaipur, ruled by the junior branch of the Jaipur ruling family and owing allegiance to the Maharaja of Jaipur, who, at that time, was Maharaja Madho Singh, whose senior queen, Jadaunji, was the daughter of Raja Umrao Singh of Kotla, who, for some time, had served as the finance minister, and during the absence of the Maharaja, to attend the Diamond Jubilee of Victoria and coronation of Edward VII, served as the regent of Jaipur State. It was he who persuaded Narendra Nath, as Vivekananda was then known to proceed to Khetri and renew his acquaintance with Raja Ajit Singh of Khetri. The two had met earlier in Mount Abu where Narendra Nath was staying in a cave close to Khetri House. Khetri is not the first place that comes to mind when one thinks of Vivekananda. But for self-realisation, signature turban and gown, and even his name, the roots are in Khetri. The town of Khetri lies about a hundred miles North of Jaipur, a little west of the Delhi-Jaipur Highway. It is situated where the Northern spurs of the Aravallis and the Shekhawati desert give way to the green plains of Haryana. With its magnificent ruins of palaces and forts, it would, with a little bit of planning and care, has the potential to become an ideal holiday destination for both Indians and foreigners. But fate and human avarice have been unkind to it.

On Vivekananda's arrival at Khetri, Raja Ajit Singh organised a grand reception for him, which included a 'mujra,' about which I have written in Part 1 of this account. It was Raja Ajit Singh who gave him the title 'Swami Vivekananda' and advised to wear his trademark 'turban' as a protection against the sun. He also gave him an allowance of 100 Rupees a month, which he continued to give to his mother after his death. On learning of Swamiji's plan to go to America to attend the World Conference of Religions, Ajit Singh arranged for his passage. Swamiji and Ajit Singh corresponded with each other regularly. In one of his letters to Ajit Singh, Swamiji tells him that Ajit Singh is the only friend he has in the world. The magnificent palaces, forts and town houses in Jaipur and Delhi of Khetri, the great legacy of Ajit Singh has unfortunately fallen to rack and ruin, stripped bare of all their furnishings by the very people who were entrusted to serve. The last Raja of Khetri, Sardar Singh, died without an heir and left all his properties to a board of trustees, all of whom were members of what we now call the Lutyens lobby, which includes two members of the Thappar family, Romilla Thappar, Romesh Thappar, and Tejbir Singh. Vikram Lal et al. An article in India Today October 2024 has carried an account of this loot of the century. Two thousand years earlier, Kalidas foresaw this state of affairs. In his play *Shakuntala*, he declares, "This is how the wealth of families rendered support less by the break in succession passes to strangers when life of the head of the family comes to an end."

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SMART BUSINESS

Top 5 Small Business New Year's Resolutions For 2025

A business plan is not just a document written at the start-up phase in order to raise capital. Rather, it should be viewed as an evolving roadmap for where you want to take your firm.

As the calendar flips to 2025, now is the perfect time to re-evaluate your business and establish New Year's Resolutions for 2025, if you haven't done so already! The New Year is a time for self-assessment, evaluating opportunities, and plotting a way forward for new challenges in what promises to be an eventful year.

Here are some tips for taking 2025 head on!

1. Revisit Your Business Plan

A business plan is not just a document written at the start-up phase in order to raise capital. Rather, it should be viewed as an evolving roadmap for where you want to take your firm. The business plan outlines the strategies and tactics that you'll use to grow your company, helps you anticipate challenges, and sets milestones for gauging your progress. Your business plan is meant to be updated. As your business grows, use it to fine-tune strategies to continue scaling effectively. The beginning of the year is a natural time to re-evaluate your company's growth trajectory and assess whether or not you are reaching your goals. Begin 2025 by determining what changes should be made to take it to the next level in the coming year.

2. Continuously Gather Market Information

If you have a solid and loyal base of customers, use them for feedback about your performance as well as the performance of your competitors. If the other guys are still in business, they must be doing somethings right. So, don't just ask for information about your own products and services, find out their thoughts about others in the marketplace. Perhaps, some of your competitors have introduced new products or improved their customer service, what is your plan in response? Keeping abreast of market trends, evolving customer needs, and successful competitor strategies will help you identify opportunities and gaps in the marketplaces.

3. Manage Your Cash Flow More Effectively

Managing cash flow is critical for the long-term success of your business. Start by creating a 6-12 month cash flow forecast at the beginning of the year. This projection should list expected sales and returns on investments you have made, along with cash outflows (expenses, debts). Keep track of changes in revenue, expenses and, most importantly, your business earnings. If your expenditures are rising faster than your revenues, look for ways to both increase sales and cut costs.

Other cash flow tips:

- *Invoice* promptly and *follow up* on delinquent payers.
- *Optimize inventory management*. Having excess inventory uses up cash. Conversely, having too little inventory can result in missed sales opportunities.
- *Negotiate* better terms with suppliers and vendors, especially if you are among supplier's top customers. Investigate the possibilities. It doesn't hurt to ask.
- *Review* operating expenses regularly, including how much staff you have and the number of hours they work. Labor costs are usually the biggest chunk of a firm's operating costs.

4. Invest in Marketing

Even companies, that are doing well, need to invest in marketing. If your business is unable to afford TV commercials or other high price advertising, invest in social media marketing and earned media (public relations). If you don't know how to do these things currently in-house, there is no shortage of 21st century marketing experts who can help. Keep in mind that establishing and nurturing personal connections is still invaluable in growing your business. Attend networking events, conferences, and other opportunities to meet with potential customers or partners, who can help you reach new heights in the coming year. Establish a goal of making and connecting with at least one new contact each month. Building relationships can help take your company to the next level in 2025.

5. Promote Personal Brand

Every business owner has a personal brand to promote. Use social media such as LinkedIn, Instagram, Facebook, and even TikTok to build your brand, especially if you are trying to reach a younger demographic. Even if you don't have the skills to do this, there may be members of your staff, who would be interested in utilizing their expertise, to help you grow your personal brand. If there is no one on staff who can do it, consider hiring a public relations firm or social marketing firm that offers those skills.

THE WALL

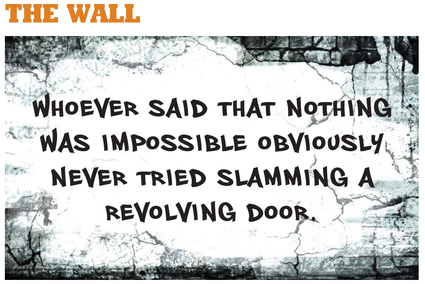

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

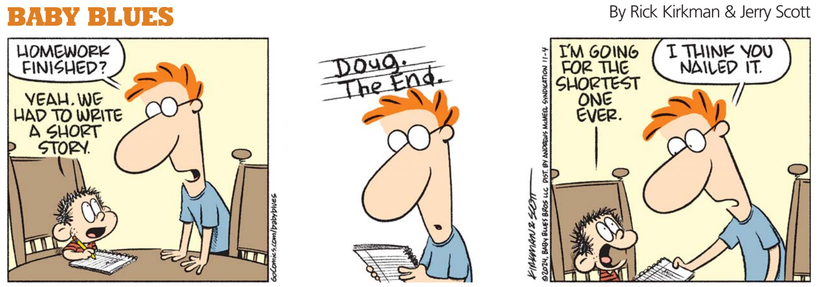

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

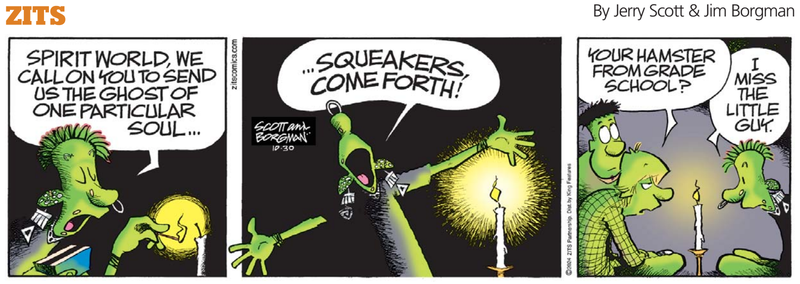

813वां सालाना उर्स : पाक जायरीन का 91 सदस्यीय दल अजमेर पहुंचा

कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पाक जायरीन दल को पुलिस ने सेंट्रल गर्ल्स स्कूल पहुंचाया

अजमेर, (कासं)। विश्व विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स में शिरकत करने पाकिस्तान से आया 91 सदस्यीय दल मंगलवार अलसुबह अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस ने रोडवेज बसों के माध्यम से पुरानी मंडी सेंट्रल गर्ल्स स्कूल पहुंचाया।

मंगलवार अलसुबह पाक जायरीन के अजमेर पहुंचने से पहले जिला पुलिस, खुफिया तंत्र, जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने प्लेटफार्म नंबर सुरक्षा घेरे में लिया। ट्रेन जैसे ही रेलवे स्टेशन पर रुकी तो पाकिस्तान से आए जायरीन की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। ट्रेन के कोच से उतरते ही जायरीन ने अजमेर की सरजमीं को चूमते हुए ख्वाजा साहब का शुक्रिया अदा किया। रेलवे स्टेशन के बाहर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए भारत सरकार की ओर से किए गए इंतजामों की सराहना की, उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भाईचारा और सौहार्द कायम बना रहे इसकी दुआ करेंगे।

मंगलवार अल सुबह अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचे पाक जायरीन।

सुरक्षा घेरे में रोडवेज बसों से पहुंचाया स्कूल :- अजमेर के प्लेटफार्म नंबर एक सुरक्षा घेरे में रहा, किसी भी यात्री को आने नहीं दिया गया। रस्सी बांधकर बैरीकेटिंग लगाए गए। खुफिया विभाग ने सभी पाक जायरीन की गिनती की और रोडवेज बसों में बैठाकर पुरानी मंडी सेंट्रल गर्ल्स स्कूल रवाना किया। इस दौरान उनके सामानों को स्केनर मशीन से गुजारा गया और जांच की गई। स्कूल में चिकित्सा विभाग की ओर से अस्थाई डिस्पेंसरी लगाई गई। सेंट्रल गर्ल्स स्कूल में पाक जायरीन के लिए जिला प्रशासन की ओर से अस्थाई कंट्रोल रूम स्थापित किया है। रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी सुरेश सिंधी को यहां की कमान सौंपी गई है। स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में खुफिया पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है, सादा वर्दी में जवानों को तैनात है। स्कूल से दरगाह जाने के दौरान पाक जायरीन के साथ जिला पुलिस के करीब दो सौ से अधिक सिपाही भी मौजूद रहेंगे। किसी भी पाक जायरीन को शहर में स्वतंत्र घूमने की अनुमति नहीं है और न ही शहर छोड़कर जाने की। पुलिस और खुफिया विभाग निगरानी बनाए हुए हैं।

- पाक जायरीन दल के सदस्यों ने भारत सरकार की ओर से किए गए इंतजामों की सराहना की

रोडवेज बस से अवैध डोडा-चूरा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने बीस किलो डोडा-चूरा बरामद किया

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिये शहर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन नश्वर के तहत मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई कर रही है। ऑपरेशन नश्वर अभियान के तहत रानपुर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान रोडवेज बस से एक तस्कर को गिरफ्तार किया, जिसके पास से दो बैगों में बीस किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर बरामद हुआ है।

- आरोपी से डोडा-चूरा पाउडर की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ जारी

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि कोटा शहर में अवैध पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए ऑपरेशन नश्वर अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी व पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के निर्देशन में रानपुर के थानाधिकारी मांगेलाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि रानपुर थानाधिकारी मांगेलाल मय जाप्ता पुलिस चौकी जगपुरा के सामने नाकाबंदी कर झालावाड़ की तरफ से आने वाहनों की चैकिंग कर रहे थे।

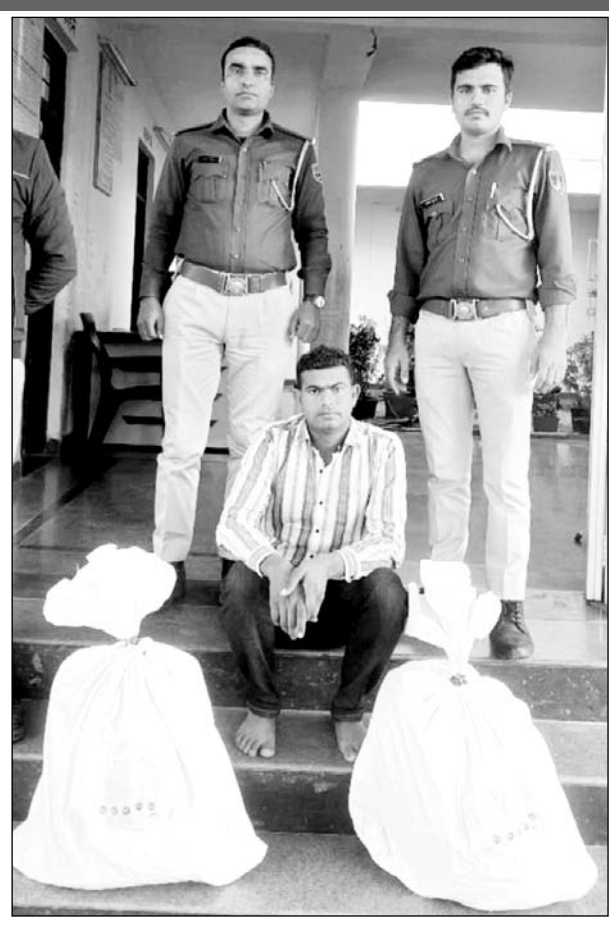

पुलिस ने डोडा-चूरा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

उसी दौरान मनोहरथाना से कोटा की और आने वाली रोडवेज बस में चैकिंग के दौरान दो बैगों में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ बरामद होने पर खोखरिया थाना कापरडा जिला जोधपुर निवासी सुनील कुमार (30) को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

साइबर टीम की हिरासत से फरार महिला गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। जीआरपी पुलिस टीम ने दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान कोटा स्टेशन से पुणे साइबर टीम को चकमा देकर हिरासत से फरार हुई साइबर फ्रॉड की मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जीआरपी पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल ने बताया कि जीआरपी थानाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में साइबर फॉड की वांछित अभियुक्त गुड़िया उर्फ सोफिया उर्फ सानिया सिद्दीकी (24) की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया था। जीआरपी पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि करीब साढ़े दस माह बाद जीआरपी टीम के लगातार प्रयास के बाद साइबर फ्रॉड की वांछित अभियुक्त फरीदाबाद हरियाणा निवासी सानिया उर्फ गुड़िया को पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जीआरपी पुलिस उपअधीक्षक शंकरलाल ने बताया कि पुलिस थाना पुणे के साइबर पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद खरात ने 19 फरवरी 2024 को जीआरपी थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि 6 फरवरी को साइबर पुलिस टीम पुणे साइबर फ्रॉड में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुणे से रवाना हुई थी। रिपोर्ट में कहा कि 16 फरवरी को साइबर फ्रॉड की वांछित मुख्य अभियुक्त फरीदाबाद हरियाणा निवासी सानिया उर्फ गुडिया को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। 17 फरवरी को न्यायालय से गिरफ्तारशुदा आरोपी का यात्रा वारंट प्राप्त किया। रिपोर्ट में कहा कि 17 फरवरी को दुरंतो एक्सप्रेस से हजरत निजामुद्दीन से मुख्य आरोपी को लेकर पनवेल के लिये रवाना हुऐ थे यात्रा के दौरान नींद लग जाने पर गिरफ्तारशुदा आरोपी ट्रेन के कोटा रेलवे स्टेशन पर रूकने पर ट्रेन से उतरकर फरार हो गई।

टीचर से परेशान नाबालिग लड़की ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग युवती ने अपने अध्यापक से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। उसने सेल्फास की गोलियां खाई थी। इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने प्राइवेट स्कूल टीचर के खिलाफ बेटी को मिलने के लिए दबाव बनाने और धमकी देने का मामला दर्ज करवाया था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी। यहां पर प्राइवेट स्कूल के टीचर ने उनकी बेटी को स्कूल में अश्लील इशारा किया। उससे मिलने के लिए दबाव बनाया और धमकी दी। घर वालों ने स्कूल संचालक और आरोपी टीचर को भी उलाहना दी।इसके बावजूद आरोपी नहीं माना। परेशान होकर बेटी ने पांच दिसंबर को सेल्फास की गोलियां खा ली।

दंपती व बच्चों के शव घर पहुंचे, अंतिम संस्कार किया

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थानाक्षेत्र के जीवाणा-भीनमाल स्टेट हाइवे पर उन्नडी-पोषाणा के बीच बाइक सवार दंपती और दो बच्चों की अवैध बजरी से भरे डंपर द्वारा कुचलने से मौत के बाद तीसरे दिन मंगलवार को मृतकों के शव का पोस्टमार्टम हुआ।

सायला के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोच्युरी में चारों शवों का मेडिकल टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। दोपहर को मृतकों के शव बावतरा पहुंचे तो गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जैसे ही शव घर पहुंचे परिजनों के हृदय विदारक विलाप ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। ग्रामीणों व समाजबंधुओं ने रोते-बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाया। मृतक के माता-पिता और दस वर्षीय बेटे राहुलपुरी का रो-रोकर बुरा हाल था। गमगीन माहौल में मृतकों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

- तीसरे दिन मंगलवार को मृतकों के शव का पोस्टमार्टम हुआ

जानकारी के अनुसार रविवार को एक सड़क हादसे में बावतरा गांव निवासी उत्तमपुरी पुत्र मांगपुरी (32 वर्ष), उसकी पत्नी डिम्पल देवी (30 वर्ष), बेटी चिंटू (8 वर्ष) और बेटे राजपुरी (5 वर्ष) को अवैध बजरी से डंपर ने कुचल दिया था, जिससे चारों की मौत हो गई थी। मृतका डिम्पल देवी गर्भवती भी थी। अब उत्तमपुरी के परिवार में बड़ा बेटा राहुलपुरी ही बचा है। वहीं मृतक के भाई रमेशपुरी ने डम्पर चालक के विरूद्ध तेज गति व लापरवाही से डम्पर चलाकर गलत दिशा में आकर बाइक के टक्कर मारने का मामला दर्ज करवाया है।

आर्मी कैंट में घूमता संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

पोकरण, (कासं)। पोकरण में सोमवार रात्रि में एक संदिग्ध आर्मी कैंट में घूमता पाया गया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने व्यक्ति को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि में करीब दस बजे एक व्यक्ति पोकरण स्थित आर्मी कैंट घूम रहा था। आर्मी के जवानों की सतर्कता से संदिग्ध पकड़ा गया। उक्त व्यक्ति तारबंदी को पार कर आर्मी कैंट के अंदर पहुंचा गया था। इस संदिग्ध के पास एक बैग भी मिला। पोकरण पुलिस के अनुसार इस के पास कोई पहचान संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। पोकरण स्थित सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध से पूछताछ की जिसमें उसने अपना नाम हसीद फरीदी उर्फ बबलू अमीनाबाद लखनऊ का निवासी बताया है। आर्मी इंटेलीजेंस ने देर रात गहनता से संदिग्ध से पूछताछ की। मगंलवार सुबह पोकरण थाने को उसे सुपुर्द किया। संदिग्ध व्यक्ति आर्मी जवानों की सतर्कता से पकड़ा गया है।

सी.एम. के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी की दादी का निधन

- खैरथल में बैकुंठी यात्रा निकालकर अंतिम संस्कार किया गया
- जयपुर, अलवर सहित खैरथल से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुये

खैरथल, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी की दादी भगवती देवी का निधन मंगलवार को हो गया, वे 92 साल की थी। खैरथल स्थित निवास स्थान से अंतिम संस्कार के लिए बैकुंठी निकाली गई। यात्रा में शामिल हुए लोग भजन कीर्तन करते हुए मोक्षधाम पहुंचे।

परिवार में उनके पुत्र देवदत्त जोशी, पोत्र कमल जोशी, हीरेन जोशी, प्रपोत्र केशव जोशी हैं। भगवती देवी का जीवन सेवाभावी रहा। उनकी आध्यात्मिक जीवनशैली सदैव ईश्वर भक्ति में समर्पित रही तथा भगवती देवी का आचरण समाज को प्रेरणा देने वाला रहा। पूज्य भगवती देवी की बैकुंठी यात्रा में जयपुर अलवर सहित खैरथल से बड़ी संख्या में मीडिया कर्मी प्रबुद्ध जन समाज के लोग शामिल हुए।

भगवती देवी।

परिवार के अनपढ़ होने का फायदा उठाकर जमीन की रजिस्ट्री करवाई

उदयपुर, (कासं)। एक परिवार के अनपढ़ होने का फायदा उठाकर गांव के लोगों ने इस परिवार के नाम की जमीन को विश्वास में लेकर अन्य लोगों के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामलाल पुत्र मोतीलाल गमेती निवासी भील बस्ती ईसवाल गोगुन्दा ने चुन्नीलाल पुत्र रामलाल गमेती निवासी बरोडीया गोगुन्दा, प्रेमलाल पुत्र लोगर लाल गमेती निवासी इसवाल गोगुन्दा, रमेश चन्द्र पुत्र मोहन लाल भील निवासी इसवाल गोगुन्दा, मदन पुत्र लोगर लाल गमेती निवासी ईसवाल गोगुन्दा, अनिल गमेती पुत्र केशुलाल भील निवासी नीमचमाता देवाली के खिलाफ रिपोर्ट दी कि मुझ प्रार्थी के पिता का स्वर्गवास हो चुका है। मेरे पिता के नाम पर हमारे गांव ईसवाल में जो जमीन थी वह पिता के अन्तकाल खुलने पर मुझ प्रार्थी व मेरे भाई देवीलाल, भीमा एवं बहन लक्ष्मी व माता काली बाई के नाम

- गोगुंदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

राजस्व रिकोर्ड में दर्ज हो गई थी।

करीब चार माह पूर्व मेरे गांव के परिचित प्रेमा गमेती व उसका भाई मदन गमेती व रमेश गमेती ने मुझे व मेरी मां काली बाई व बहन लक्ष्मी बाई को गलत जानकारी देते हुए बताया कि आपके पिता मोतीराम ने पूर्व में जमीन विक्रय की उस जमीन में कुछ हिस्सा बाकी रह गया जो आपके नाम पर है। उसकी हमारे मिलने वालों के नाम पर रजिस्ट्री करवा दो और उसके जो भी पैसे बनते हैं, वो हम आपको दिलवा देंगे। ऐसा बोलकर मुझे व मेरी मां काली बाई व बहन लक्ष्मी बाई को विश्वास में लेकर 19 सितम्बर 2024 को मेरी बहन लक्ष्मी बाई का बनने वाला 1/5वां हिस्सा व बाद में 15 अक्टूबर को मेरी मां काली बाई का बनने वाला 1/5 वा हिस्सा व 5 नवम्बर 2024 को मेरा हिस्सा चुन्नीलाल गमेती निवासी बरोड़िया के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। मेरी बहन लक्ष्मी बाई को बैंक का एक एक लाख का चैक दिया। मुझ प्रार्थी को भी गलत जानकारी देते हुए मेरे हिस्से जमीन की भी रजिस्ट्री करवा कर मुझे एक लाख रूपये का चैक दिया जिसे मेरे बैंक खाते में जमा नहीं करवाया। मेरी बहन ने खाते में जमा करवाया परन्तु रिटर्न हो गया। 3 दिसम्बर को कुछ लोग हमारी जमीन पर कब्जा करने आए तो हमने कब्जा करने से मना कर दिया तो उन लोगों ने कहा कि हमने जमीन खरीद ली उस समय ये लोग धमकी देकर गये कि कब्जा खाली कर देना नहीं तो हम तुम्हें मारपीट कर भगाकर भी कब्जा तो लेकर रहेंगे।

इस पर जब बडगांव तहसील से पता किया तो पता चला कि चुन्नीलाल गमेती ने पहले अपने नाम से पॉवर ऑफ अटार्नी करवा दिया और उसके बाद आधे हिस्से की अपने नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। आधे हिस्से की अपने ही पार्टनर अनिल गमेती के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। इस पर गाव के परिचित प्रेमा गमेती व उसका भाई मदन गमेती व रमेश गमेती से इस बारे में सम्पर्क किया तो उन्होंने कहा कि हमारे को उस पार्टी जमीन खरीदने वालों ने खर्च के रूपये दिये थे इसलिए तुम्हारे को लेकर गये।

अब हम भी कुछ भी नहीं कर सकते हैं। मुझ प्रार्थी व मेरे परिवार के सदस्य ने एक भी रूपया प्राप्त नहीं किया। इन सभी लोगो ने हम अनपढ़ होने का फायदा उठाकर मेरे पिता के द्वारा पूर्व में बेची गयी जमीन में से कुछ हिस्सा बेचना बाकी रहने की गलत जानकारी हमारे खातेदारी की सम्पूर्ण जमीन का पॉवर ऑफ अटार्नी लिखवा कर हमारी खातेदारी जमीन की रजिस्ट्री करवा दी है। अब ये लोग आकर धमका रहे हैं। रिपोर्ट पर गोगुंदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरत मामले में आसाराम को जमानत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को सूरत के अपने आश्रम में महिला अनुयायी से रेप के मामले में 31 मार्च तक बेल मिली है। हालांकि उनके जेल से बाहर निकलने की संभावना नहीं है क्योंकि आसाराम नाबलिग से रेप का भी दोषी है और इस मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को निर्देश दिया है कि वे सबूतों से छेड़छाड़ न करे और रिहाई के बाद अपने अनुयायियों से न मिले। अंतरित जमानत के दौरान आसाराम बापू के साथ पुलिसकर्मी भी रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की पीठ ने याचिका के आधार पर पाया कि आसाराम दिल की बीमारी के अलावा उम्र से जुड़ी कई बीमारियों से पीड़ित है। उसका फिलहाल जोधपुर के आरोग्य मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। वे जोधपुर सेंट्रल जेल में अपनी सजा काट रहे है, इसे ध्यान मे रखते हुए 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है।

मारपीट कर 25 हजार और दो फोन छीने

उदयपुर, (कासं)। एडवांस लेकर भागे चालक से बातचीत के दौरान गांव के कुछ लोगों ने एक युवक से मारपीट कर घायल कर दिया और 25 हजार रूपए व दो फोन ले लिए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनोहर लाल पुत्र जयराम गुर्जर निवासी रठाना मावली ने रिपोर्ट दी कि पांच जनवरी को करीब 3-4 बजे अहमदाबाद से मेरे लड़के शंकर का फोन आया और मुझे बताया कि आप खादरा जाकर प्रेम को अहमदाबाद बैठाना है। प्रेम ने मुझे फोन किया है इसलिये मैने शाम की 5-6 बजे प्रेम को फोन कर बताया कि तैयार हो जाना

- डबोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी

मै तुझे लेने को आ रहा हूं। मेरे जाने में थोड़ा लेट हुआ तो सामने से प्रेम ने मुझे करीब 7-8 बार फोन किया कि आप आ जाओ मैं घर पर ही हूं।

मैं मेरे दोस्त दामोदर पुत्र चुन्नीलाल जोशी निवासी पिपरोली ब्राह्मणों की तलाई की कार लेकर मैं व भतीजा देवीलाल पुत्र जयराम गुर्जर व बालु पुत्र चुना गुर्जर निवासी रठाना के साथ प्रेम को लेने गांव खादरा गए तो वहां लक्ष्मण गमेती शराब की दुकान पर बैठा था जो पूर्व में मेरा ड्राईवर था। उसने मेरे से एडवांस पांच हजार रूपए ले रखे थे। उससे मैं बात कर रहा था तो वह भाग गया तो मैंने उसको आवाज लगाई। इतने में फतह सिंह निवासी खादरा वाडा हनुमान जी मंदिर के पास आया और मेरे साथ मारपीट की। उसके साथ सात-आठ अन्य लोगों ने भी मारपीट की। इस दौरान करीब 25 हजार रुपये व फोन मौके पर गिर गए जो फतह सिंह ने ले लिया और वापस नहीं दिया। लठ्ठ व पत्थर से कार को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दी। रिपोर्ट पर डबोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, जेवर बरामद

पाटन, (निसं)। पुलिस अधीक्षक सीकर भुवन भूषण यादव (आईपीएस) के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए, पुलिस थाना पाटन ने चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेवर बरामद किये हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारीलाल शर्मा और पुलिस उप अधीक्षक अनुज डाल के निर्देशन में पाटन पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका को गिरफ्तार किया है। आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका उम्रनिवासी रैया का बास को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां उसे न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पाटन पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश में मुखबिर तंत्र और सूचनाओं का संकलन किया। पुलिस टीम के सक्रिय प्रयासों से आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया गया।

पाटन पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

नीमकाथाना जिला हटाए जाने के विरोध में आठवें दिन भी धरना जारी

भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया गया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना को जिला बनाए रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल आठवें दिन भी जारी रही। भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया गया। इस आंदोलन में भूपेन्द्र सिंह तंवर (पंचायत समिति सदस्य, मावण्डां कलां), अवतार गुर्जर (पंचायत समिति सदस्य, गणेश्वर), हरिराम भावरिया (पंचायत समिति सदस्य, प्रितमपुरी), सुभाष सिंघल, महेश शर्मा और सुरज्ञान सिंह (आदिवासी समिति सदस्य) ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल जारी रखी।

जानकारी के अनुसार जिले को बचाने के लिए मंगलवार को अग्रवाल समाज समिति, विप्र समाज, राजस्थान पेंशनर्स मंच और ग्राम पंचायत नाथा का नांगल के लोगों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकालकर विरोध जताया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को समर्थन दिया। नीमकाथाना को जिला सूची से हटाने के फैसले के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है। जगह-जगह टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोग इस आंदोलन में जुड़ते जा रहे हैं। आगामी 13 जनवरी को रामलीला मैदान में एक विशाल महासभा का आयोजन किया जाएगा। धरने में पूर्व सरपंच बसंत यादव, बाबूलाल यादव, डॉ. जे.पी. यादव, डॉ. जी. एल. सैनी, प्रमोद कुमार शर्मा, डॉ. जगत सिंह मीणा, दाताराम यादव, कांता प्रसाद शर्मा, चन्द्रभान शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, जयदयाल शर्मा, कैलाश चन्द शर्मा, अशोक शर्मा, सुभाष शर्मा, कमलेश मेगोतिया, दिनेश नरेड़ी, राजेश कुमार गुप्ता, संजय चेतानी, महेश गोयल, दीपक गुप्ता, कार्तिक अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, सुमेर सिंह तंवर समेत सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

धरने को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

संक्षिप्त

अभिभाषक संघ ने दिया ज्ञापन

श्रीमाधोपुर। अभिभाषक संघ श्रीमाधोपुर के अध्यक्ष रामजीलाल सैनी व महासचिव दीपेंद्र कुमार भारद्वाज के नेतृत्व में संघ के सदस्यों के साथ उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर के कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री का नाम के नाम लिखा ज्ञापन उपखंड अधिकारी को देते हुए ज्ञापन में मांग की है की सीकर संभाग को बहाल करते हुए यथावत रखा जाए। सैनी के अनुसार पूर्ववर्ती सरकार ने सीकर को सहुलियत के हिसाब से उपखण्डो के मध्य आमजन की पहुच एंव आवागमन के त्वरित साधनो के हिसाब से व जनभावनाओ को ध्यान में रखते हुये पूर्व सरकार द्वारा सीकर को सम्भाग बनाया गया था लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा सीकर सम्भाग को निरस्त किये जाने से सीकर जिले के समस्त उपखण्ड के आमजन को लम्बी दूरी तैय कर जयपुर जाना पडता है जिससे अनावश्यक धन व समय की बरबादी होती है। सीकर सम्भाग को निरस्त करने से जनभावनाये आहत हुयी है, इसलिये मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार से निवेदन है कि सीकर को पुन: सम्भाग बनाने की कार्यवाही करे जिससे आमजन को सुलभ व सस्ता न्याय मिल सके।

ग्रामसभा आयोजित

पीपलू। उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बनवाडा में सरपंच गिर्राज प्रजापत की अध्यक्षता में सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा आयोजित हुई। ग्राम विकास अधिकारी कुशराज सिंह ने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण कमेटी दल ने ठाम पंचायत द्वारा कराए गए। महात्मागांधी नरेगा कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें सभी कार्यों का मौके पर सही पाए गए। इस दौरान सामाजिक अंकेक्षण दल में माया खंगार, हनुमान प्रसाद मीणा, अजयसिंह बंशीवाल, सुरेशचंद सैनी, विष्णु सैनी, पूजा महावर, कनिष्ठ सहायक रामराय मीणा, वार्ड पंच राजेंद्र शर्मा, गोविंदनारायण शर्मा, हीरालाल व कालू शर्मा सहित ग्रामीण मौजूद थे।

एक गिरफ्तार

निवाई। निवाई थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत डिवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निर्देशन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना निवाई के सामने से अवैध हथियार एक नंगी तलवार लेकर घूमते हुए सुभाषचन्द साहू पुत्र सुरेशकुमार निवासी अग्रवाल धर्मशाला के पीछे निवाई को गिरफ्तार करके अवैध हथियार तलवार को जब्त किया है। पुलिस ने आम्र्स एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कम्बल वितरित

पीपलू। झिराना निवासी डॉ बीएल शर्मा व पूर्व सरपंच पंकज शर्मा की मां स्वर्गीय कोशल्यादेवी शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि तिथि पर कस्बे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों को कम्बल वितरित किया गया। पूर्व सरपंच पंकज शर्मा ने बताया कि मां की प्रथम पुण्यतिथि तिथि पर अस्पताल में मरीजों को कम्बल वितरित किया गया। ताकि सर्दी से राहत मिले। कम्बल पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान नजर आई। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी पवन हाथीवाल, अरुण शेडिया, शोभाराम मीणा, डा हर्षित शर्मा, शिवम विश्वास, मोहम्मद वाहिद व पूजा बैरवा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अवैध हथियार लेकर घुमते गिरफ्तार

टोंक। वृताधिकारी निवाई के निर्देशो पर थानाधिकारी निवाई हरिराम वर्मा ने अवैध हथियारो की रोकथाम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए एक अवैध हथियार के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया।थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि थाना निवाई की गठित टीम ने आरोपी सुभाष चन्द साहू पुत्र रमेश कुमार साहू उम्र 32 साल निवासह अग्रवाल धर्मशाला के पीछे निवाई को अवैध हथियार एक नंगी तलवार लेकर घुमते हुए गिरफ्तार किया जाकर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर प्रभात फेरी 12 को

प्रभात फेरी को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं व मंच के कार्यकर्ता।

निवाई। सनातन धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में श्री राम मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर शहर में विशाल भव्य प्रभात फेरी एवं नगर भ्रमण कार्यक्रम 12 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। प्रभात फेरी में अधिक से अधिक लोगों को जोडने हेतु सनातन धर्म रक्षा मंच के कार्यकर्ता निरंतर जुटे हुए है।

मंगलवार को मंच के कार्यकर्ताओं ने विद्या भारती के विद्यालय में प्रधानाचार्य गोविंदनारायण शर्मा के सानिध्य में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया। मंच के कार्यकर्ता दीपेश चंवरिया ने कार्यक्रम से संबंधित संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि 12 जनवरी को भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रथम वर्षगांठ देशभर में मनाई जा रही है। इसको लेकर शहर में भी प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी शहर में स्थित मोरिया वाले बालाजी मंदिर से 12 जनवरी की 5:30 बजे रवाना होगी।

प्रभात फेरी बडवेश्वर महादेव मंदिर जमात, शिवाजी कॉलोनी, भगतसिंह कॉलोनी, सेवा बस्ती, झिलाय रोड, अहिंसा सर्किल, बस स्टैंड, मालियों का मोहल्ला, फूटी बावडी, नया मंदिर, बड़ा बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, गणगौरी बाजार होते हुए कंकाली माता मंदिर पहुंचेगी। जहां संतों के सानिध्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। नगर भ्रमण और प्रभात फेरी के दौरान जगह-जगह विभिन्न संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान मायाराम शर्मा, राहुल जायसवाल, लोकेश गौतम व राहुल जैन सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

चेक अनादरण के आरोपी को 1 साल का कारावास

श्रीमाधोपुर। स्थानीय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या -2 पायल गौतम ने सोमवार को सुनाए गए अपने एक निर्णय में चेक अनादरण के एक आरोपी को 1 साल के कारावास से दंडित किया है तथा चेक राशि 02 लाख रूपए के लिए 03 लाख रुपये भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

प्रकरण के अनुसार परिवादी विनोद कुमार सैनी पुत्र सुवालाल सैनी निवासी श्रीमाधोपुर ने आरोपी राजेंद्र मीणा पुत्र बाबूलाल मीणा निवासी मांचडा जयपुर से आवासीय योजना राजश्री एन्क्लेव बैनाड जयपुर में भूखंड लेने के लिए रुपए दिए थे परंतु अभियुक्त ने समय पर उक्त भूखंड नहीं देने व सौदा निरस्त कर ली गई रकम के भुगतान की एवज में आरोपी ने परिवादी को एक चेक अपने बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा जयपुर का दिनांक 01.08 2019 को देय का दिया था। परिवादी ने इस चेक को अपने बैंक खाते में लगाया जो 11.09.2019 को बाउंस हो गया। इस पर परिवादी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से आरोपी को 21.09.2019 को विधिक नोटिस भिजवाया।

मोबाइल टावर से चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से चोरी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा चलाये जा रहे अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से चोरी हुई सामान की वारदात में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी सामान बरामद किया है। लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि गत दिनो बागडी मोबाईल टॉवर से चोरी हुए कीमती सामान चोरी हुआ था।

मामले में अनुसंधान करते हुए गठित दल ने तकनीकी सहायता एवं मुखबिर की सूचना पर दो आरोपी चैनसिंह पुत्र श्यामसिंह उम्र 22 साल निवासी बैरी तहसील कोटकासिम जिला अलवर हॉल निवासी झोटवाडा जयपुर तथा जीलम खान पुत्र पप्पू खान उम्र 24 साल निवासी सुन्दरावाली थाना नगर जिला डीग हाल ईश्वर नगर कालावाड जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के दौरान उनके कब्जे से एक बीबीसू मशीन जब्त किया है।

गणतंत्र दिवस की तैयारी

कोटपूतली। जिले में गणतंत्र दिवस समारोह पूरी गरिमा के साथ समारोहपूर्वक मनाया जायेगा। इसके लिये सभी आवश्यक तैयारियां व इंतजाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्थायें समय पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर प्रस्तुत की जाने वाली अनेक विभागों की झांकी के लिये झांकी बनाने से पूर्व थीम अनुमोदित करने के लिये कहा।

उन्होंने झांकियों में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का जीवंत प्रदर्शन प्रदर्शित करने के निर्देश दिये। गणतंत्र दिवस पर झांकियों में स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, जेवीवीएनएल, पंचायती राज, ग्रामीण विकास सहित अनेक विभागों द्वारा उपलब्धियों को दर्शाती एवं जागरूकता का संदेश प्रसारित करती चलित झांकियां प्रदर्शित की जायेगी। बैठक में गणतंत्र दिवस के आयोजन स्थल एवं आयोजन के विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन राजकीय एलबीएस कॉलेज में किया जायेगा। जिसमें स्थल की साफ, सफाई, ध्वजारोहण, मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राज्यपाल के भाषण की प्रति, प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र, बेरिकेडिंग व्यवस्था, प्राथमिक उपचार, परेड, झांकियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि की विभिन्न विभागों के माध्यम से की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसीईओ रामनिवास, एएसपी वैभव शर्मा सहित सभी जिला अधिकारी, कॉलेज शिक्षा तथा स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

फुले संस्था के अध्यक्ष पद से शिवचरण सैनी का त्याग पत्र

फुलेरा। कस्बे में माली सैनी समाज संस्था के अधीनस्थ चल रही संस्था महात्मा ज्योतिबा फुले संस्था के नवनियुक्त अध्यक्ष शिवचरण सैनी ने अपनी ओर से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उक्त इस्तीफा माली सैनी समाज संस्था के पास विचाराधीन स्थित में है। इसी क्रम में जानकारी देते हुए शिवचरण सैनी ने बताया कि माली सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष तेजकरण सैनी ने पत्र क्रमांक 02/2024 के अनुसार गत 26 मई 2024 को उन्हें महात्मा ज्योतिबा फुले अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया था। वहीं सैनी ने आगे बताया कि अभी भी संस्था के पद पर स्थिति स्पष्ट नहीं है क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष पद पर दो अध्यक्ष संस्था का कार्य कर रहे है, तथा अध्यक्ष पद को लेकर विवादित स्थिति होने के कारण यह अध्यक्ष पद उन्हें स्वीकार नहीं है। साथ ही यह भी कहा कि माली समाज अध्यक्ष द्वारा दिये गये नियुक्ति पत्र का भी कोई अस्तित्व नहीं है।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को तत्परता से करें निराकरण : कलक्टर अग्रवाल

कोटपूतली। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों एवं ई-फाईल का समयबद्ध डिस्पोजल करने के निर्देश दिये।

उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल, ई-फाईल डिस्पोजल में समय कम लगाने के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के संबंध में सभी अधिकारी अपने- अपने विभाग की भू आवंटन की प्रगति अपलोड करवायें। उन्होंने बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये। उन्होंने शीत लहर के मध्यनजर गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने, रैन बसेरों में उपर्युक्त व्यवस्थायें सुनिश्चित करने, खुले बोरवेल एवं ट्यूबवेलों को बंद कर सर्टिफिकेट लेने, सडक दुर्घटनायें कम करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने तथा राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में हुये एमओयू के संबंध में आ रही समस्याओं को संबंधित विभाग द्वारा निस्तारण करने, उन्होंने जेवीवीएनएल अधिशाषी अभियंता से जल जीवन मिशन तथा पीएचडी के बकाया कनेक्शन को विद्युत कनेक्शन शीघ्र उपलब्ध करवाने के लिये कहा, डीएसओ से एजेंसी तथा पैट्रोल पम्प के निरीक्षण कर रिपोर्ट कलक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने, मेडिकल विभाग द्वारा आभा आईडी, आयुष्मान आरोग्य शिविरों की प्रगति तथा सडक सुरक्षा माह के अंतर्गत प्रमुख स्थानों पर चालकों तथा परिचालकों की नेत्र जांच के शिविर आयोजित करवाने तथा जनता क्लिनिक का चयन करते समय मौजूदा चिकित्सा संस्थानों को दृष्टिगत रखते हुये उपर्युक्त स्थान का चयन करने के निर्देश दिये।

मासूम बालिका के परिजनों को कलेक्टर ने एक लाख की राशि का चेक सौंपा

खैरथल। खैरथल तिजारा जिला मुख्यालय खैरथल के पडोस के गांव किरवारी में अभी हाल ही में कुछ दिनों पहले एक मासूम 7 साल की बालिका के साथ हुई आवारा स्वानों के हमले से मृत्यु की हृदयविदारक घटना से पीडित

- मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत एक लाख की राशि का चेक प्रदान करने पीड़िता के घर पहुंचे जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत राशि का चेक प्रदान किया।

परिवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने घर पहुंचकर मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत एक लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि खैरथल शहर के निकट स्थित किरवारी गांव में आवारा स्वानों के हमले से 7 वर्षीय बालिका इकराना की दुखद मृत्यु हो गई। जिला कलेक्टर ने हृदयविदारक घटना पर शोक व्यक्त करते हुए बालिका परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीडादायक है, प्रशासन इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खडा है। उन्होंने परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे है।

युवा मित्रों को अटल प्रेरक में समायोजित करवाने की मांग

युवा मित्रों को अटल प्रेरक में समायोजित करवाने की मांग को लेकर युवा मित्र संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष विकास यादव के नेतृत्व में कलक्टर कल्पना अग्रवाल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

कोटपूतली। जिले के सभी युवा मित्रों ने जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल को युवा मित्रों को अटल प्रेरक में समायोजित करवाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में लिखा है कि पूर्व सरकार द्वारा लगाये गये 05 हजार युवा मित्रों को वर्तमान सरकार ने बेरोजगार कर दिया है।

72 दिनों तक शहीद स्मारक जयपुर में आंदोलन भी किया गया। इस

- पांच हजार युवा मित्र बेरोजगार हो गये है

दौरान दो साथी मानसिक तनाव के कारण अपनी जीवन लीला भी समाप्त कर चुके है। इसके बावजूद भी सरकार ने अभी तक किसी प्रकार का कोई निर्णय नहीं लिया है। प्रदेश के युवाओं के लिये राज्य सरकार ने 11500 अटल प्रेरक लगाने का निर्णय लिया है जो राज्य व केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। युवा मित्र संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष विकास यादव ने बताया कि यही कार्य युवा मित्र कर रहे थे। इसलिये अटल प्रेरक भर्ती में युवा मित्रों को समायोजित करते हुये 05 हजार बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवायें।

परिवाद अन्तर्गत धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019

परिवाद संख्या - 16/2020

श्रीमती शारदा सिंह बनाम भंडारी हॉस्पिटल व अन्य की डॉ. विमल कुमार गुप्ता (DM Gostroenterology) भंडारी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सैन्टर, जयपुर 138-ए वसुंधरा कालोनी गोपालपुरा बाईपास, टोंक रोड जयपुर-302018 आपको एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती शारदा सिंह पुत्र/पुत्री श्री मुकेश कुमार कैन निवासी 223/T नियर रिनमुक्तेश्वर मंदिर ओल्ड रेलवे कॉलोनी कोटा जंक्शन कोटा (राज.) ने इस जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष एवं परिवाद पेश किया है, जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है।

आपको एतद्द्वारा निर्देशित किया जाता है इस नोटिस की प्राप्ति के 30 दिवस के अन्दर अपना पक्ष प्रस्तुत करें एवं अपने बचाव में पेश करने वाले समस्त साक्ष्य एवं दस्तावेजों को पेश करें।

आपको पुन: सूचित किया जाता है कि प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28-1-25 को 10 बजे दिन में रखी गयी है। यदि आप स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होने में असफल रहे तो उपर्युक्त सुनवाई की तारीख पर परिवाद का एकपक्षीय निर्णय कर दिया जायेगा।

मोहर अदालत

लिपिक
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 02/2024
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम मनिता शर्मा पुत्री स्व.प्रहलाद कृष्ण शर्मा जाति ब्राह्मण
विवाद स्थान जयपुर
मृतक महाश्वेता शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 12.02.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम महाश्वेता शर्मा पत्नी स्व.एस.मोहन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी प्लाट नं.94/173, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 02 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 18 माह 12 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
एडमिनिस्ट्रेटर जनरल
राजस्थान जयपुर

नाम परिवर्तन

I, LEELAMMA GEORGE, wife of army no. 1169024A Ex Nk Late Purathum Muriyil Abraham Varghese, R/o 51/78, Mansarowar jaipur rajasthan, announces that my name and DOB incorrect in army records of my husband as LEELAMMA VARUGHESE, DOB as 20.04.1947. This name, DOB discarded, my correct name LEELAMMA GEORGE, DOB 16.10.1941.

Jyoti Shukla W/O No-15620611A Rank Hav(OPR), Rajesh Kumar Shukla 11 Guards, Pin-910911 C/O 56APO Have Change my Name From Jyoti to Jyoti Shukla, My Husband Service Records incorrect ,My Name Jyoti AndCorrect Name Jyoti Shukla Vide Affidavit No-GN037499, Date 04.01.2025

I army no JC451475A sub narpat singh S/O hanuman singh R/O plot 121 naryan residency Anand Vihar dadi ka phatak That have change my mother name from UCHHAB KANWAR (DOB 1/1/1950) is wrong entered in service record To UCHHAV KANWAR (DOB 1/1/1948) vide affidavit dated 3 jan 2025 before district notary Jaipur

मैंने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम 'विनीता सोनी' (Vinita Soni) से बदलकर 'लक्ष्मी सोनी पत्नी दिलीप सोनी' (Laxmi Soni) रख लिया है। पता : 19 शिल्प कॉलोनी, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-12, राजस्थान।

मेरा नाम (Gupta W/o Bhagwan Sahai Gupta) से बदलकर अपना नाम Meera Gupta W/o Bhagwan Sahai Gupta रख लिया है। भविष्य में मुझे Meera Gupta W/o Bhagwan Sahai Gupta के नाम से जाना जावे। पता- 34 A, बसंत विहार कालोनी, 80 फीट रोड़ वैशाली नगर (पश्चिम) पॉच्यावाला जयपुर।

मैंने मेरा नाम सरोज देवी जो कि मेरे पुत्र के शैक्षणिक दस्तावेजात में गलत अंकित हो गया। जबकि मेरा सही नाम श्रवणी देवी (SHRAWANI DEVI) पत्नी श्री पवन कुमार आयु 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 5 बाज्यावास दांतारामगढ़ जिला सीकर (राज.) है। अत: मुझे नये नाम श्रवणी देवी से जाना जावे।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण मंजू देवी व बाबूलाल जांगिड निवासीगण 111, राधकृष्ण विहार, गोकुलपुरा, झोटवाडा, जयपुर अपने पुत्र महेश जांगिड़ व अपनी पुत्रवधु संगिता जांगिड़ को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। ये दोनो मेरे अभिभाष्यगण के कहने-सुनने में नहीं है। इनके द्वारा किये गये समस्त कृत्यों एवं संव्यवहारो के जिम्मेदार यह स्वयं होगे। सूचित रहे।
दिनांक : 7-1-25 Satsh kharia, Advocate
मो. 9571950818

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मोहम्मद अनवार पुत्र मोहम्मद इकबाल, निवासी-2248, नीलगरों का नला, लाडली जी का खुरा, पुराना दिल्ली दरवाजा, जयपुर का पुत्र मोहम्मद अरसलान व उसकी पत्नि आलिया मेरे अभिभाष्य को आये दिन हैरान परेशान व लडाई झगडा करते है व मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है अत: उनके कृत्यों से परेशान होकर मेरे अभिभाष्य द्वारा अपने पुत्र व उसकी पत्नि को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से आज दिनांक 07.01.2025 को बेदखल कर दिया है। यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था इनसे लेनदेन, संव्यवहार करता है या कोई कोर्ट केस होता है तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी, इसमें मेरे अभिभाष्य का किसी प्रकार का कोई लेना-देना अथवा जिम्मेदारी नहीं होगी। अत: सूचित रहे।
दिनांक : 07.01.2025 (फिरोज हुसैन), एडवोकेट

खोया-पाया

FLAT No. 43/22/7, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल CONVEYANCE DEED & RPETUAL LEASE DEED, कहीं गुम हो गयी। मिलने पर सम्पर्क करे। आशा जैन - 9414391979

मकान नं. 9/77 विद्याधर नगर जयपुर के मूल आवंटन पत्र, रसीद व अन्य दस्तावेज जो हिम्मत सिंह चिड़ालिया के नाम थे। घर से सेंट्रल स्पाइन विद्याधर नगर के बीच गिर गए। मिलने पर सूचित करें। श्रीमती कांतादेवी नाटाणी - 9314272887

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक: जविप्रा / उपायुक्त जोन-01 / 2024 / डी-2324
सार्वजनिक सूचना दिं. 31.12.2024
आवेदक श्री गोविन्द राजन जेठानी पुत्र श्री महादेव लाल जेठानी द्वारा दी फोरेस्ट एवन्यू सहकारी समिति की अनुमोदित योजना अशोक विहार के भूखण्ड संख्या बी -18 क्षेत्रफल 163.88 वर्गगज का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया है। जविप्रा द्वारा भूखण्ड का पट्टा श्री बद्रीप्रसाद सांवरिया को दिनांक 14.09.2015 को दिया गया था। अपलोड रेकार्ड के अनुसार श्री बद्रीप्रसाद का दिनांक 23.10.2022 को मृत्यु होना दर्ज है तथा उनके पुत्र श्री सुरेष कुमार का देहान्ता दिनांक 11.02.2019 को होना दर्ज है। उनकी मृत्यु पष्चात उनके वारिसों मे से उनकी पत्नी, 2 पुत्रियां एवं एक पुत्र तथा उनके एक मृतक पुत्र की पत्नी एवं पुत्री तथा नाबालिग पुत्र की और से बतौर संरक्षिका माता द्वारा एक पंजीकृत विक्रय पत्र आवेदक के पक्ष में दिनांक 03.06.24 को निष्पादित किया गया। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था /हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा समय सीमा पश्चात आवेदक के पक्ष में कार्यवाही निष्पादित कर दी जावेगी। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। सूचित रहें।
उपायुक्त जोन 1, जविप्रा, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं अविनाश अग्रवाल पुत्र श्री मनोज कुमार गुप्ता उम्र 29 साल जाति महाजन नि. मोहन नगर, हिण्डौन सिटी, जिला करौली राजस्थान का रहने वाला हूं यह कि मेरे पिताजी का वास्तविक नाम मनोज कुमार गुप्ता जबकि अन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम गलती से मनोज अग्रवाल हो गया है जो कि गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम मनोज कुमार गुप्ता है भविष्य में मेरे पिताजी का नाम इसी नाम से जाना जावें।
हस्ताक्षर- अविनाश अग्रवाल

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज
क्रमांक:-एफ-56 () सि.ला.जो./ननिज/2024/3322
दिनांक:-07/01/2025
भूखण्ड संख्या 93, बड़ोदिया कच्ची बस्ती जयपुर का पट्टा जयपुर नगर निगम द्वारा शहरी जमाबन्दी के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के जिए भूमि का पट्टा श्री हरि नारायण शर्मा पुत्र श्री हरफुल के नाम से जारी किया गया था। जिसके पश्चात श्री हरि नारायण शर्मा द्वारा जरिये अपंजीकृत वसीयतनामा द्वारा श्री योगेश कुमार पतालिया को वसीयत की गयी उक्त वसीयतनामा के आधार पर उक्त भूखण्ड को नाम हस्तान्तरण श्री योगेश कुमार पतालिया पुत्र श्री हरि नारायण शर्मा के नाम से जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त नाम हस्तान्तरण के संबंध में आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में सात दिवस में आपत्ति पेश करे अन्यथा सात दिवस पश्चात उक्त भूखण्ड में नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त
सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज

प्रपत्र संख्या-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 422/2024
चूंकि प्रार्थी मेनका शर्मा पत्नी श्री उमेश शर्मा निवासी 130, परमहंस कॉलोनी, बंधु नगर, सीकर रोड विद्याधरनगर, जयपुर में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की बात 17 (1) के अन्तर्गत पितामह फाउण्डेशन कार्यालय पता 130. परमहंस फॉलोनी बन्धू नगर सीकर रोड़ विद्याधरनगर जयपुर में राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है। में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जायेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 27/12/24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 4/3/25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner), Bhusawar (Weir) Bharatpur (Rajasthan)-321406
No. : F.( )/Dean-COAB/2025/796 Dated :- 04/01/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Beds for Hostel are invited from interested bidders upto 11 AM, 15.01.2025. other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the state or **www.sknau.ac.in** University website.
NIB code SKN2425A0290 and UBN is SKN2425GSOB00293
Raj.Samwad/C/24/9933 DEAN

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
न्यू बस स्टेण्ड बहरोड़ शाखा, बीआरके प्लाजा, वार्ड नं. 15, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, न्यू बस स्टेण्ड, बहरोड़, अलवर राजस्थान 301701, ई-मेल: vjbehr@bankofbaroda.co.in

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।
आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जैसी है जहां है'', ''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है''** के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा,** प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**श्री कृष्ण कुमार शर्मा एवं सह-ऋणी श्रीमती भाग्यश्री पत्नी श्री कृष्ण कुमार शर्मा** बैंक के पास, दांतली, तहसील कोटपुतली, जिला जयपुर, राजस्थान 303107	श्री कृष्ण कुमार शर्मा के नाम साम्यिक बंधक आवासीय फ्लैट नं. सी-12 जो तीसरी मंजिल, 3 बीएचके, एल्डको ईडेन पार्क ग्रुप, आवासीय प्लॉट नं. 239, रीको नीमराणा, जिला अलवर, राजस्थान 301705 पर स्थित है, जिसका बिल्ड अप एरिया 1007.2 वर्ग फीट एवं कारपेट एरिया 1244 वर्ग फीट है। सीमाएं- पूर्व: फ्लैट नं 03, पश्चिम: बालकनी, उत्तर: प्रवेश द्वार एवं फ्लैट नं. 11, दक्षिण: फ्लैट नं. 12(ए) अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 27,80,381/- दिनांक 21.04.2024 को बकाया (दिनांक 21.04.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	13.02.2025 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 25,19,000/- / धरोहर राशि- रूपये 2,51,900/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	सांकेतिक	10.02.2025 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8905990410 पर संपर्क कर सकते है।
दिनांक: 04.01.2025
स्थान: अलवर
हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

संक्षिप्त

भंडारे का आयोजन आज

मनोहरपुर। बानसूर विधानसभा क्षेत्र के गाँव नागडीवास में फूटा जोहड़ा बालाजी महाराज की कृपा से और श्री रतन दास जी महाराज के सानिध्य में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी गौ माता का मेला और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है यह मेला गत तीन वर्षो से भरवाया जा रहा है इस मेले में कोटपुटली बानसूर क्षेत्र व दूर दूर से लोग आकर गौ माता के दर्शन और प्रसादी प्राप्त करते है इस आयोजन के लिए गौ सेवक समिति के अध्यक्ष और फूटा जोहड़ा मंदिर उत्तराधिकारी युवराज आचार्य बलराम दास जी गाँव गाँव जाकर जनता को आमंत्रित कर रहे है बताया गया की इस मेले में हजारों लोग भाग लेते है,मेले की तैयारी जोरों से चल रही है। राजगढ़ कस्बे के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में पोस्ट मॉडल एवं प्रोजेक्ट मेकिंग कार्यक्रम प्राचार्य डॉ के एल मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने कल का उत्कृष्ट नमूना प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कलात्मक एवं रचनात्मक कौशल विकसित करने के साथ जागरूकता प्रेरित करना रहा।

अतिक्रमण हटाया

बौंली-बामनवास। क्षेत्र के कोडियाई गांव में मंगलवार को स्टेट हाईवे 117 से पुलिस व प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करीब 1 किलोमीटर के दायरे से में हो रहे कच्चे व पक्के अतिक्रमणों को शांतिपूर्ण तरीके से हटा दिया। अतिक्रमण हटाने के दौरान बौंली थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता, तहसीलदार रामचंद्र मीणा, मित्रपुरा थाना प्रभारी यशपाल सिंह, नायब तहसीलदार बसंत शर्मा मय पुलिस बल एवं संसाधनों को लेकर मौके पर पहुंचे एवं कोडियाई गांव के स्टेट हाईवे 117 सड़क मार्ग से 1 किलोमीटर तक हो रहे कच्चे व पक्के निर्माणों को जेसीबी व अन्य संसाधनों की सहायता से हटाकर सड़क निर्माण की बाधा दूर कर दी। मित्रपुरा थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि अतिक्रमण हटाने का कार्य शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है।

भंडारा बुधवार को

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम नांगडीवास कसाणा की ढ्राणी स्थित देव महाराज की बनी में बुधवार 08 जनवरी को श्री बालाजी गौशाला का तृतीय वार्षिकोत्सव व देवनारायण महाराज का विशाल भण्डारा श्री श्री 108 रतन दास महाराज के सानिध्य में बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। बालाजी गौ समिति नागडीवास (फूटा जोहड़ा धाम) अध्यक्ष बलराम दास ने बताया कि बुधवार प्रातरू हवन एवं गौ पूजा का आयोजन होगा। जिसके बाद प्रातरू 10 बजे से नेहड़ा कार्यक्रम व प्रातरू 11 बजे से भण्डारा प्रसादी का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में गायक कलाकार इन्द्राज म्हासी, जयराम ठेकला, सुगन म्हासी, महेश लताला द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जायेगी।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन

कोटपूतली। कस्बे के बानसूर रोड स्थित श्री जयसिंह गौशाला में मंगलवार को नृसिंहदास अग्रवाल द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन करवाया गया। जिसमें सुनील कुमावत पार्टी द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ किया गया। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालूओं ने श्री सुंदरकांड का पाठ किया। जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। सुंदरकांड के पश्चात गौशाला में आर्थिक सहयोग भेंट करने पर नृसिंहदास अग्रवाल, रजत जिंदल, राजेश सवाईका का सम्मान किया गया। इस मौके पर मनोज अग्रवाल, हरिओम अग्रवाल, अध्यक्ष सुरेश पायोनियर, महामंत्री नंदलाल जोशी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बालास्या, मीडिया व सवामणि प्रभारी पार्षद मनोज गौड़, किशन शरण बंसल, महेश भट्टे वाले, मनोज सोनी, सुभाष प्रजापति समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे।

पौषबड़ा महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

निवाई/गुंसी। गांव गुंसी में सोमवार को बिजासनी माता के पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर पुजारी मनोज प्रजापत ने बताया कि गुंसी में बिजासनी माता के पोष बड़ा महोत्सव को लेकर बिजासनी माता की भव्य झांकी सजाई गई। इस अवसर पर बिजासनी माता के मंदिर को लाइट डेकोरेशन से सजाया गया। उन्होंने बताया कि पौष बड़ा कार्यक्रम के अवसर पर माता जी की महाआरती करके पौष बड़ों का भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन हुआ जिसमे हजारों श्रद्धालुओं में पंगत प्रसादी ली। श्रद्धालुओं ने माता जी के धोक लगाकर सुख समृद्धि की मंगल कामना की।

विधायक ने राजकीय शहरी क्लिनिक का फीता काटकर उद्घाटन किया

सिकराय, (निसं) विधायक विक्रम बंशीवाल मगंलवार को मानपुर चौराहे के सिकराय रोड पर शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजकीय शहरी क्लिनिक का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान विधायक का 51 किलो की फूलमाला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। शहरी क्लिनिक के उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ.भोलाराम गुर्जर व चिकित्साकर्मी सहित किलनिक उपचार के लिए लगाए चिकित्सक स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा कि शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजकीय शहरी क्लिनिक के खुलने से क्षेत्र लोगों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पडेगा लोगों को क्लिनिक पर एक चिकित्सक व दो नर्सिंगकर्मी एक फार्मासिस्ट व एएनएम उपस्थित मिलेंगे। जिनके द्वारा किलनिक पर आने वाले बीमार मरीजों की स्वास्थ्य की जांच के बाद नि: शुल्क दवा दी जायेगी व महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण भी किलनिक पर होगा।

उन्होंने ने क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए करोडों रुपयों का बजट व सौगातें दीं हैं। विकास के कार्यो का शिलान्यास के बाद निर्माण कार्य शुरू हो चुके हैं। उन्होंने ने कहा कि महाविद्यालय व करोडों रुपयों की सड़कें,220 केवी बालाजी में बिजली स्टेशन, पांचोली में 33 केवी बिजली सब स्टेशन, छात्रावास सहित कई विकास कार्यों के होने के बाद क्षेत्र में चहुंमुखी विकास कार्य में चार चांद लगेंगे। किलनिक के उद्घाटन के बाद सिकराय कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित मातृ शक्ति सम्मेलन कार्यक्रम में विधायक विक्रम बंशीवाल ने शिरकत की।

विधायक विक्रम बंशीवाल ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजकीय शहरी क्लिनिक का उद्घाटन किया।

- 51 किलों की फूलमाला पहनाकर विधायक का स्वागत किया
- सिकराय में आयोजित मातृ शक्ति सम्मेलन में शिरकत की

कार्यक्रम में विधायक का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विधानसभा संयोजक रामोतार कसाना,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष धारासिंह बासड़ा, मंडल अध्यक्ष दयाराम घूमना, बाबू लाल सैनी, रतन जोशी, सरपंच संघ अध्यक्ष विपिन मीना, पांचोली सरपंच गुलाब बैरवा, कमलेश ठीकरीया, राजेश गौड़, दिनेश सैहणा, रामभरोसी मीना, रविन्द्र बैरवा, सहित भाजपा कार्यकर्ता व ठाामीण मौजूद रहे।

अस्पताल की समस्याओं को लेकर मंत्री को पत्र लिखा

फुलेरा। कस्बे के उपजिला अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को लेकर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री को गजेन्द्र खींवसर को एक पत्र लिखा है। पत्र में बताया कि स्थानीय चिकित्सालय को उपजिला अस्पताल में क्रम्मोन्नत हुए करीब पौने दो वर्ष हो चुके है। लेकिन उपजिला अस्पताल स्तर की सुविधाओं का अभी भी अभाव है। जबकि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

साथ ही राज्य की भजन लाल सरकार भी स्वास्थ्य सेवाओं को संकल्पबद्धता के साथ नई ऊंचाईयाँ देने की बात कह रही है। वहीं पत्र में आगे बताया कि स्थानीय चिकित्सालय में चिकित्सकों एवं नर्सिंग कर्मियों के कई पद रिक्त चल रहे है। यदि उक्त पदो को उन्हें भरने से जनता को इसका समुचित लाभ मिल सकेगा। इसी क्रम में आगे बताया कि चिकित्सालय में ऑर्थोपेडिक सर्जन एवं जनरल सर्जन (एम.एस.) का पद रिक्त होने के कारण पीड़ित रोगी को जयपुर रेफर करने की बाध्यता बनी रहती है।

अत: जनता के हितों को ध्यान रखते हुए उक्त चिकित्सकों की नियुक्ति करवाने का आग्रह किया गया। इसके अलावा पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि यहां चिकित्सालय में सोनाग्राफी मशीन व डॉयलेसिस मशीन के आदेश हो गये है। परन्तु मशीनों के संचालन के लिए सोनोलॉजिस्ट तथा नेफरोलॉजिस्ट नहीं है। इसके चलते उक्त पदों पर भी नियुक्ति प्रदान के आदेश करने जारी करने का भी आग्रह किया। ताकि जनता को इसका भी समुचित लाभ मिल सके।

पौषबड़ा की हजारों ने पाई प्रसादी

कोटपूतली। कस्बे के नगरपरिषद पार्क के पास श्री साँवरिया सेठ गौ हितार्थ सेवा समिति द्वारा मंगलवार को पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने प्रसादी का वितरण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पौषबडा महोत्सव में हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान अध्यक्ष गुरुप्रसाद अग्रवाल, उपाध्यक्ष बंशी यादव, सचिव अनिल मंगल, कोषाध्यक्ष गोविन्द बिदाणी, सह सचिव अमित सोनी, सूर्यकान्त बिदाणी, प्रदीप सैनी, मनोज, विजय बिजवाडिया, सुरेश चौधरी, संजय अग्रवाल, संजय बंसल, अशोक गोयल, विनोद लखेरा, रामबिलास सैनी, हेमन्त सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

- लोगों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया

पौषबड़ा महोत्सव के दौरान बांटी प्रसादी।

अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों व जनसंगठनों के साथ हुई समन्वय बैठक

जनसंगठनों की समन्वय बैठक में चर्चा करते हुए अधिकारी व जनप्रतिनिधि।

निवाई। सिकोईडिकोन एवं किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में शिवमंगल पैराडाइज में सरकारी अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं जनसंगठनों के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निवाई ब्लॉक के विभिन्न विभागों से सरकारी अधिकारी, पंचायत जन-प्रतिनिधियों व जन संगठनों के सदस्यों ने भागीदारी निभाई।

शाखा प्रभारी अनीता शर्मा ने बैठक का उद्देश्य बताते हुए बताया कि बैठक के माध्यम से सरकारी योजनाओं, पंचायत के नवाचार व स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्यवक्ता थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने सडक़ सुरक्षा, नशाबंदी एवं साइबर सुरक्षा के प्रति पुलिस प्रशासन के प्रयासों की जानकारी दी। महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग से अनुजा ने महिलाओं व बालिकाओं के पोषण व स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

मंडी सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने जैविक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को परंपरागत तरीके से खेती करने हेतु प्रेरित किया। संस्था निदेशक आलोक व्यास ने सरकारी विभाग एवं जन संगठनों के आपसी समन्वय को बेहतर बनाते हुए साथ में मिलकर काम करने एवं अपने मुद्दों को समस्याओं को पहचान कर उन पर काम करने की जानकारी दी।

पशु चिकित्सा अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने पशु बीमा, ब्लॉक बीसीएमएचओ शैलेंद्रसिंह चौधरी ने स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं, शिक्षा विभाग से ओमप्रकाश गौतम व रमेश विजय ने शिक्षा में नवाचार एवं बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं राहोली से प्रधानाचार्य योगेश नरूका, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र से सुनीता शर्मा ने महिला हिंसा से संबंधित व महिला साल सुरक्षा केंद्र की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा की। बैठक में सरपंच देवालाल गुर्जर, भवानी सिंह, शीला मीना, आशा जाट, संस्था कार्यकर्ता अर्जुनदेव, केदारमल बैरवा, ममता शर्मा व सोनू चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक

टोंक। गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर मालपुरा विनोद कुमार मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीएम ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस की तैयारियों को गंभीरता से लेते हुए सभी व्यवस्थाएं नियत समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने जिला स्तरीय मुख्य समारोह में बैठने की व्यवस्था, पारितोषिक वितरण, योगाभ्यास, सरकारी कार्यालयों पर रोशनी, सांस्कृतिक झलकियां, सफाई एवं यातायात व्यवस्था इत्यादि पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

एडीएम ने बताया कि गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों के तहत कृषि ऑडिटोरियम में 24 जनवरी को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। 26 जनवरी को प्रात: 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण पुलिस परेड ग्राउंड टोंक में होगा। इसके बाद सलामी एवं राष्ट्र धुन, परेड निरीक्षण, मार्च पास्ट, राज्यपाल का संदेश पठन, वीरांगनाओं का सम्मान, सांस्कृतिक झलकियां, विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की झांकियां, पारितोषिक वितरण, योगा ड्रिल, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दोपहर बाद क्रिकेट मैच खेला जाएगा।

बैठक में सीईओ परशुराम धानका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सिंह भाटी, उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटूलाल बैरवा, एडीईओ हीरालाल जाट, जिला रसद अधिकारी ओमप्रकाश जोतड, कवि प्रदीप पंवार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

अलवर भाजपा के 18 मंडल अध्यक्ष घोषित

अलवर। भाजपा अलवर दक्षिण के 30 में से 18 मंडल अध्यक्ष घोषित कर दिए गए हैं। 12 को होल्ड रखा गया है। अब जल्द ही अलवर के दोनों जिलाध्यक्ष बदल जाएंगे। यह बात मंगलवार को अलवर आए संगठन चुनाव के प्रभारी व पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर ने बीजेपी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को कही।

कालूलाल गुर्जर ने कहा- अलवर दक्षिण जिले में कुल 30 मंडल हैं, जिनमें से 18 का चयन कर लिया। केवल 3 रिपीट किए गए हैं। बाकी सभी को बदल दिया है। मंडल अध्यक्ष के साथ एक मंडल प्रतिनिधि भी बनाया गया है। मंडल अध्यक्षों का चयन निष्पक्ष तरीके से कार्यकर्ताओं की सहमति से किया गया है। यह सही है कि कई जगहों पर मंडल अध्यक्षों के चयन से पहले संबंधित की उम्र सहित कई ऑब्जेक्शन आए हैं। उन पर जांच की जाएगी। उसके बाद शेष मंडल अध्यक्ष भी घोषित कर दिए जाएंगे।

कालूलाल गुर्जर ने कहा- अधिकतर मंडल अध्यक्ष बन गए हैं। जल्द आगे पार्टी जिलाध्यक्ष बनेंगे। अलवर जिले में दो जिलाध्यक्ष हैं। अगर क्राइट एरिया में आ रहे हैं तो दोनों बदले जाएंगे। भले ही कार्यकाल पूरा हो या नहीं। इससे पहले यह कयास लगाए जा रहे थे कि जिलाध्यक्ष को चुने हुए केवल दो साल ही हुए हैं। आम तौर पर पार्टी में जिलाध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल होता है। वैसे भी विधानसभा चुनाव से पहले यही जिलाध्यक्ष थे।

अलवर भाजपा के 30 में से 18 मंडल अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र दिए।

इधर भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि नव नियुक्त मंडल प्रतिनिधि सूची में विधानसभा अलवर से श्रीषिवाजी मंडल के हरीष अरोडा,श्रीकेषव मंडल के राजेन्द्र कुमार सैनी विधानसभा अलवर,डहरा शाहपुर मंडल के हरिओम गुप्ता अलवर ठाामीण, बहादरपुर मंडल से सत्यवीर यादव अलवर ठाामीण,अकबरपुर उमरेण मंडल से सुरेन्द्र यादव अलवर ठाामीण, एमआईए गूंदपुर मंडल के हरि सिंह अलवर ठाामीण विधानसभा,पिनान मंडल के भजन लाल सैनी विधानसभा राजगढ-लक्ष्मणगढ,रेणी मंडल के बादल सैन विधानसभा राजगढ-लक्ष्मणगढ, लक्ष्मणगढ मंडल के प्रदीप जैन विधानसभा राजगढ-लक्ष्मणगढ, गोविन्दगढ मंडल के हरि सिंह सौलंकी विधानसभा रामगढ,बडोदामेव मंडल के गोपाल चौधरी विधानसभा रामगढ, खेरली मंडल के सुनील गोयल विधानसभा कठूबर, खुडियाना मंडल के नरेन्द्र शर्मा को,खोह मंडल के भीमसिंह गुर्जर विधानसभा कठूबर, प्रतापगढ मंडल के भैरू सहाय गुर्जर टहला मंडल के रतन गोड,राजपुर धमरेड मंडल के हरिओम यादव,और थानागाजी मंडल के अषोक चौहान को मडंल प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

वही भाजपा के 18 मंडल अध्यक्ष इस प्रकार है अलवर शहर विधान सभा के श्री षिवाजी मंडल अध्यक्ष पद पर सतीष यादव, केषव मंडल के लिए महेष निहालवानी, अलवर ठाामीण विधानसभा के डहरा शाहपुर मंडल के नरेन्द्र यादव, बहादरपुर मंडल के प्रमोद शर्मा, अकबरपुर उमरेण से सतीष पटेल, एमआईए गूंदपुर से सुबे सिंह चौधरी, राजगढ-लक्ष्मणगढ विधानसभा के पिनान मंडल के भाग्यषाली सैनी,रैणी मंडल राजेष कुमार मीणा, लक्ष्मणगढ मंउ से संजीव कटरा, रामगढ विधान सभा के गोविन्दगढ मंडल के योगेन्द्र कुमार शर्मा,बडोदामेव मंडल के मगन लाल, कठूबर विधानसभा के खेरली मंडल के शीलेन्द्र चौहान, खुडियाना मंडल के सियाराम पटेल, खोह मंडल से विक्रम कुमार शर्मा वही थानागाजी विधानसभा के प्रतापगढ मंडल से विश्राम गुर्जर, टहला मंडल से गिर्राज प्रसाद, राजपुर धमरेड से बृज मोहन योगी और थानागाजी मंडल से गोविंद राम कुमावत को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अवैध बजरी खनन का आरोपी पकड़ा

बौंली-बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे फरार व वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत बौंली पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के 1 मई 2024 को दर्ज प्रकरण में आरोपी मुरलीराम गुर्जर उम्र 31 वर्ष निवासी राठौद को प्रतापनगर जयपुर से गिरफ्तार किया है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम में टीम प्रभारी धर्मपाल उप निरीक्षक की टीम ने खनिज विभाग के कार्य निदेशक रमेश चंद्र बावरी की प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए 1मई 2024 को खनिज विभाग के एएमई धर्मसिंह मीणा, राजस्व व पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई के दौरान ठाम राठौद की बनास नदी पेटे के खसरा नंबर 1020 व 1021 गैर मुमकिन नदी पर पहुंच कर मौका देखा तो पाया गया कि उक्त खसरा नंबर पर ठाम राठौद के मुरली राम गुर्जर, तुलसीराम गुर्जर व विकास गुर्जर एवं निवाई के सुरेश डोई ने मिलकर गहरा पिट खोज कर विभिन्न साधनों से बजरी का अवैध खनन, निर्गमन व परिवहन करके खनिज विभाग को राजस्व का नुकसान किया।

सार-समाचार

सांभर में उर्स का आगाज

सांभरझील। अजमेर ख्वाजा साहब के सगे लाडले पोते ख्वाजा हुसामुद्दीन चिश्ती जिगर सोख्ता रहमतुल्ला अलेह की दरगाह पर अजमेर उर्स से ही लगातार जायरिनों का तांता लगा हुआ है। पुरानी धान मंडी स्थित दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ ही 706 वां सालाना उर्स का आगाज हुआ। शफात खान ने विधिवत झंडे की रस्म अदा की। झंडे का जुलूस गाजे बाजे के साथ शहर के मुख्य मार्ग से निकाला गया। दरगाह शरीफ पहुंच कर जुलूस झंडे की रस्म में शामिल हुआ। उर्स 12 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा। झंडे की रस्म के दौरान मुस्लिम समुदाय के तमाम मौजीज लोग, अंजुमन हुसैनिया इस्लामिया दरगाह कमेटी के ओहदेदारान, अनेक जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

श्रद्धालुओं ने पाई पंगत प्रसादी

निवाई। कंकाली माता मन्दिर में पौष मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी को पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर में अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मन्दिर अध्यक्ष शंकरलाल सोनी ने बताया कि मंगलवार अष्टमी पर सुबह माता जी की पूजा अर्चना कर विशेष पोशाक पहनाकर गुलाब के फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। पौष बड़ा महोत्सव को लेकर दोपहर में अम्बिका मण्डल द्वारा माता रानी का भजन संकीर्तन किया गया। मण्डल की निशा सोनी, दीपिका सोनी ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, मैया की चुन्दरी है लाल लाल, वहीं निशा नामा, हेमा विजय, निधी, बबीता ने रिगंस का भैरूं लाडला, गुलाब गजरो से सजी है मेरी मां, माताजी के मन्दिर में भरतार नाचूंगी सहित माता रानी के दरबार में महिलाओं द्वारा माता को नृत्य कर के रिझाया गया। दिन में माताजी के दाल के बड़ों, हलवा, खीर, मालपुआ और बर्फ़ का भोग लगाकर महाआरती की गई । तत्पश्चात भक्तों को पंगत प्रसादी करवाई गई। इस अवसर पर पुजारी नारायणदास, सुभाष गिन्दोडी, रमाकांत शर्मा, राजेश भट्ट, ओम गहलोत, मनीष सोनी, पवन जैन, मन्नू नामा, श्याम मोदी, पवन साहू, मनू नामा, बनवारी पण्डा, धनराज स्वामी व डॉ. अखिलेश विजय सहित श्रद्वालु कई श्रद्धालु मौजूद थे। इसी प्रकार इन्दिरा कॅलोनी में स्थित श्याम मन्दिर में गुरुवार को भव्य पौष बडा महोत्सव का आयोजन होगा। रवि अठावाल ने बताया पौषबडा महोत्सव के उपलक्ष्य में मन्दिर प्रांगण में सायं 3 से 4 बजे तक हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। हरिनाम संकीर्तन के बाद महाआरती कर बाबा श्याम के पौष बडा का भोग लगाकर भक्तों को प्रसादी वितरित की जाएगी।

रखरखाव की दी जिम्मेवारी

चाकसू। पालिका क्षेत्र के कुल 13 मूत्रालयों / शौचालयों को रखरखाव का जिम्मेवारी सुलभ इन्टरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाईजेशन जयपुर को टेक ऑवर हेण्ड ऑवर कर दिया गया है। पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ.बनवारी लाल मीणा ने बताया कि गत दिनों नगर पालिका चाकसू क्षेत्र में स्थित मूत्रालयों / शौचालयों के रखरखाव के कार्य हेतु मैसर्स सुलभ इन्टरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाईजेशन जयपुर को पालिका द्वारा कार्यादेश जारी कर दिया गया था तथा पालिका क्षेत्र के कुल 13 मूत्रालयों / शौचालयों को रखरखाव हेतु मंगलवार को कन्ट्रोलर सुलभ इन्टरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाईजेशन जयपुर को टेक ऑवर हेण्ड ऑवर कर दिया गया है। क्षेत्र में स्थित मूत्रालयों / शौचालयों में से क्रमश: गोदाम के पास स्थित मूत्रालय, किशोर सुनार के पास स्थित मूत्रालय, तहसील के पास स्थित मूत्रालय, गोलीराव पानी की टंकी के पास स्थित मूत्रालय, कोटखावदा मोड के पास अन्नपूर्णा रसोई के पास स्थित मूत्रालय, नीलकण्ठ पुलिया के पास स्थित मूत्रालय, नगर पालिका के सामने स्थित मूत्रालय, भैरूजी मन्दिर के पास स्थित मूत्रालय, सरकारी अस्पताल मामोडिया मोड के पास स्थित मूत्रालय, सब्जी मंडी गाँधी स्मारक के पास स्थित मूत्रालय, चम्पेश्वर मन्दिर डाक बंगला रोड के पास स्थित मूत्रालय, सिचाई भवन के पास स्थित मूत्रालय व दरगाह के पास सामुदायिक शौचालय कुल 13 मूत्रालयों / शौचालयों का हेण्ड ऑवर टेक ऑवर कर दिया गया है शेष सार्वजनिक शौचालयों का शीघ्र हेण्ड ऑवर टेक ऑवर कर कार्य प्रारम्भ करवा दिया जावेगा।

सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

चाकसू। मंगलवार से राजकीय महाविद्यालय चाकसू में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 7 दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ, सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 07जनवरी 2025 से 13जनवरी 2025 तक किया जाएगा। कार्यक्रम की विधिवत् शुरुआत कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं प्राचार्य डॉ सुनीता मीना एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका चौहान ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्राचार्य सुनीता मीना ने अपने उद्बोधन में एनएसएस के इतिहास एवं शिविर के महत्व पर प्रकाश डाला व स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयंसेवकों को बताया कि शिविर का उद्देश्य न केवल छात्रों को समाज की सेवा में जुटाना है बल्कि उन्हें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी कार्य करने के लिए प्रेरित करना है । डॉ उर्मिला मीना ने स्वयंसेवकों में सामाजिक उत्तरदायित्व , श्रम का महत्व व स्वयं प्रेरित अनुशासन को विकसित करने पर ज़ोर दिया । उद्घाटन सत्र में 50 वॉलिंटियर्स के अलावा अन्य विद्यार्थी समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी ने इन सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुएं उनकी अक्षरश: पालना पर भी जोर दिया गया।

कमल शर्मा ने की मंत्री से मुलाकात

मनोहरपुर। पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत से मिले भाजपा युवा नेता शिवम् कमल शर्मा ने शाहपुरा विधानसभा के विकास कार्यों एवं देवस्थान विभाग व शाहपुरा विधानसभा मे संचालित गौशाला विकास कार्यों को लेकर सार्थक चर्चा की। शिवम् कमल ने मंत्री जोराराम से शाहपुरा विधानसभा के अंतर्गत हाइवे पर होने वाली दुर्घटनाओं मे घायल पशुओं के लिए पशु एम्बुलेंस, देवस्थान विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिर कार्यो एवं पशु चिकित्सालय निर्माण कार्य, गौशाला विकास कार्यों को लेकर बातचीत करी। आगामी बजट मे शाहपुरा विधानसभा के लिए उचित मांगो पर आश्वासन लिया। इस दौरान उनके साथ युवा मोर्चा के अभिषेक शर्मा, तुषार कुमार, महावीर प्रजापति मोहित बिडावत कमलेश कुम्हार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उप सरपंच के मकान के बाहर किचड

पीपलू। उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सन्देङा के तेजाजी महाराज मन्दिर रोड पर काफी अरसे से रास्ते मे किचड भरा हुआ है। इस रास्ते पर ठाम पंचायत के उप सरपंच का मकान है। उसके मकान के बाहर ही किचड होने कारण राहगीरों व वाहनो का निकलना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब पांच वर्ष से सीसी रोड के दोनों और नालियो की सफाई नही हुई है। इस कारण घरो से निकलने वाला पानी रोड पर जमा रहता है। इससे रास्ते मे कई जगह आधा फुट तक सीसी रोड पर कीचड हो गया है। सीसी रोड पर लगातार पानी जमा रहने से कई जगह गड्ढे हो गए है। इससे राहगीर बड़ी मुश्किल से निकल पाते है। रात के समय ठाामीणों का कीचड मे होकर निकलना टेढी खीर साबित होता है। लोगो ने कई बार ठाम पंचायत को भी अवगत करवाया। लेकिन नालियो की सफाई आज तक नही हुई।

स्वयंसेवकों ने की साफ-सफाई

निवाई। राजकीय महाविद्यालय निवाई में एनएसएस की इकाई के तत्वावधान में सात दिवसीय शिविर के छठे दिन योगाभ्यास के साथ हुआ। प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई करके पौधों को पानी दिया एवं पौधों की सर्दी से सुरक्षा के उपाय किए। बौद्धिक सत्र में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की कार्यकर्ता अनुपमा तिवाड़ी ने एनएसएस स्वयंसेवकों को लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर सामूहिक चर्चा कर संपूर्ण जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के आंतरिक परिसर में रंग रोगन का कार्य किया। नशा मुक्ति पर स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुमन ने स्वयंसेवकों के माई भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाएं एवं उनको एनएसएस वॉलेन्टिर भी किया।

सटीकता, गति और जुनून...दुनिया से टकराने के लिए पूरी तरह तैयार! शमी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। **- मोहम्मद शमी**

भारतीय तेज गेंदबाज, अपनी फिटनेस के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **यशस्वी जायसवाल**

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कम समय में क्रिकेट जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने घरेलू सरजमीं पर और विदेश में बल्ले से बखूबी छाप छोड़ी है। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में प्रभावित किया, जहां वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर रहे। यशस्वी ने जुलाई 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अभी तक टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं, हालांकि, स्टार ओपनर की आने वाले कुछ दिनों में किस्मत चमक सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

बुमराह प्लेयर ऑफ द मंथ बन सकते हैं, कमिंस और पैटरसन भी रेस में

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जसप्रीत बुमराह दिसंबर की परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीत सकते हैं। आईसीसी ने उनके साथ साउथ अफ्रीका के गेंदबाज डैन पैटरसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी नॉमिनेट किया है। विमेंस क्रिकेटर में भारत की स्मृति मंधाना भी रेस में हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और साउथ अफ्रीका की एन मलाबा भी नॉमिनेट हुई हैं।

बुमराह ने 3 मैच में 22 विकेट लिए जसप्रीत बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट खेले। इनमें उन्होंने 22 विकेट अपने नाम किए। मेलबर्न और ब्रिस्बेन में तो उन्होंने 18 विकेट लिए। एडिलेड में वह 4 ही विकेट ले सके, क्योंकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 2 ही ओवर बैटिंग कर मैच जीत लिया था।

पैटरसन ने 13, कमिंस ने 17 विकेट लिए प्लेयर ऑफ द मंथ की रेस में साउथ अफ्रीका के डैन पैटरसन भी शामिल हैं। उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ 2 ही टेस्ट में 13 विकेट झटक लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ 3 टेस्ट में 17 विकेट लिए। तीनों प्लेयर्स में बुमराह की परफॉर्मेंस बेहतर रही, इसलिए वह इस अवॉर्ड को जीत सकते हैं। मंधाना ने 463 रन बनाए भारत की ओपनिंग बैटर स्मृति मंधाना ने दिसंबर में 9 मैच खेले और 463 रन बना दिए।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक भी लगाया। उन्होंने फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 5 मैचों में 50 स्कोर बनाए। उन्होंने वनडे में 270 और टी-20 में 193 रन बनाए।

एलियन के ताने से अर्जुन पुरस्कार तक का सफर

तुलसीमति ने पिता को समर्पित किया पुरस्कार

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जन्मजात विकृति और गहरे रंग के कारण सहपाठियों से 'एलियन' का ताना सुनने वाली भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी तुलसीमति मुरुगेसन ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अर्जुन पुरस्कारों की सूची में जगह बनाकर बचपन की अपनी कड़वीं यादों को पीछे छोड़ दिया है। इस 22 साल की लड़की की कहानी अथक दृढ़ता की है जो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले अपने पिता डी. मुरुगेसन के अटूट समर्थन से प्रेरित है। उनके पिता ने समाज के विरोध के बावजूद अपनी बेटियों(तुलसीमति और किरुट्टीघा) को खेलों में आगे बढ़ना जारी रखा।

तुलसीमति ने 'पीटीआई' से कहा, ''उन्होंने हमें कभी भी अपने संघर्षों को देखने नहीं दिया। वह नहीं चाहते थे कि हमें पता चले कि उन्होंने हमारे सपनों को साकार करने के लिए कितनी मेहनत की या कितना बलिदान दिया। यही कारण है कि हर पदक, हर पुरस्कार जो मैं जीतती हूं, वह उनका है।'' उन्होंने कहा, '' रिश्तेदार और पड़ोसी मेरे पिता से कहते थे कि हमें खेल के मैदान पर क्यों ले जा रहे हैं। वे लड़कियां हैं और वे शादी कर के चली जायेंगी।''

डी.मुरुगेसन पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने अपनी बेटियों को हॉकी, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया। तुलसीमति और उनकी बहन को हालांकि बैडमिंटन सबसे चुनौतीपूर्ण लगा इसलिए उनके पिता ने इस खेल को चुनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''जब हमने कहा कि यह कठिन है, तो मेरे पिता ने कहा कि 'यही खेल तुम्हारा पेशा होगा'। और फिर उस फैसले ने हमारी जिंदगी बदल दी।''

परिवार की मुश्किल वित्तीय स्थिति के बीच भी मुरुगेसन ने अपनी बेटियों के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान छोटे टूर्नामेंटों से मिलने वाली इनामी राशियों का इस्तेमाल उन्होंने खेल से जुड़े उपकरण खरीदने में किया। अपने बचपन के बारे में पूछे जाने पर तुलसीमति ने कहा, '' मैंने कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है। मेरे सहपाठी मेरी दिव्यांगता के कारण मुझे चिढाते थे। वे मेरे रंग, मेरे हाथ और मेरी पृष्ठभूमि के कारण मुझे 'एलियन' कहते थे।''

उन्होंने कहा, ''मैंने एक बार जिला स्तर के एक छोटे टूर्नामेंट में भाग लिया था और जब जीत कर लौटी तो कुछ सहपाठी मुझ से बात करने आये। उसी समय मैंने अपनी कड़वी यादों को पीछे छोड़ने के लिए जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना के बारे में सोचा।'' 'मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' के कारण तुलसीमति का बायां हाथ काम नहीं करता था लेकिन 2022 में एक सड़क दुर्घटना ने उनके इस हाथ को पूरी तरह से खराब कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों को एसए-20 में खेलने की स्वीकृति देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं लेकिन यह तभी संभव हो पाया जब उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

अभी तक भारत से बाहर की प्रतियोगिताओं में खेलने का एकमात्र तरीका स्वदेश में अपने करियर को विराम देना है। डिविलियर्स ने नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए20 के तीसरे सत्र से पूर्व चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए कहा, '' मैं और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल होते देखना पसंद करूंगा। हम जानते हैं कि दिनेश कार्तिक इस साल यहां होंगे जो शानदार है और यह टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''और उम्मीद है कि बीसीसीआई भविष्य में और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में शामिल होने की अनुमति देगा।''

डिविलियर्स अच्छी तरह से जानते हैं कि बीसीसीआई निकट भविष्य में सक्रिय भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग के लिए उपलब्ध नहीं कराने जा रहा है। उनका मानना है कि किसी लीग को प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखने का एकमात्र तरीका सर्वश्रेष्ठ विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करना है जैसा कि आईपीएल ने पिछले कुछ वर्षों में किया है।

पाकिस्तान पर दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

केपटाउन, 7 जनवरी। पाकिस्तान पर न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गये दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान को निर्धारित समय से पांच ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार पाकिस्तान के खाते से पांच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काटे गये हैं। यह जुर्माना खिलाडियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। नियमों के अनुसार खिलाडियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

विमेंस प्रीमियर लीग लखनऊ और बड़ौदा में होगा

नई दिल्ली, 7 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए ने 2 वेन्यू फाइनल कर लिए हैं। बड़ौदा और लखनऊ में 5 टीमों के बीच सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच होंगे, जिनमें क्वालिफायर और फाइनल भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट का ऑफशियल शेड्यूल रिलीज होना बाकी है। हालांकि, बोर्ड ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उनके ग्राउंड पर मैच कराने की जानकारी दे दी है। शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कुछ ही दिनों में हो जाएगा है। बड़ौदा में विमेंस इंटरनेशनल मैच हुआ था बड़ौदा में कोटाम्बी स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने ही हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच खेला गया था। यहां 3 वनडे हुए थे। इस स्टेडियम में सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट और रणजी ट्रॉफी के मैच भी हो चुके हैं। स्टेडियम में फ्लड लाइट्स लग चुके हैं। 9 जनवरी से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैच यहां होंगे, इसमें इन लाइट्स की टेस्टिंग भी हो जाएगी।

23 मैच होंगे के शुरुआती 2 सीजन में 5 टीमों के बीच 23-23 मैच खेले गए थे। इस बार भी 23 मैच ही होंगे, जिसके लिए लखनऊ का इकाना स्टेडियम पहला ऑप्शन है। जहां फर्स्ट फेज के 10 या 11 मैच खेले जाएंगे। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 8 या 9 मार्च को हो सकता है। जिसके बाद 14 मार्च से ही भी शुरू हो जाएगा। का पहला सीजन मुंबई में ही हुआ था। जबकि दूसरे सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली को वेन्यू बनाया गया था। बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं मुंबई ने पहले सीजन का खिताब जीता था। दोनों फाइनल में दिल्ली को ही हार मिली।

पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैम्पियनशिप आज से जयपुर में

जयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की मेजबानी में छठी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप 8 से 11 जनवरी तक यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में छह टीमें हिस्सा लेंगी। आई जी एल के मानव संसाधन विभागाध्यक्ष शिवनेन्द्र कुमार ने मंगलवार को यहां बताया कि चैंपियनशिप के दौरान पुरुष, महिला और वेटरन कैटेगरी में व्यक्तिगत और टीम चैंपियनशिप के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। शिवनेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में मेजबान इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ भारत पेट्रोलियम, आयल इंडिया, एनआरएल असम, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमि. और ओनएनजीसी की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि बुधवार को उद्घाटन समारोह में आईजीएल के डायरेक्टर (कॉमर्शियल) मोहित भाटिया मुख्य अतिथि होंगे, जबकि बीपीसीएल के डायरेक्टर (एचआर) राजकुमार दुबे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के एडवाइजर ललित कुमार वत्स विशिष्ट अतिथि होंगे।

राजस्थान के दीवांश सिंह बने राष्ट्रीय चैम्पियन, राजस्थान ने जीते दो पदक

जयपुर, 7 जनवरी। 41वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। आज कंपाउंड इवेंट के फाइनल मुकाबलों में प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। व्यक्तिगत मुकाबले में राजस्थान के दीवांश सिंह ने महाराष्ट्र के मानव यादव को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि स्वर्ण पदक जीतने वाले दीवांश सिंह ने अपनी सटीक निशानेबाजी और आत्मविश्वास से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। इसके अलावा कंपाउंड पुरुष वर्ग की टीम ने कांस्य पदक हासिल कर राजस्थान का नाम रोशन किया।

मेडल सेरेमनी के मुख्य अतिथि अर्जुन अवार्ड और ओलंपियन डोला बनर्जी ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में बनर्जी ने कहा कि राजस्थान में ऐसे आयोजनों से नई प्रतिभाएं उभर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय तीरंदाजी में राजस्थान के तीरंदाजों का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आयोजन समिति से जुड़े अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला चरण इंडियन राउंड के मुकाबलों के साथ कल से शुरू होगा।

इन मुकाबलों में भी रोमांचक प्रदर्शन की उम्मीद है। व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट (पुरुष): स्वर्ण पदक: दीवांश सिंह (राजस्थान), दीवान सिंह ने कड़े मुकाबले में महाराष्ट्र के मानव जादव को मात्र एक अंक से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया यह मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना गया था। दीवान सिंह ने खेलते हुए 150 में से 149 अंक बनाए तो वही महाराष्ट्र के मानव जादव ने 150 में से 146 अंक बनाकर सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा।

कंपाउंड पुरुष टीम इवेंट: कांस्य पदक: राजस्थान, यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए तीरंदाजी के क्षेत्र में प्रेरणादायक साबित हो रहा है। राजस्थान तीरंदाजी संघ के प्रयासों से राज्य में तीरंदाजी का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है।

रोहित-कोहली का टेस्ट फ्यूटर सिलेक्टर्स पर: गावस्कर

नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है की रोहित शर्मा और विराट कोहली का क्रिकेटिंग भविष्य अब सिलेक्टर्स के हाथों में हैं। पिछले छह महीनों से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे दोनों बल्लेबाजों की वजह से टीम के प्रदर्शन में कमी आई है। न्यूजीलैंड से घर पर क्लीन स्वीप और 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद विराट और रोहित के टेस्ट फ्यूचर पर सवाल उठ रहे हैं। 6 महीने से बल्लेबाजी फ्लॉप गावस्कर ने कहा, भारत (वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया है। टीम को उन कारणों पर विचार करना होगा कि ऐसा क्यों हुआ, जिससे हमारी बल्लेबाजी खराब रही। न हम खुद बनाए गए स्पिनिंग ट्रैक पर खेल पाए और न ही बाउंसी ट्रैक पर अच्छा परफॉर्म कर पाए।

बैटिंग यूनिट के दो मुख्य बल्लेबाज रोहित और कोहली टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुए। में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। जबकि रोहित से 5 पारियों में मात्र 31 रन बन सके। भारतीय टीम सीरीज की 9 इनिंग में 6 बार 200 का आंकड़ा पार न कर सकी।

पूर्व कप्तान ने कहा, पिछले छह महीनों में बल्लेबाजी खराब रही और यही मुख्य कारण था कि हम मैच हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे। इसलिए, यदि 2027 के फाइनल में हमें पहुंचना है तो जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में सिलेक्टर्स को तय करना होगा कि टीम कैसी बनानी है। 75 वर्षीय ने कहा, डोमेस्टिक सर्किट में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मौका देने का समय आ गया है। नीतीश के सिलेक्शन पर तारीफ गावस्कर ने नीतीश कुमार रेड्डी जैसे टैलेंटेड खिलाड़ी के चयन के लिए सिलेक्टर्स की सराहना की। में इस बार भारत के तरफ तीन शतक लगे थे। नीतीश के अलावा यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतक लगाया था।

7 से 13 तक आयोजित सीनियर नेशनल वालीबॉल चैम्पियनशिप का उद्घाटन

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद और वॉलीबॉल फेडरेशन आफ़ इंडिया की एडहॉक कमेटी द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा एक शानदार समारोह में उद्घाटन किया गया। चैम्पियनशिप के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की और सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर सहित कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना अनिवार्य है और राजस्थान में इस तरह के आयोजन करवाए जाने चाहिए ताकि खिलाडियों को बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिल सके। राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि पिछले पाँच वर्षों में वॉलीबॉल का कोई आयोजन नहीं हुआ है इसका मतलब यह है कि खिलाड़ियों की एक पीढ़ी आगे बढ़ने से वंचित रह गई।

उन्होंने दोहराया कि ऐड हॉक कमेटी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेलों में कोई व्यवधान ना आने पाए और खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएं। आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार इंडोर और आउटडोर कोर्ट में हो रही इस चैंपियनशिप में लगभग 62 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 34 पुरुष टीमें और 28 महिला टीमें हैं और खिलाड़ियों और अधिकारियों समेत लगभग 1200 खेल से जुड़े लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। 7 से 13 जनवरी तक होने वाली इस चैंपियनशिप में देशभर के सीनियर इंटरनेशनल खिलाड़ी बारीकी से प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी अनुभवी निगाहों से परख रहे हैं और आने वाले राष्ट्रीय खेलों में इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा।

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में होने वाले उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में एफआईवीवी के प्रतिनिधि हितेश मल्होत्रा अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने जयपुर पहुंच गए हैं और एडहॉक कमेटी वीएफआई के चेयरमैन रोहित राजपाल तथा सदस्य डॉ अलकनंदा अशोक और एस गोपीनाथ मौजूद रहें। सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, राजस्थान क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन, सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया सहित कई गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर शामिल थे।

पहले दिन के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में पंजाब की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना को 3-2 से शिकस्त दी वहीं चंडीगढ़ की टीम ने नागालैंड को 3-0 से हराया। आंध्र प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 3-1 से और महाराष्ट्र ने अण्डमान को 3-0 से मात दी। वहीं उड़ीसा ने लद्दाख को 3-0 से और जम्मू-कश्मीर ने त्रिपुरा को 3-0 से हराया। बिहार ने मणिपुर को 3-1 से और रेलवे की टीम ने हरियाणा पर 3-1 से जीत दर्ज की। महिला टीमों ने भी अपना शानदार प्रदर्शन किया और दिल्ली की टीम ने पुदुचेरी को 3-0 से हराया और गुजरात ने सिक्किम को शानदार तरीक़े से 3-0 से मात दी।

राजस्थान स्टेट जूनियर अंतर जिला टीम स्पर्धा प्रतियोगिता जयपुर ने जीती

उदयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रसिंह बारहठ स्मृति राजस्थान स्टेट जूनियर एवं अंतर ज़िला एवं ओपन टेनिस प्रतियोगिता मंगलवार को जयपुर ने उदयपुर को हराकर जीता। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने बताया कि पहले एकल में जयपुर के प्रियांशु तंवर ने उदयपुर के निखिलेश भट्ट को 8-0 से हराया। दूसरी एकल प्रतियोगिता में उदयपुर के निखिलेश भट्ट ने जयपुर के जेसन जाट को 8-4 से हराया। निर्णायक डबल्स में प्रियांशु तंवर एवं जेसन जाट की जोड़ी ने उदयपुर के नव्य भट्ट एंव निखिलेश भट्ट की जोड़ी को 7-6 के टाई ब्रेकर में हराकर जयपुर को जीत दिलायी। इसके अतिरिक्त अन्डर-14 आयु वर्ग में जेसन जाट ने दिव्यम चौधरी को 8-5 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। अन्डर-18 वर्ग में समिफाईनल में प्रियांश तंवर ने नव्य भट्ट को 8-3 से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमिफाईनल में सिरोही के नील भारद्वाज ने जयपुर के आर्यन कांकरवाल को 8-6 से पराजित का फाईनल में प्रवेश किया। अन्डर-16 आयु वर्ग में निखिलेश भट्ट ने हर्षिल मेवाड़ा को हराकर फाईनल में प्रवेश किया। डॉ.. चक्रवर्ती ने बताया कि सभी फाईनल बुधवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के टेनिस कोर्ट पर खेले जायेंगे एवं सभी विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का शानदार आयोजन

100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

जयपुर, 7 जनवरी। जीतो जयपुर चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का भव्य आयोजन एसएमएस बैडमिंटन हॉल, एसएमएस स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जैन समुदाय के विभिन्न आयु वर्ग के 100 से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन जीतो स्पोर्ट्स एपेक्स के डायरेक्टर इन चार्ज जिनेन्द्र कुमार मुनोत और जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन सलोनी जैन ने किया। जयपुर बैडमिंटन संघ से मनोज दासोत और अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रदीप सूराना, संयोजक जीतो स्पोर्ट्स जयपुर व अश्विनी मेहता कार्यक्रम संयोजक ने कार्यक्रम में पधारे सभी प्रतिभागियों को जीतो द्वारा किए जा रहे स्पोर्ट्स की गतिविधियों के बारे में बताया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने टीम व व्यक्तिगत श्रेणियों में जोरदार मुकाबले किए। फाइनल मुकाबलों में 45 डबल्स में अनिल जैन व ललित जैन, 35-45 डबल्स की श्रेणी में अभिषेक जैन व अक्षित शाह, 15-35 डबल्स में कार्तिक जैन व प्रयूल जैन व मिक्सड डबल्स में राजुल भंडारी व ऋषभ जैन विजयी रहे व अंडर 15 सिंगल्स मेल में दिव्यांश बोकाड़िया व फीमेल में कशिका जैन, 15-25 में अंशुल जैन, फीमेल में मान्या जैन, 35-45 में आशीष जैन, 45 मुकेश जैन, 25-35 में नमन जैन विजयी रहे। मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोह लिया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

उदयपुर में आयोजित होगा राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वरिष्ठ अधिकारियों को आमजन की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा

- जयपुर के साथ उदयपुर में भी सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों व सरकारी कार्यालयों में विशेष सजावट की जायेगी।
- पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम के लिये आपसी समन्वय रखने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में होने वाले राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें।

जयपुर, 7 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस का राज्यस्तरीय समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ भव्य और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह समारोह झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय आयोजन में राष्ट्रीयता की भावना को इंगित करते हुए कार्यक्रम शामिल करें। साथ ही, समारोह में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर की सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों तथा सरकारी कार्यालयों के साथ ही, उदयपुर में भी सभी प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सजावट की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने से लेकर उनके आवागमन, ठहरने और भोजन की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन जयपुर तथा सहेलियों की बाड़ी उदयपुर में आयोजित होने वाले एटहोम कार्यक्रम के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

शर्मा ने निर्देश दिये कि अधिकारी, समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं यातायात व्यवस्था सहित, सभी तैयारियां समय पर पूरी होना सुनिश्चित करें। अधिकारी, समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से किया जाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव सामान्य प्रशासन जोगा राम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस के आयोजन की तैयारियों की रूपरेखा रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह के आयोजन में राज्य की विविधताओं को दर्शाती हुई झांकियों का प्रदर्शन किया जाए। साथ ही, समारोह में बैंड शो, कैमिल शो, घुड़सवारी शो जैसे कार्यक्रम भी शामिल करें, जिससे वे आमजन के लिए आकर्षण का केन्द्र बनें तथा युवाओं में देशप्रेम की भावना जाग्रत हो।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, शिक्षा, सूचना एवं जनसम्पर्क, पर्यटन, जयपुर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, उदयपुर जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

खदान में फंसे मजदूरों को निकालने के लिये सेना पहुंची

दीमा हसाओ, 07 जनवरी। असम के दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो में 300 फीट गहरी कोयला खदान में सोमवार को अचानक पानी भर गया था, जिससे 9 मजदूर अंदर फंस गए। मजदूरों के फंसने की सूचना 34 घंटे पहले, सोमवार सुबह करीब 7 बजे मिली थी। अब इन मजदूरों के रेस्क्यू में सेना को लगाया गया है। असम के माइनिंग मिनिस्टर कौशिक राय घटनास्थल पर मौजूद हैं। भारतीय सेना और असम

- खदान में भरे पानी को दो मोटरों की मदद से निकाला जा रहा है।

राइफल्स के गोताखोर और मेडिकल टीम के साथ इंजीनियर्स टास्क फोर्स रैस्क्यू में शामिल हो गई हैं।

कुछ रिपोर्ट्स में 3 मजदूरों के शव दिखने की बात कही गई। पुलिस ने खदान के मालिक पुनीश नुनिसा को गिरफ्तार कर लिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रैट माइनर्स की खदान है। इसमें 100 फीट तक पानी भर गया है, जिसे दो मोटरों की मदद से निकाला जा रहा है।

आसाराम बापू को 31 मार्च तक की अंतरिम जमानत मिली

सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी, पर, वे अपने अनुयायियों से मुलाकात नहीं कर पायेंगे

- आसाराम 17 दिन का पैरोल खत्म होने पर 6 दिन पहले ही जोधपुर जेल वापस आये थे।
- वे 2013 में गिरफ्तार हुये थे तथा तब से जेल में है।

नई दिल्ली,07 जनवरी। राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने आसाराम बापू को अंतरिम जमानत दी है। पिछले दिनों बीमार चल रहे आसाराम बापू को इलाज के लिए महाराष्ट्र भी ले जा गया था। बीच में सूरत की लाजपोर जेल में बंद उनके बेटे को गुजरात हाईकोर्ट ने बीमारी के चलते मिलने की अनुमति दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों के कारण आधार पर आसाराम बापू को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। हालांकि, इस दौरान कड़ी शर्तें भी लागू रहेंगी। आसाराम बापू अंतरिम जमानत की अवधि में अपने फॉलोवर्स और अनुयायियों से मुलाकात नहीं कर पाएंगे। आसाराम बापू 17 दिन की पैरोल खत्म होने के बाद छह दिन पहले ही राजस्थान की जोधपुर जेल में वापस लौटे थे।

ज्ञातव्य हैं कि आसाराम को जोधपुर पुलिस ने 31 अगस्त 2013 को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया था और तब से वे जेल में हैं। एक किशोरी ने उन पर जोधपुर के पास मणई गांव में स्थित उनके आश्रम में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की रहने वाली यह लड़की आश्रम में छात्रा थी। आसाराम बापू को इसके अलावा गांधीनगर की अदालत ने बलात्कार के मामले में सजा दी थी।

इस मामले में आसाराम को सेशन कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आसाराम के खिलाफ रेप का यह मामला साल 2013 में दर्ज हुआ था। पीड़िता के साथ रेप की वारदात साल 2001 से 2006 के बीच हुई थी। यह मामला अहमदाबाद के चांदखेड़ा थाने में दर्ज हुआ था। आसाराम पिछले साढ़े 11 साल से जेल में हैं। आसाराम के बेटे नारायण साईं के खिलाफ भी दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। इस मामले में साईं को उम्रकैद हुई है। वह सूरत की जेल में बंद है।

डल्लेवाल की स्थिति नाज़ुक, दिन में एक घंटा बेहोश रहे

किसान मोर्चा ने केन्द्र सरकार को चेतावनी दी कि डल्लेवाल को कुछ हो गया, तो स्थिति नहीं संभलेगी

- डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर जारी बुलेटिन के अनुसार, रात में उनका बी.पी. व पल्स बहुत नीचे गिर गया था। यदि यही हालात रहे तो कभी भी कुछ भी हो सकता है।

पटियाला, 07 जनवरी। खनौरी बॉर्डर पर 43 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती स्थिति को लेकर किसान मोर्चा के सब्र का बांध टूटने लगा है।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने मंगलवार को केंद्र सरकार को चेतावनी दी। कोहाड़ ने कहा कि अगर डल्लेवाल को कुछ हो गया तो केन्द्र स्थिति को संभाल नहीं पाएगा। बेहतर है कि समय रहते केन्द्र सरकार किसानों की बातों को गंभीरता से सुने और उनकी मांगों को पूरा करे।

वहीं, डल्लेवाल की हालत नाजुक बनी हुई है। मीडिया बुलेटिन जारी करते हुए डॉ. अवतार सिंह ने बताया कि डल्लेवाल बात तक नहीं कर पा रहे हैं।

ब्लड प्रेशर ऊपर-नीचे हो रहा है। मंगलवार को कमजोरी की वजह से वे करीब एक घंटा तक बेहोश रहे। डॉक्टरों ने उन्हें पानी पिलाया, तब जाकर कुछ राहत मिली। बीती रात भी उनका बीपी 77/45 और पल्स रेट 38 से भी नीचे गिर गया था। रात ढाई बजे जाकर बीपी कुछ स्थिर हुआ। उन्होंने बताया कि अगर यही हालात रहे तो उन्हें कभी भी कुछ भी हो सकता है। मंगलवार को सरकारी राजिंदरा अस्पताल के डाक्टरों की टीम भी डल्लेवाल के चेकअप के लिए बॉर्डर पहुंची।

किसान नेताओं ने कहा कि 10 जनवरी को पूरे देश में ग्रामीण स्तर पर मोदी सरकार के पुतले जलाए जाएंगे, ताकि केन्द्र सरकार को पता लग जाए कि गांवों के लोग एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर डल्लेवाल के संघर्ष के साथ खड़े हैं। 13 जनवरी को नई खेती नीति के ड्राफ्ट की कॉपियां देशभर में जलाई जाएंगी। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि संघर्ष की अगली रणनीति की घोषणा दोनों मोर्चों से जल्द ही की जाएगी।

जवाब नहीं दिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्तीय अनियमितता हुई है तो उसे इसके दोषी अफसर या सक्षम प्राधिकरण से वसूला जाएगा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आरपी सिंह और हरेन्द्र नील ने कहा कि शुरुआत में राज्य सरकार ने जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय लिया था। वहीं, एक माह बीतने के बाद भी सरकार ने जवाब नहीं दिया, बल्कि अदालती आदेशों की अवमानना करते हुए ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग में भेजने के आदेश दे दिए।

फी ट्रेड, फ्री इन्वैस्टमैंट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल्यवाल और इंटरनैट कंपनी, टैन्सैंट पर सैन्य संबंध होने का आरोप लगाया है। वर्तमान में यह सबसे बड़ी मीडिया कंपनियों में से एक है और भविष्य में उच्च स्तरों तक पहुँचने की राह पर है।

अमेरिका ने कहा है कि टैन्सैंट के चीनी रक्षा विभाग के साथ गहरे सम्बंध है तथा इस प्रकार से एक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। यह चीज़ अमेरिकन और चीनी नैट-आधारित कम्पनियों में अलगाव पैदा कर देगी। चीन ने प्रतिद्वंदी सोशल मीडिया कम्पनियाँ विकसित कर ली हैं जो आकार और जनसम्पर्क के मामले में, अमेरिकन कम्पनियों से मुकाबला कर रही हैं।

वस्तुत: 2025 अमेरिकनों के लिये चीनियों के साथ डीलिंकिंग तथा प्रतिबंधों के सिलसिलों का वर्ष बनता जा रहा है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने सी.ए.टी.एल., जो विश्व की सबसे बड़ी विद्युत वाहन बैटरी निर्माता कम्पनी है, पर भी चीनी रक्षा गतिविधियों के साथ सम्बंध रखने का लेबल लगा दिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय बैटरी मार्केट में सी.ए.टी.एल. की व्यापक उपस्थिति है। यह एक ऐसी कम्पनी है, जिसने इस क्षेत्र ऐसी विशिष्टताएं विकसित की हैं कि यह पूरी दुनिया को बैटरी तकनीक दे रही है।

ऐसी स्थिति में, जब से क्रॉस लिंकेज की चर्चा शुरु हुई है, अमेरिकन और चीनी मार्केट एक दूसरे की विपरीत दिशा में जा रहे हैं। बाजार बड़ी उत्सुकता के साथ इस बिन्दु पर नजर रखे हुये हैं कि अमेरिका ने इस स्थिति को कहाँ तक बिगाड़ने का निश्चय कर लिया है।

न्याय मित्र महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की ओर से मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने सरकार को चार सप्ताह का समय देते हुए शौचालयों के वर्तमान हालातों और उनमें सुधार की कार्य योजना बताने को कहा है। दरअसल हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 3 दिसंबर को महिलाओं के लिए टॉयलैट्स की कमी को गंभीरता से लिया था और संबंधित अफसरों से पूछा था कि क्यों ना सभी नगर निगम और बोर्ड आदि सार्वजनिक क्षेत्र, गलियों और स्कूल आदि में टॉयलैट निर्माण के लिए समग्र स्कीम बनाई जाए तथा क्यों ना संबंधित स्थानीय निकाय के आयुक्त या अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाए अदालत ने कहा था कि घर से बाहर निकली महिलाएं अपने लिए टॉयलेट तलाश करती हैं, लेकिन उन्हें या तो टॉयलेट नहीं मिलता या मिलता है तो उसमें पर्याप्त साफ सफाई नहीं होती। जिसके कारण महिला वापस घर पहुंचने तक यूरिन रोकती है, जो गंभीर है।

राहुल गांधी बरेली कोर्ट में पेश नहीं हुए

बरेली, 07 जनवरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी मंगलवार को एक मामले में बरेली जिला न्यायालय में पेश नहीं हुए। उनकी ओर से कोई पक्षकार भी नहीं आया।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए, राहुल गांधी को 17 जनवरी को पेश होने के लिये समय दिया है, अगर राहुल गांधी पेश नहीं होते है तो कोर्ट नोटिस जारी कर सकता है।

दरसअल, बीते लोकसभा चुनाव

- जिला न्यायालय ने 17 जनवरी को पेश होने का समय दिया।

के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया था। इसका हिंदूवादी संगठनों ने तीखा विरोध किया था।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से बरेली कोर्ट में अर्जी दी गई थी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया था। इसके बाद पंकज पाठक ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अपील कर दी थी।

उत्तर प्रदेश में नये अपराधिक कानून जल्दी लागू करें

अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने नये कानूनों के क्रियान्वयन के लिये समीक्षा बैठक की

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नये अपराधिक कानून दंड-केन्द्रित नहीं बल्कि पीड़ित-केन्द्रित हैं।

नयी दिल्ली, 07 जनवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के सातों कमिश्नरेट्स में इस वर्ष 31 मार्च तक नए आपराधिक कानूनों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। शाह ने मंगलवार को यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में उत्तराखंड में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक और राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो सहित गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून दंड-केन्द्रित नहीं बल्कि पीड़ित-केन्द्रित हैं और इनका उद्देश्य त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से फरवरी माह में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा कर इन कानूनों को राज्य में पूरी तरह जल्द से जल्द लागू करने को कहा।

शाह ने कहा कि इस बात की नियमित और निरंतर निगरानी होनी चाहिए कि दर्ज की गई कुल जीरो प्राथमिकी में से कितनी राज्यों को स्थानांतरित की गईं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हर 15 दिन में और मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करनी चाहिए।

दिल्ली की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी जैगुआर कम्पनी से खरीदे गए। माउण्ट शावर क्रोम पॉलिश वाला है और पीतल के हैंडल हटाकर स्टेन लैस स्टीन के हैंडल लगाए गए है, सिर्फ इन्हीं पर 54 लाख रु. खर्च हुए हैं।

नाबालिग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त ने उसे अमरूद देने का लालच देकर अपने कमरे में बुलाया था और उसके साथ छेड़खानी की थी।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द नहीं होगी

नयी दिल्ली, 07 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने के आधार पर बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (प्रारंभिक) रद्द करने की मांग वाली याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने के कारण परीक्षा रद्द करने की याचिका खारिज कर दी।

एवं न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत, पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट के अधिवक्ता ने दलील देते हुए कहा कि सभी ने देखा कि कैसे बिहार पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और कदाचार के मुद्दे पर जोर देते हुए दलील दी कि जिस तरह से पेपर लीक हो रहे हैं।

सांसद पप्पू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कई गंभीर अनियमितताएं, पारदर्शिता का अभाव और प्रशासनिक विफलताएं सामने आई हैं।

राजभवन के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए यादव ने कहा कि प्रशांत किशोर शिखंडी हैं, और उसकी यह मांग कि आंदोलन में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव छात्रों का नेतृत्व करें, हास्यास्पद है। किशोर ने अपनी राजनीतिक दुकान चलाने के लिए छात्रों के आंदोलन को मोहरा बनाया है। सत्याग्रह के दौरान छात्रों पर बिहार पुलिस ने तीन बार लाठी चार्ज किया। उन्होंने 12 जनवरी को महागठबंधन के सभी नेताओं से बिहार बंद में शामिल होने का भी आग्रह किया है।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते समय सांसद के साथ प्रेमचंद सिंह, राजेश पप्पू, राघवेन्द्र कुशवाहा, फैजान अहमद, उपस्थित थे।

चीन अरुणाचल प्रदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस ओर लगाने को बाध्य होना पड़ सकता है।

इसके अलावा चीन पूर्वोत्तर राज्यों के आर्थिक विकास क भारत के प्रयासों को कमजोर करना चाहता है क्योंकि इससे क्षेत्र में चीन का प्रभाव कम हो रहा है।

हाल ही में यू.टी.ए. ने अरुणाचल की बांध परियोजनाओं के विरोध में बयान जारी किया। इसने चकमा शरणार्थियों को दूसरी जगह भेजने की मांग की साथ ही कहा कि नॉन ए.पी.एस.टी. (अरुणाचल प्रदेश शिड्यूल ट्राइब) को दिए गए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र रद्द किए जाए। ये मांगे राज्य के आदिवासी समुदायों से संबंधित है और इनसे भारी तनाव पैदा हो सकता है।

बयान का समय महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी समय एन.एच.पी.सी. (नैशनल हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) को सिआंग अपर मल्टीपरपज प्रोजैक्ट के प्रीफिजिबिटी अध्ययन में सहायता देने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। सिआंग व अपर सिआंग जिलों के लोग इस प्रोजैक्ट का विरोध कर रहे हैं और अब इस बयान से टकराव बढ़ रहा है। इसके अलावा यू.टी.ए. की मांग गैर आदिवासी से विवाद करने वाली आदिवासी महिलाओं के बच्चों को एस.टी. प्रमाणपत्र देने से सम्बंधित है, जिससे स्थानीय लोगों की नाराजगी बढ़ रही है।

यू.टी.ए. इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा वर्ग का समर्थन जुटाने की कोशिश में लगा है क्षेत्र के कई युवा काफी निराश है उन्हें लगता है सरकार उनकी चिंता का समाधान नहीं कर रही है।

इस निराशा की वजह से युवा वर्ग के यू.टी.ए. में शामिल होने का खतरा है। उन्हें यह लग सकता है कि यह संगठन उनकी समस्याओं का समाधान कर सकता है।

इसलिए सरकार के लिए जरुरी है कि इन चुनौतियों पर सक्रियता से काम करे।

यू.टी.ए. के स्वघोषित अध्यक्ष एंथनी डोक का विवादास्पद इतिहास है वे पूर्व में नैशनल लिबरेशन काउंसिल ऑफ टानी लैंड से जुड़े हुए थे, जिसे 2010 में राज्य पुलिस ने खत्म कर दिया था। यह संगठन लोगों से वसूली भी करता था। एंथनी भी गिरफ्तार हुआ और फिर रिहा हो गया बाद में वह आम नागरिक का जीवन बिताने लगा और इटा नगर में एक रैस्त्राँ चलाने लगा।

अब उसके यू.टी.ए. के नेता के रुप में अचानक सामने आना चिंताजनक है। सुरक्षाबलों को संदेह है कि वह म्यांमार व नागालैंड आता जाता है और बागी नागा संगठनों से उसे मदद मिल रही है।

क्या बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार द्वारा लालू यादव से मुलाकात करने पर प्रधानमंत्री मोदी सख्त नाराज है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया था, जिसमें टूट-फूट चुके तंत्र को ठीक करने के लिये राजनैतिक छलाँग लगाई है।

जहाँ तक विपक्षी गठबंधन, "इंडिया", जिसका हिस्सा आप भी है, का संबंध है, के लिये यह चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि विपक्षी खेमे में कांग्रेस के अलावा आप ही ऐसी इकलौती पार्टी है, जो एक से अधिक राज्य की सत्ता में है। केजरीवाल के व्यक्तिगत संबंध विपक्षी नेताओं के साथ अच्छे हैं, जबकि कांग्रेस, जो ब्लॉक का नेतृत्व कर रही है, के साथ विपक्षी नेताओं के रिश्ते उतने मधुर नहीं हैं। अगर आप दिल्ली में तीसरी बार जीतती है, तो इंडिया ब्लॉक में केजरीवाल की हैसियत बढ़ेगी तथा कांग्रेस और अधिक दबाव में आ जायेगी। इसके विपरीत, आप का नुकसान होने से कांग्रेस को थोड़ी राहत मिलेगी।

पंजाब को छोड़कर, दिल्ली उत्तरी भारत का ऐसा इकलौता राज्य है, जहाँ भाजपा ने पिछले लगभग ढ़ाई दशक से सत्ता का स्वाद नहीं चखा है। लेकिन पिछले तीन दशक के भाजपा के वोट शेयर पर नज़र डालने पर ज्ञात होता है कि पार्टी अपना संतोषजनक जनाधार बनाये हुये है।

1998 से लेकर अब तक, सत्ता से बाहर रहने के बावजूद, तब से लेकर अब तक हुये 6 विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 32 प्रतिशत से नीचे नहीं रहा है।

2015 में भी, जब आप को इकतरफा जीत मिली थी तथा भाजपा केवल तीन सीटों पर सिमट गई थी, उसका वोट शेयर 32.19 प्रतिशत रहा था। पाँच साल बाद, जब इसने 8 सीटें जीतीं तथा शेष सभी सीटें आप की झोली में गई थीं, इसका वोट शेयर उछलकर 38.51 प्रतिशत पर पहुँच गया था।

वोट शेयर कायम रहने के अलावा, भाजपा को एक यही बात संबल देती आ रही है कि 2014 से लेकर अब तक, इसने दिल्ली में सभी सात सीटें जीती हैं।

1998 में सत्ता से बाहर होने के बाद, भाजपा 1998, 2003 तथा 2008 के लगातार तीनों चुनाव कांग्रेस से हारी थी तथा 2013, 2015 एवं 2020 के तीन लगातार चुनाव आप से हारी है। भाजपा के साथ एक बड़ी कमी यह रही है कि पहले कांग्रेस की शीला दीक्षित तथा 2013 से आप के केजरीवाल जैसा पार्टी का कोई लोकप्रिय चेहरा भाजपा के पास नहीं रहा।

अपने पहले दो चुनावी भाषणों में, मोदी ने अपनी सरकार का मॉडल आप की सरकार के मॉडल के विरूद्ध रखा। उनका फोकस आप सरकार के मॉडल के प्रमुख स्तम्भों की काट करने पर था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार एक ज्यादा सक्षम कल्याणकारी व्यवस्था संचालित कर रही है। जब आप का उदय राजनैतिक क्षितिज पर हुआ था, तो इसने अपने आप को "आम आदमी" की पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया था तथा उसी को रेखांकित करने के लिये अपना चुनाव चिन्ह "झाड़ू" रखा था। मोदी और भाजपा सीधे कच्ची बस्तियों के निवासियों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें आप सरकार में बिजली-पानी मुफ्त मिल रहे हैं, वे ऑटोरिक्शा चालकों को प्रभावित करना चाह रहे हैं, जिनका स्नेह पाने के लिये आप ने बहुत मेहनत और काम किया है।

लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद, भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में धमाकेदार वापसी की सराहनीय क्षमता दर्शाई थी। वह जीत के इस सिलसिले को दिल्ली तक लाना चाहेगी, ताकि इस आधात से विपक्ष पूरी तरह पंगु होकर रह जाये।

दिल्ली में कांग्रेस का उत्थान और पतन बड़ा नाटकीय रहा है। पार्टी 1998 में दिल्ली की सत्ता में आई, जबकि कुछ ही महीने पहले, वह लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हार गई थी। दिल्ली में भी, भाजपा ने सात में से छ: सीटें जीती थीं। कांग्रेस की ओर से इकलौती विजेता मीरा कुमार थीं, जो करोग बाग सीट से जीती थीं और तो और, दीक्षित, जो कुछ ही माह बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं, पूर्वी दिल्ली सीट पर भाजपा के लाल बिहारी तिवारी से हार गई थीं।

लेकिन, इन लोकसभा चुनावों के कुछ माह बाद हुये विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 70 मे से 52 सीटें जीतीं तथा इसका वोट शेयर 47.7 प्रतिशत रहा तथा उस समय मुख्यमंत्री बनीं शीला दीक्षित 15 साल तक इस पद पर आसीन रहीं। उनका शासन 2013 में समाप्त हुआ, जब कांग्रेस केवल 8 सीटों पर सिमट गई तथा स्वयं दीक्षित, केजरीवाल से हार गईं।

2015 में पार्टी को और भी बड़ा धक्का लगा, क्योंकि दिल्ली में अपना खाता तक नहीं खोल सकी। इसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से नीचे आ गया, जबकि 2008 में इसका वोट शेयर 40.31 प्रतिशत तथा 2013 में 24.55 प्रतिशत था।

और पिछले विधानसभा में पार्टी का वोट शेयर घट कर मात्र 4.26 प्रतिशत रह गया तथा इसके 66 में से 63 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हो गईं।

पार्टी के 15 साल के शासन का श्रेय शीला दीक्षित को भले ही मिला हो, लेकिन उस समय, दिल्ली में कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा काफी मजबूत था, जिसमें लगभग सभी समुदाय के लोग शामिल थे। दिल्ली में पार्टी के बहुत से दत्रप थे, जिनमें से कई तो मुख्यमंत्री पद की प्रतिस्पर्धा में भी थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908